06 अगस्त 2025
बुधवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

किसानों को तकनीकी सहायता व प्रशिक्षण दे कृषि क्षेत्र में लाया जा सकता है क्रांतिकारी बदलाव : डीएम 2

बाढ़ ने निचले इलाके में भारी तबाही मचाई, 20 सेंकड में बाजार तबाह, होटल-घर जमींदोज, कल्प केदार मंदिर भी बहा

उत्तरकाशी में बादल फटने से आई बाढ़, चार की मौत, 30 लापता

एजेंसी/उत्तरकाशी

बादल फटने से आई आपदा के बाद जिला प्रशासन ने वीडियो के आधार पर 25-35 लोगों के मलबे में दबने की आशंका जताई है। साथ ही 25-30 होटल, दुकानें मलबे के सैलाब में बहने के कयास लगाए जा रहे हैं। वहीं हर्षिल हेलिपैड के आसपास के क्षेत्र में भी भारी तबाही हुई है। घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी प्रशांत आर्य तत्काल आपदा कंट्रोल रूम पहुंचे और आईआरएस सिस्टम को सक्रिय किया।एसडीआरएफ की पोस्ट भटवाड़ी व गंगोत्री से रेस्क्यू टीमें उपकरणों के साथ घटनास्थल पर पहुंच गई है। रेस्क्यू टीम द्वारा सैटेलाइट फोन के माध्यम से अवगत कराया गया कि आपदा प्रभावित क्षेत्र से अभी तक 60 से 70 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। एसडीआरएफ की अन्य टीमें रास्ते में है जो जल्दी ही प्रभावित क्षेत्र में पहुंच जाएगी।एसडीआरएफ मुख्यालय जौलीग्रांट में सेनानायक ने रेस्क्यू टीमों को ब्रीफ्रिंग के बाद धराली के लिए रवाना किया। जौलीग्रांट से कुल 50 रेस्क्यू जवानों की टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई। धराली में बादल फटने से मची तबाई के बाद सेनानायक अर्पण यदुवंशी ने रेस्क्यू टीमों को दिशा निर्देश देते हुए घटनास्थल के लिए रवाना किया। टीमों के साथ उपसेनानायक को रवाना किया गया है। जबकि सेनानायक खुद भी मौके के लिए रवाना हुए हैं। यदुवंशी ने कहा कि रेस्क्यू टीमों को जरूरी दिशा निर्देश देते हुए मेडिकल किट, राशन, टेंट, कटर, थर्मल इमेजिंग कैमरा, विक्टिम लोकेशन कैमरा आदि के साथ घटनास्थल के लिए रवाना किया गया है। कहा कि दो टीमें पहले ही घटनास्थल पर पहुंची चुकी हैं।प्रदेश में अगले तीन घंटे भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

रात नौ बजे तक अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, नैनीताल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, उधम सिंह नगर, उत्तर काशी में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश के आसार हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आपदा को लेकर दुख जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा 'उत्तराखंड के धराली में बादल फटने से आई भारी तबाही के कारण कई लोगों की मौत और कई अन्य के लापता होने की खबर बेहद दुखद और चिंताजनक है। मैं प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और लापता लोगों के जल्द से जल्द मिलने की आशा करता हूं। प्रशासन से अपील है कि राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाएं। कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं से अनुरोध है कि राहत कार्यों में प्रशासन का सहयोग और जरूरतमंदों की हर संभव मदद करें।

खीरगंगा का रौद्र रूप, कल्प केदार मंदिर भी बहा

एजेंसी/उत्तरकाशी

उत्तरकाशी जिले के धराली गांव के पास मंगलवार दोपहर को पहाड़ी पर बादल फटने से खीरगंगा नदी में अचानक सैलाब आ गया। मलबे और पानी का बहाव इतना तेज था कि इसकी चपेट में आने से धराली का मुख्य बाजार पूरी तरह तबाह हो गया। इस आपदा में धराली का प्रसिद्ध कल्प केदार मंदिर भी पूरी तरह से मलबे में बह गया है। प्रशासन ने अभी तक चार लोगों के मरने की पुष्टि की है, जबकि 25 से 35 लोग लापता बताए जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंगलवार दोपहर करीब 1:50 बजे गांव के ऊपर बादल फटा। इसके बाद महज 20 सेकंड के भीतर खीरगंगा नदी का पानी और मलबा मुख्य बाजार की ओर मुड़ गया। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर दौड़ रहे थे, लेकिन इससे पहले कि वह सुरक्षित जगह पर जा पाते सैलाब ने सब कुछ तबाह कर दिया। वहां मौजूद कई होटल, रिसॉर्ट, दुकानें, घर और सेब के बगीचे जमींदोज हो गए। वहां चीख-पुकार मच गई। देखते ही देखते पूरा बाजार मलबे के ढेर में तब्दील हो गया।सूचना मिलते ही जिला प्रशासन तुरंत हरकत में आया और एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना और पुलिस की टीमें मौके पर भेजी गईं। बचाव दल ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है और होटल में फंसे कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

लोगों का कहना है कि अगर नदी का बहाव सीधे आगे बढ़ता तो गांव की बस्ती को भी भारी नुकसान हो सकता था लेकिन पानी बाजार की ओर मुड़ जाने से सबसे ज्यादा नुकसान व्यावसायिक इमारतों को हुआ है। बताया कि एक बार पानी के साथ मलबा आया और उसके बाद कुछ देर के लिए रूक गया। वहीं उसके बाद दोबारा मलबा आया।घटना की जानकारी मिलते ही डीएम प्रशांत आर्य और एसपी सरिता डोबाल मौके के लिए रवाना हो गए हैं। प्रशासन ने हर्षिल में राहत शिविर भी स्थापित किए हैं। डीएम ने बताया कि नुकसान का पूरा आकलन मौके पर पहुंचकर किया जाएगा। 25-35 लोगों के मलबे में दबने की आशंका बादल फटने से आई आपदा के बाद जिला प्रशासन ने वीडियो के आधार पर 25-35 लोगों के मलबे में दबने की आशंका जताई है। साथ ही 25-30 होटल, दुकानें मलबे के सैलाब में बहने के कयास लगाए जा रहे हैं। वहीं हर्षिल हेलिपैड के आसपास के क्षेत्र में भी भारी तबाही हुई है। घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी प्रशांत आर्य तत्काल आपदा कंट्रोल रूम पहुंचे और आईआरएस सिस्टम को सक्रिय किया। सेना, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस, 108 सेवा, चिकित्सा दल व जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गया है।

लगातार तीन नालों में फटे बादल, हर्षिल हेलिपैड और आर्मी कैंप तबाह, आठ से 10 जवान लापता

एजेंसी/उत्तरकाशी

उत्तरकाशी की हर्षिल घाटी में मंगलवार को कुछ घंटों के अंतराल में तीन स्थानों पर बादल फटने के कारण दहशत का माहौल है। पहले धराली में खीर गंगा में बादल फटने से आए मलबे और पानी के सैलाब ने जनजीवन को तबाह कर दिया। उसके बाद तेलगाड का जलस्तर बढ़ने और मलबा आने से हर्षिल हेलिपैड मलबे में दब गया।

सेना कैंप में भी पानी घुस गया। वहीं, कैंप से 8-10 भारतीय सेना के जवान लापता बताए जा रहे हैं। इस घटना में अपने साथ के लोगों के लापता होने के बावजूद, भारतीय सेना के जवान राहत कार्यों में लगे हुए हैं। वहीं बहुत अधिक मात्रा में मलबा आने से हर्षिल हेलिपैड पर करीब पांच से छह फीट मलबा भर गया है। दूसरी ओर आर्मी कैंप में भी पानी और मलबा घुसने से संपत्ति का नुकसान हुआ है।इसके कुछ देर बाद सुक्की के समीप अवाना बुग्याल से आने वाले नाला भी उफना गया। इसके साथ ही पहाड़ी से भूस्खलन होने से भागीरथी नदी में तीन नदियों से एक साथ मलबा और पानी अधिक मात्रा में आने पर झील जैसी स्थिति बन गई है।इसको देखते हुए प्रशासन ने जनपद के नदी किनारे रहने वाले लोगों को अलर्ट कर दिया है। पुलिस और आपदा प्रबंधन कर्मचारी वाहनों से पूरे क्षेत्र में अलर्ट रहने का कह रहे हैं।

वहीं, जनपद में लगातार हो रही तेज बारिश से नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। जिलाधिकारी ने नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ठहरने व पुलिस प्रशासन को लोगों को सचेत करने के निर्देश दिए। दोपहर करीब एक बजकर 50 मिनट पर धराली में खीरगंगा ने मचा दी। उससे करीब आधे घंटे बाद हर्षिल के समीप तेलगाड में बादल फटने के कारण मलबा और पानी बहुत तेज वेग में बहकर आ गया। इस कारण गंगोत्री हाईवे हर्षिल और धराली दोनों स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है। जनपद में लगातार हो रही तेज बारिश से नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। जिलाधिकारी ने नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ठहरने व पुलिस प्रशासन को लोगों को सचेत करने के निर्देश दिए। भारी अतिवृष्टि से गंगोत्री हाईवे पर कई स्थानों पर मलबा और बोल्डर आए हुए हैं जिससे मार्ग अवरुद्ध है। जिलाधिकारी ने सड़क मार्ग को युद्ध स्तर पर सुचारू करने के निर्देश बीआरओ को दिए।

तीन आईएएस अधिकारियों की विशेष समिति गठित

उत्तरकाशी ज़िले के भटवाड़ी विकासखंड के ग्राम धराली क्षेत्र में बादल फटने से उत्पन्न प्राकृतिक आपदा के मद्देनजर राज्य सरकार ने राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए तीन वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों की एक विशेष समन्वय समिति गठित की है। सरकार द्वारा तात्कालिक प्रभाव से जारी आदेश के तहत, कअर अभिषेक रूहेला, आईएएस मेहरबान सिंह बिष्ट, और आईएएस गौरव कुमार को जनपद उत्तरकाशी में तैनात किया गया है। यह तीनों अधिकारी आयुक्त गढ़वाल मंडल के नियंत्रण एवं दिशा-निदेर्शों के अंतर्गत कार्य करेंगे। इन अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि वे जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत, बचाव एवं पुनर्वास कार्यों को तेजी और प्रभावशीलता के साथ अंजाम दें।

उत्तरकाशी में बादल फटने की घटना का समाचार अत्यंत दुखद है। पीड़ित परिवारों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करती हूं और राहत तथा बचाव कार्यों में सफलता की कामना करती हूं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

रक्षा मंत्रालय का बड़ा फैसला, 67000 करोड़ रुपये से खरीदे जायेंगे हथियार

एजेंसी/नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने करीब 67,000 करोड़ रुपये की लागत वाली कई अहम सैन्य परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इनमें लंबी दूरी तक उड़ान भरने वाले ड्रोन और मिसाइल प्रणाली की खरीद भी शामिल है। यह मंजूरी रक्षा अधिग्रहण परिषद ने दी, जिसकी अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की।भारतीय नौसेना के लिए कॉम्पैक्ट ऑटोनोमस सरफेस क्राफ्ट, ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम और लॉन्चर की खरीद और बाराक-1 प्वाइंट डिफेंस मिसाइल सिस्टम के अपग्रेडेशन को मंजूरी दी गई है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कॉम्पैक्ट ऑटोनोमस सरफेस क्राफ्ट की खरीद से नौसेना को पनडुब्बी रोधी अभियानों में खतरों की पहचान करने, वर्गीकरण करने और उन्हें निष्क्रिया करने की क्षमता मिलेगी। भारतीय वायु सेना के लिए माउंटेन रडार की खरीद और सक्षम/स्पाइडर हथियार प्रणाली के अपग्रेडेशन को भी मंजूरी दी गई है। मंत्रालय ने कहा कि माउंटेन रडार की तैनाती से पहाड़ी इलाकों में सीमाओं के आसपास हवाई निगरानी की क्षमता बढ़ेगी। वहीं, सक्षम-स्पाइडर सिस्टम को इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम से जोड़ने से वायु रक्षा की क्षमता में और इजाफा होगा।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

एजेंसी/नई दिल्ली

बिहार के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मालिक का निधन हो गया है। वे लंबे समय से बीमार थे और दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। बिहार के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मालिक का निधन हो गया है। वे लंबे समय से बीमार थे। सत्यपाल मालिक का स्वास्थ्य पिछले कुछ दिनों से गंभीर बना हुआ था, जिसके कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। निधन की खबर से बिहार और देश के राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। सत्यपाल मालिक ने अपने जीवन में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किए और

बिहार की सेवा में अपना योगदान दिए। उनके निधन से उनके परिवार, साथ ही प्रदेश और देश के लोग दुखी हैं। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पर पश्चिम बंगाल, बिहार, हरियाणा और पंजाब के मुख्यमंत्रियों के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी सैलजा, रणदीप सिंह सुरजेवाला और अन्य कई नेताओं ने शोक जताया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मलिक को एक दुर्लभ राजनीतिक व्यक्ति बताया जिनमें असहज करने वाला सच बोलने का साहस था। बनर्जी ने कहा कि मलिक ने किसानों के विरोध प्रदर्शन के समर्थन में बहादुरी से बात की और पुलवामा हमले के संबंध में कुछ अप्रिय सच्चाईबताई। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन से दुखी हूं। वह भारतीय राजनीति में कुछ ऐसे सच बोलकर प्रसिद्ध हुए, जिन्हें कहने का साहस बहुत कम लोग कर पाते हैं। उनके परिवार, दोस्तों और अनुयायियों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

बोल अधिकारी... नहीं बतायेंगे जुर्माना की राशि रखा जाएगा पूरी तरह से गोपनीय

नावानगर इथेनॉल कंपनी में जीएसटी अधिकारियों की हुई जांच पूरी

केटी न्यूज/नावानगर

विशेष आर्थिक क्षेत्र नावानगर में स्थित इथेनॉल कंपनी में चल रही जीएसटी की जांच पूरी हो गई है। करीब दो दिनों तक यहां अधिकारी जमे रहे। साथ ही पुलिस की टीम भी जमी रही। हालांकि यह उजागर नहीं किया जा रहा है कि कुल कितने रुपये की जीएसटी में गड़बड़ी सामने आयी है। अधिकारी इसे लगातार छुपा रहे है। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नावानगर स्थित इथेनॉल कंपनी में जीएसटी को लेकर गड़बड़ी सूचना वरीय अधिकारियों को मिली थी। वरीय अधिकारियों ने 17 सदस्यीय

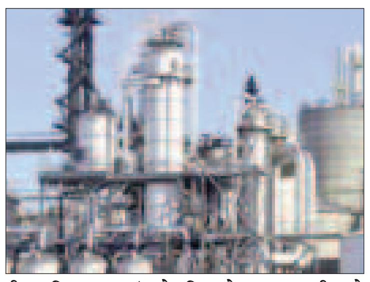

टीम गठित कर जांच के लिए भेजा था। करीब दो दिनों तक लगातार अधिकारी एक-एक दस्तावेज को खंगालते रहे। पुलिस सूत्रों से बताया कि इस जांच के दौरान कंपनी के अधिकारियों का सही सहयोग नहीं मिल रहा था। हर काम में अडंगा लगया जा रहा था। इससे निपटने के लिए पुलिस को बुलाना पड़ा था। बासुदेवा ओपी व नगर थाना के पुलिस टीम दो दिनों तक जमी रही थी। ताकि किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हो। वहीं विभागीय सूत्रों ने बताया कि इथेनॉल कंपनी सूबे में अपना माल सप्लाई करने के बजाये लगातार दूसरे राज्य में माल की सप्लाई कर रही थी। साथ ही अन्य गड़बड़ी सामने आयी है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि करीब ढाई से तीन करोड़ रुपये की जीएसटी की गड़बड़ी सामने आयी है। जांच पूरी होने के बाद वाणिज्य कर विभाग के पटना स्थित कई अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया। परंतु इस संबंध में किसी ने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। जानकार सूत्रों का कहना है कि कंपनी के निदेशक मंडल का सत्ता की गलियारी में गहरी पकड़ है। जिस कारण कोई भी मुंह खोलने से परहेज कर रहा है। वहीं अंत में वाणिज्य कर विभाग के कमिशनर सह सचिव संजय सिंह से संपर्क किया गया। इस संबंध में उन्होंने कहा कि यह विभागीय जांच है। कंपनी कर पर कितना जुर्माना लगाया गया है या जीएसटी में गड़बड़ी पकड़ी गई है यह उजागर नहीं किया जा रहा है।

अब पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को कानूनी पचड़ों से लड़ने के लिए न्याय का एक नया मंच मिला

पूर्व सैनिकों को मिलेगा अब विधिक सुरक्षा का कवच, बक्सर में खुला कानूनी सहायता क्लिनिक

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के पूर्व सैनिकों और वीर परिवारों के लिए एक नई पहल की शुरूआत करते हुए जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में मुफ्त विधिक सहायता क्लिनिक की स्थापना की गई है। यह क्लिनिक उन सैनिकों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है, जिन्होंने देश की सेवा के दौरान न केवल अपना कर्तव्य निभाया, बल्कि कई बार अपने अधिकारों से भी वंचित रह गए। अब पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को कानूनी पचड़ों से लड़ने के लिए न्याय का एक नया मंच मिला है। यह विधिक सहायता क्लिनिक बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निदेर्शानुसार और जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर के तत्वावधान में स्थापित किया गया है। वीर परिवार सहायक योजना के तहत यह केंद्र पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को पूरी तरह निःशुल्क कानूनी मदद देगा। क्लिनिक के उद्घाटन समारोह में पूर्व सैन्य अधिकारियों समेत बड़ी संख्या में सैनिक समुदाय के लोग उपस्थित रहे। इस विधिक सहायता केंद्र का उद्घाटन करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव नेहा दयाल ने कहा कि ह्लयह केंद्र न सिर्फ एक कानूनी मंच है, बल्कि यह देश की सेवा करने वाले वीर सैनिकों के प्रति हमारा सम्मान भी है। जिन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर देश की रक्षा की, उनके परिवारों को यदि किसी भी प्रकार की कानूनी मदद की आवश्यकता हो तो यह केंद्र उनके लिए हमेशा खुला रहेगा। केंद्र में कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए दो प्रमुख व्यक्तियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। वरिष्ठ पैनल अधिवक्ता श्री सेवानंद उपाध्याय को विधिक सलाह देने हेतु नियुक्त किया गया है, वहीं पारा विधिक स्वयंसेवक के रूप में श्री मनन सिंह भी यहां मौजूद रहेंगे, जो मामलों की प्राथमिक जानकारी और सहायता सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर सेना से सेवानिवृत्त कैप्टन सतीश चंद्र पांडेय, जिला सैनिक पदाधिकारी, सूबेदार मेजर (सेवानिवृत्त) जयकुमार चौबे, नायक सूबेदार (सेवानिवृत्त) इंद्र मोहन झा समेत कई अन्य पूर्व सैनिक और उनके परिजन मौजूद थे। उपस्थित सभी लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे ऐतिहासिक बताया।कैप्टन सतीश चंद्र पांडेय ने कहा कि विधिक सहायता केंद्र की शुरूआत एक अभूतपूर्व कदम है। अक्सर ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले पूर्व सैनिकों को अपने हक के लिए कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ती है, लेकिन आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण वे पीछे रह जाते हैं। अब यह केंद्र उन्हें उचित मार्गदर्शन और कानूनी सहायता उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सैनिकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्हें कई बार जमीन, पेंशन, संपत्ति विवाद, पारिवारिक मामलों आदि में कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह सहायता केंद्र उनके लिए संबल का काम करेगा। यह केंद्र न सिर्फ कानूनी सलाह देगा, बल्कि यदि जरूरत पड़ी तो मुकदमे की पैरवी में भी सहायता प्रदान करेगा। इस तरह की पहल न केवल पूर्व सैनिकों को सशक्त बनाएगी बल्कि समाज में उनके सम्मान को और मजबूती देगी।

कोरानसराय में तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, दो घायल

कोरानसराय थाना क्षेत्र के मुख्य चौक पर मंगलवार की दोपहर एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो लोगों को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को आनन-फानन में डुमरांव अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों को बक्सर रेफर कर दिया। घायलों की पहचान मठिला गांव निवासी 66 वर्षीय रविंद्र मिश्रा और 20 वर्षीय प्रकाश मिश्रा के रूप में हुई है। दोनों आपस में रिश्तेदार बताए जाते हैं और किसी कार्य से बाइक पर सवार होकर कोरानसराय आ रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जैसे ही बाइक मुख्य चौक के पास पहुंची, नावानगर की ओर से आ रही तेज रफ्तार एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने हादसे के बाद सड़क पर थोड़ी देर के लिए जाम जैसी स्थिति भी देखी। लोगों ने हादसे को लेकर आक्रोश व्यक्त किया और प्रशासन से इस क्षेत्र में ट्रैफिक नियंत्रण की मांग की। कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है और पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। फरार वाहन और उसके चालक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

ठोरा नदी में डूबे किशोर का तीन दिन बाद भी नहीं मिला सुराग, एसडीआरएफ टीम कर रही तलाश

नावानगर। सिकरौल थाना क्षेत्र के तेतरहर गांव निवासी 11 वर्षीय किशोर अंश वर्मा की ठोरा नदी में डूबने की आशंका के तीन दिन बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। जिसको लेकर किशोर के परिजन बदहवास हालत में लगातार नदी किनारे डटे हुए हैं। हर गुजरते पल के साथ उनकी चिंता बढ़ती जा रही है। बता दें कि बीते रविवार को नहाने के लिए घर से निकले अंश के कपड़े नदी किनारे मिले थे, जिसके बाद परिजन और ग्रामीणों ने उसके डूबने की आशंका जताई थी। तब से लगातार प्रशासनिक स्तर पर उसकी खोजबीन जारी है। शुरूआत में स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाशी अभियान चलाया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद जिला प्रशासन के निर्देश पर एसडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया गया। एसडीआरएफ की टीम ने ठोरा नदी के विभिन्न हिस्सों में सघन तलाशी अभियान चलाया है। नदी के भीतर की झाड़ियों से लेकर किनारे तक की हर जगह की जांच की जा रही है। फिलहाल, एसडीआरएफ की टीम ने अपना तलाशी अभियान जारी रखा है और प्रशासन भी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि जल्द ही कोई सुराग मिलेगा। इस संबंध में सिकरौल थानाध्यक्ष रिकेश कुमार ने बताया कि नदी में डूबने की पर किशोर की तलाश जारी है।

महिलाओं ने सीओ से मिलकर बासगीत पर्चा के लिए आवेदन व शपथ पत्र दिया

राजपुर। प्रखंड के अंचल कार्यालय परिसर में मटकीपुर पंचायत के बभनवलिया गांव से पहुंची दो दर्जन से अधिक महिलाओं ने सीओ से मिलकर बासगीत पर्चा के लिए आवेदन व शपथ पत्र दिया.इस गांव की भूमिहीन महिला सीमा देवी,सविता कुंवर, बनवारी देवी, रानी देवी ,बसंती देवी, उर्मिला देवी, पूजा देवी, सोनी देवी ,रीता देवी ,शीला देवी, फूलकुमारी देवी,अंजनी देवी, रंभा देवी ,विद्यावती देवी, रीता देवी ने बताया कि पिछले तीन वर्षों से विभाग का चक्कर लगा रहे हैं. लेकिन अब तक रहने के लिए जमीन नहीं मिला है.अभी गांव के किसी दूसरे व्यक्ति के जमीन में अस्थाई तौर पर आशियाना बनाकर गुजर बसर करते हैं.सभी भूमिहीन व्यक्ति हैं.इन लोगों ने बताया कि सरकार के कर्मी पूछताछ करने के लिए गए थे. उम्मीद है कि इस बार इन्हें पर्चा मिल जाएगा. विदित हो कि भूमिहीनों को जमीन देने के लिए सरकार ने अभियान बसेरा टू के तहत घर-घर पहुंच कर सर्वे किया है।

किसानों को तकनीकी सहायता व प्रशिक्षण दे कृषि क्षेत्र में लाया जा सकता है क्रांतिकारी बदलाव : डीएम

- कृषि विकास को नई दिशा देने आत्माशासी परिषद की बैठक आयोजित
- बक्सर में कृषि योजनाओं की समीक्षा, किसानों के प्रशिक्षण और मॉडल फार्म पर विशेष जोर

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने और किसानों को समुचित तकनीकी सहायता देने की दिशा में मंगलवार को समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में आत्माशासी परिषद (आत्मा) की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने की। इस दौरान कृषि विकास की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई और किसानों की समस्याओं को लेकर कई अहम निर्देश जारी किए गए। बैठक की शुरूआत जिला कृषि पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक आत्मा द्वारा एजेंडावार समीक्षा के साथ हुई। उन्होंने आत्मा द्वारा प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि किसानों के लिए प्रशिक्षण, परिभ्रमण, किसान पाठशाला सहित कई योजनाएं तैयार की गई हैं, जिनका उद्देश्य किसानों को उन्नत कृषि तकनीक से जोड़ना है।

मॉडल कृषि फार्म की समीक्षा पर नाराजगी

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जिले में विकसित किए जा रहे मॉडल कृषि फार्म की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने इस पर असंतोष जताते हुए कहा कि कई बार निर्देश दिए जाने के बावजूद अब तक अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि संबंधित सभी विभागों द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत की जाए। साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि मॉडल फार्म को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र विकसित किया जाए, ताकि किसानों को व्यावहारिक प्रशिक्षण और आधुनिक कृषि पद्धतियों से अवगत कराया जा सके।

मत्स्य पालकों के लिए बाजार और प्रशिक्षण की व्यवस्था

बैठक में मत्स्य पालकों से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई। पूर्व में मत्स्य बिक्री केंद्र की आवश्यकता पर दिए गए सुझाव के आलोक में जिलाधिकारी ने जानकारी ली। इस पर मत्स्य प्रसार पदाधिकारी ने बताया कि जिले के ग्यारह प्रखंडों में मत्स्य बाजार के लिए स्थल चयन हेतु विभाग से पत्राचार किया गया है और स्वीकृति के उपरांत बाजार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा मत्स्य पालकों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिला मत्स्य पदाधिकारी आत्मा से समन्वय स्थापित करें और प्रशिक्षण की कार्य योजना बनाएं ताकि जिले के मत्स्य पालक लाभान्वित हो सकें।

केला उत्पादन पर अंतरराज्यीय प्रशिक्षण की पहल

बैठक में उपस्थित एक केला उत्पादक किसान द्वारा केला से संबंधित अंतरराज्यीय प्रशिक्षण की मांग की गई। इस पर जिलाधिकारी ने सहमति जताते हुए परियोजना निदेशक आत्मा को निर्देशित किया कि केला उत्पादन से संबंधित प्रशिक्षण को कार्य योजना में सम्मिलित किया जाए और किसानों को इसका अधिकतम लाभ दिया जाए।

अधिकारियों को दिया समन्वय से काम करने का निर्देश

बैठक में उपस्थित उप विकास आयुक्त बक्सर, जिला पशुपालन पदाधिकारी, वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान कृषि विज्ञान केंद्र बक्सर, उप परियोजना निदेशक आत्मा, सहायक निदेशक उद्यान तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी योजनाओं में विभागीय समन्वय बनाए रखें ताकि योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से हो सके।

किसानों की भागीदारी को मिली प्राथमिकता

बैठक में किसान प्रतिनिधियों की भागीदारी ने बैठक को सार्थक बना दिया। किसानों द्वारा दिए गए सुझावों को गंभीरता से लिया गया और तत्काल आवश्यक निर्देश दिए गए। यह बैठक जिले में कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी और अन्य कृषि संबद्ध क्षेत्रों में व्यावहारिक बदलाव लाने की दृष्टि से अहम मानी जा रही है।

कृषि क्षेत्र में है अपार संभावनाएं

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने कहा कि बक्सर जिला कृषि के क्षेत्र में अपार संभावनाओं से भरा हुआ है। यदि योजनाओं को सही तरीके से लागू किया जाए और किसानों को समय पर तकनीकी सहायता व प्रशिक्षण मिले, तो जिले के कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव संभव है। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्परता से कार्य करें और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें।

शांति व्यवस्था की मिसाल थे संजय पासवान नए प्रभारी अमरेश कुमार से लोगों को उम्मीदें

केटी न्यूज/चक्की

चक्की थाना परिसर में मंगलवार को एक विदाई समारोह आयोजित कर पूर्व थानाध्यक्ष संजय पासवान को पुलिसकर्मियों और आम जनता ने भावभीनी विदाई दी। समारोह के दौरान उनके कार्यकाल की उपलब्धियों और योगदान को याद करते हुए कई लोगों की आंखें नम हो गईं। संजय पासवान को न केवल उनके कुशल नेतृत्व, बल्कि जनहित के मुद्दों पर तत्परता से कार्रवाई करने के लिए भी याद किया जाएगा। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान चक्की क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखा और अपराध पर अंकुश लगाने में अहम भूमिका निभाई। चाहे मामला आपसी विवाद का हो या फिर किसी आपराधिक गतिविधि का, उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए समाधान सुनिश्चित किया। विदाई समारोह में उपस्थित पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने संजय पासवान को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर कई लोगों ने मंच से उनके व्यवहार, अनुशासन और सेवा भावना की सराहना की। संजय पासवान ने अपने विदाई संबोधन में कहा कि ह्लचक्की क्षेत्र मेरे दिल के बेहद करीब रहा है। यहां की जनता और सहयोगियों से जो स्नेह मिला, उसे मैं कभी भूल नहीं पाऊंगा।

इधर, चक्की थाना का जिम्मा अब अमरेश कुमार को सौंपा गया है। अमरेश कुमार एक अनुशासनप्रिय और तेजतर्रार पुलिस अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने कार्यभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि उनकी प्राथमिकता अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था बनाए रखना और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि थाना को जनता के भरोसे का केंद्र बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जन सहयोग के बिना बेहतर पुलिसिंग संभव नहीं है। मेरा प्रयास रहेगा कि हर पीड़ित व्यक्ति की बात सुनी जाए और न्याय दिलाया जाए।

लोगों को विश्वास है कि नए थानाध्यक्ष उनके विश्वास पर खरा उतरेंगे और कानून व्यवस्था को और भी बेहतर बनाएंगे।

मातृत्व एवं नवजात शिशु सुरक्षा इकाई का स्वास्थ्य मंत्री ने किया वर्चुअल उद्घाटन

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय अनुमंडल अस्पताल डुमरांव में मंगलवार को मातृत्व एवं नवजात शिशु सुरक्षा इकाई (एमएनसीयू) का उद्घाटन राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस नई स्वास्थ्य सेवा इकाई के शुभारंभ के साथ ही अब माताओं और नवजात शिशुओं को बेहतर इलाज के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ेगा। इस एमएनसीयू वार्ड को पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। कुल 20 बेड की इस इकाई में 10 बेड नवजात शिशुओं के लिए और 10 बेड माताओं के लिए अलग-अलग आरक्षित किए गए हैं। यहां आईसीयू, ऑक्सीजन सपोर्ट समेत कई अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण लगाए गए हैं। इससे अब गंभीर स्थिति में जन्म लेने वाले शिशुओं को बाहर रेफर करने की आवश्यकता नहीं होगी। इस अवसर पर अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. गिरीश कुमार सिंह ने जानकारी दी कि यह एमएनसीयू यूनिट पूरे अनुमंडल क्षेत्र में पहली और एकमात्र सुविधा है, जिससे स्थानीय लोगों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब डुमरांव और आसपास के ग्रामीण इलाकों की माताओं और नवजात शिशुओं को पटना, बक्सर या आरा जैसे बड़े शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस इकाई के सुचारु संचालन के लिए चार शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती की जा रही है। साथ ही देखरेख और उपचार के लिए 10 जीएनएम की भी प्रतिनियुक्ति होगी। इससे सेवा और निगरानी की गुणवत्ता में काफी सुधार होगा।कार्यक्रम के दौरान डॉ. सुमित सौरभ, डॉ. श्रुति कुमारी, डॉ. प्रेमा कुमारी, डॉ. शिवकुमार चौधरी, अस्पताल प्रबंधक अफरोज आलम, फार्मासिस्ट संतोष कुमार, समाजसेवी अजय राय, जीएनएम सोनू कुमारी और उमा कुमारी सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

बिगड़ रहे पर्यावरण को संतुलित करने का एकमात्र उपाय है पौधरोपण : डीएम

- जल-जीवन-हरियाली दिवस पर समाहरणालय परिसर में हुआ पौधरोपण एवं राज्य स्तरीय परिचर्चा का सीधा प्रसारण

केटी न्यूज/बक्सर

जलवायु परिवर्तन से निपटने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से चलाए जा रहे जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत हर माह के प्रथम मंगलवार को मनाया जाने वाला जल-जीवन-हरियाली दिवस इस बार भी उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण विभाग की ओर से समाहरणालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह एवं उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी द्वारा पौधरोपण के साथ की गई। दोनों वरीय अधिकारियों ने अपने हाथों से पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों ने भी परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए और वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय परिचर्चा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी समाहरणालय परिसर से देखा गया। परिचर्चा का मुख्य विषय था पौधशाला सृजन एवं सघन पौधरोपण, जिसमें राज्य भर के जल जीवन हरियाली से संबंधित विभागों ने हिस्सा लिया। बक्सर जिले से भी अभियान से जुड़े सभी संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। परिचर्चा के दौरान पौधशालाओं की स्थापना, पर्यावरण संरक्षण में उनकी भूमिका, सघन पौधरोपण के माध्यम से हरित क्षेत्र बढ़ाने की रणनीति तथा जल संरक्षण के प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने इस दिशा में जिले में चल रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति से भी अवगत कराया।

कार्यक्रम में जिला पंचायती राज पदाधिकारी, निदेशक डीआरडीए (लेखा प्रशासन एवं स्वनियोजन), वनों के क्षेत्र पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा), जिला मिशन प्रबंधक (जल जीवन हरियाली), जिला मत्स्य पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता (लघु जल संसाधन), जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (नमामि गंगे) समेत ग्रामीण विकास और वन विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने कहा कि पौधरोपण तथा पर्यावरणीय जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह दिन विशेष महत्व रखता है। जल-जीवन-हरियाली अभियान को जनांदोलन का रूप देने की दिशा में यह आयोजन एक सशक्त कदम साबित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि बिगड़ रहे पर्यावरण को संतुलित करने का एकमात्र विकल्प पौधरोपण ही है। उन्होंने कहा कि हमे पौधे लगाने के साथ ही उसकी देखभाल की आदत डालनी होगी, यही आज की जरूरत है।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा रघुनाथपुर

अंतिम सोमवारी पर महाकालेश्वर मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

सावन की अंतिम सोमवारी के पावन अवसर पर ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत रघुनाथपुर गांव स्थित तुलसी आश्रम परिसर का माहौल पूरी तरह शिवमय हो गया। यहां स्थित महाकालेश्वर शिव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए दूर-दराज से आए भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। शिव नाम के जयघोष, हर-हर महादेव की गूंज और भक्तों की श्रद्धा से मंदिर प्रांगण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा।

महाकालेश्वर मंदिर परिसर में सोमवार को मेले जैसा दृश्य रहा। फूल, बेलपत्र, धूप, प्रसाद और पूजन सामग्री की दुकानों के अलावा खाने-पीने की अस्थायी दुकानों ने भी धार्मिक उत्सव को रंगीन बना दिया। स्थानीय लोगों के साथ-साथ आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में शिवभक्त दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिर में जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और भस्म आरती जैसे पारंपरिक पूजन कार्य पूरे विधि-विधान से संपन्न हुए।

इस विशेष अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा मंदिर के पास स्थित पवित्र तुलसी सरोवर के तट पर भव्य गंगा महाआरती का आयोजन किया गया। विद्वान अर्चक राजू मिश्रा, गोपी मिश्रा और विकास मिश्रा ने काशी के दशाश्वमेध घाट की तर्ज पर महाआरती का नेतृत्व किया। जैसे ही गंगा आरती आरंभ हुई, दीपों की रोशनी, शंखनाद, घंटे-घड़ियालों की ध्वनि और हर-हर महादेव के जयघोष से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। सरोवर की लहरों पर दीपों की झिलमिलाहट अत्यंत मनमोहक दृश्य प्रस्तुत कर रही थी।

आरती के पश्चात महाकाल मंदिर में विशेष भस्म आरती का आयोजन हुआ, जिसमें भगवान शिव का मनोहारी श्रृंगार कर ढोल-नगाड़ों और मंजीरों की धुन के बीच पारंपरिक शैली में भस्म अर्पित की गई। इससे पूर्व विद्वान पंडित मुकेश पाण्डेय और सुनील तिवारी के सान्निध्य में भक्तों ने सामूहिक रूप से रुद्राभिषेक किया।

पूरे आयोजन के दौरान मंदिर प्रांगण हर हर महादेव और जय श्री महाकाल के नारों से लगातार गूंजता रहा। पूजा के बाद सभी भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

आयोजन को सफल बनाने में मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य मदन चौधरी, संतोष सिंह, राजू मिश्रा, शैलेश ओझा, संतोष गुप्ता, विकास गुप्ता, सनोज, अंकित, रजनीश, छोटू सहित अनेक स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

-- शैव व वैष्णव परंपरा का अद्भुत संगम है तुलसी आश्रम

मंदिर प्रबंधन समिति से जुड़े शैलेश ओझा ने जानकारी दी कि तुलसी आश्रम शैव और वैष्णव परंपरा का अद्भुत संगम है। बताया कि यह स्थान मुगलकालीन राम जानकी मंदिर का केंद्र रहा है, जहां गोस्वामी तुलसीदास ने तप किया था। अब यहां भगवान महाकाल का मंदिर स्थापित होने से धार्मिक गतिविधियों में वृद्धि हो रही है। भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को सनातन धर्म की दिव्यता और अध्यात्मिक शक्ति का अनुभव कराया जाएगा।

एक नजर

अखंड हरिकीर्तन में जुटे डुमरांव के श्रद्धालु महिला व पुरूष

डुमरांव। नगर के नया तलाब स्थित शिव मंदिर में बिते सोमवार से अखंड हरिकीर्तन का आयोजन वार्ड 22 और 23 के लोगों द्वारा किया गया था। मंगलवार को कीर्तन समाप्त होने के बाद प्रसाद वितरण और भोज का आयोजन किया गया। सैकड़ा महिला और पुरूष ने कीर्तन में भाग लेते हुए इसे सफल बनाया। इसके आयोजन में श्रीभगवान गुप्ता उर्फ मामा व मंदिर के पुजारी मनोज पंडित की मुख्य भागीदारी रही। वैसे मोहल्लों के लोगों ने जमकर अपनी भागीदारी निभाई। कीर्तन समाप्त होने के बाद भगवान शिव सहित अन्य देवी देवताओं का महिलाओं ने श्रृंगार करते हुए पूजा-पाठ करती रही। प्रसाद वितरण जो भी लोग भगवान शिव का दर्शन करने के लिये आए उन्हें दिया गया। फिर जो प्रसाद ग्रहण करना चाहते थे, उन्हें बैठाकर खिलाया भी गया। इस कार्यक्रम में मोहल्लों की महिला, पुरूष और बच्चों ने भाग लेकर इसके रौनक को बढ़ा दिया।

दिव्यांग आयोग की गठन को लेकर संघ नगर में एक बैठक आयोजि कर बनाई रणनीति

डुमरांव। दिव्यांग आयोग का गठन करने की मांग अब तूल पकड़ता जा रहा है। मंगलवार को नया तलाब परिसार में दिव्यांग संघ की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड के दिव्यांगों ने भाग लेते हुए अपनी बातों का रखा। बैठक की अध्यक्षता दिव्यांग संघ के जिलाध्यक्ष अगस्त उपाध्याय व संचालन अनुमंडल अध्यक्ष बिशोका चंद्र ने किया। अध्यक्ष ने कहा कि हमारी मांगों को सुनने वाला कोई नहीं है, इसलिये दिव्यांग आयोग की मांग हमलोग कर रहे हैं। आयोग का गठन होने से देशभर के दिव्यांगों की बात सुनी जाएगी और योजनाएं बनाई जाएगी। उन्होंने कहा की त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हो, नगर निकाय चुनाव, विधानसभा चुनाव या लोकसभा चुनाव हो, दिव्यांग जनों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु दिव्यांग आयोग का गठन होना चाहिए। दिव्यांगों का भी हक है की वे भी देश और राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिये विधायक और एमपी का चुनाव लड़ सकें। सभी दिव्यांगों ने एकजुटता दिखाते हुए कहा की हमलोगों का भी परिवार लिहाजा पेंशन की राशि को 11 सौ नहीं 3 हजार करना चाहिए, जिससे इनका जीवन बदल सके। मौके पर विष्णु पासवान, राकेश राय, उमेश कुमार सिंह, टुनटुन यादव, सोनू वर्मा, आनन्द सिंह, रमेश मौर्य, सन्तोष प्रसाद, पूर्णमासी, प्रमोद कुमार, शंकर कुमार, मुन्ना सिंह, सहित सैकड़ों दिव्यांग साथी मौजूद रहे

खतरे के निशान से करीब आधा मीटर उपर बह रही है गंगा, बाढ़ पीड़ितों की स्थिति दयनीय

- मंगलवार को भी जारी रहा गंगा व कर्मनाश के जल स्तर में वृद्धि, बाढ़ से घिरे कई नये इलाके
- सिमरी प्रखंड के बेनीलाल के डेरा सहित आधा दर्जन गांवों का संपर्क कटा, नैनीजोर के ढाबी समेत कई अन्य गांव बने टापू

जल स्तर बढ़ने से बढ़ने लगी है तटीय इलाके के लोगों की चिंता

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में गंगा व कर्मनाशा के जल स्तर बढ़ने का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा। मंगलवार को चौसा-मोहनिया पथ पर नदी की धारा चल रही थी। जिसे देखते हुए प्रशासन द्वारा बैरिकेटिंग करा आवाजाही को पूरी तरह से ठप करा दिया गया है।

इसके अलावे गंगा के जल स्तर में वृद्धि होने से सदर प्रखंड के अलावे सिमरी व ब्रह्मपुर के कई गांव घिर चुके है।

मंगलवार को सिमरी प्रखंड के राजापुर पंचायत का बेनीलाल का डेरा गांव का संपर्क कोईलवर तटबंध से कट गया। इस गांव के मुख्य पथ पर करीब दो से ढाई फीट उपर बाढ़ का पानी बह रहा है। वहीं, श्रीकांत के डेरा, तवक्कल के डेरा, लाल सिंह के डेरा, टेकमन के डेरा आदि गांव टापू में तब्दील हो गए है।

इसके अलावे ब्रह्मपुर प्रखंड के नैनीजोर का ढाबी, उत्तरी नैनीजोर आदि इलाका घिरे है। बाढ़ प्रभावित गांवों में स्थिति बेहद खराब हो रही है। लाखों की आबादी बाढ़ में घिर चुकी है। प्रभावित इलाकों में बिजली-पानी का संकट खड़ा हो गया हैं। इसके अलावे लोगों के भोजन, पशुचारा आदि कई संकटों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, प्रशासन द्वारा राहत बचाव कार्य चलाने का दावा किया जा रहा है, लेकिन धरातल पर स्थिति कुछ और बयां कर रही है।

बता दें कि गंगा का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। वहीं, पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बारिश तथा बादल फटने से फिलहाल बाढ़ में राहत मिलता नहीं दिखाई पड़ रहा है। जिस कारण लोगों की चिंता बढ़ गई है। बेनीलाल के डेरा निवासी महेन्द्र राम ने बताया कि सोमवार की अपेक्षा मंगलवार को जल स्तर तेजी से बढ़ा है। उन्होंने बताया कि उनके गांव के मुख्य पथ पर बाढ़ का पानी चढ़ गया हैं। वहीं, गंगौली के रौशन ठाकुर का कहना है कि अब जल स्तर काफी बढ़ गया है तथा दियारा क्षेत्र में स्थित सैकड़ो एकड़ खेत डूब गए है।

गंगा के जलस्तर में वृद्धि के बीच प्रशासन सतर्क, उमरपुर गांव और कोईलवर तटबंध का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। मंगलवार को जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह और पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से बक्सर प्रखंड के उमरपुर गांव एवं बक्सर-कोईलवर तटबंध का निरीक्षण किया। संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए प्रशासनिक तैयारियों की जमीनी हकीकत को परखा गया। इस दौरान कई अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को सख्त निर्देश दिया कि तटबंधों के किनारे जहां कहीं भी कटाव की स्थिति बन रही है, वहां त्वरित मरम्मती कार्य कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार सैंड बैग की व्यवस्था की जाए ताकि जलप्रवाह के कारण तटबंध को कोई नुकसान न पहुंचे। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि पूरे तटबंध क्षेत्र में नियमित पेट्रोलिंग होती रहे, ताकि समय रहते किसी भी खतरे की पहचान की जा सके। पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संबंधित थानाध्यक्षों को आदेश दिया कि चौकीदारों के माध्यम से बांधों की निगरानी कराई जाए। उन्होंने कहा कि गांव-गांव की रिपोर्टिंग पर प्रशासन की प्रतिक्रिया समय रहते हो, इसके लिए निचले स्तर तक निगरानी तंत्र को सक्रिय किया जाए।

बनारपुर में बाढ़ से जनजीवन प्रभावित, राहत कार्य तेज

केटी न्यूज/चौसा

बक्सर जिले के चौसा प्रखंड अंतर्गत बनारपुर गांव में कर्मनाशा नदी के बढ़ते जलस्तर ने हालात को गंभीर बना दिया है। भारी बारिश के कारण नदी का पानी गांव में घुस आया है, जिससे कई घर जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ की इस स्थिति ने ग्रामीणों के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी कर दी है। लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हैं और सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने राहत और बचाव कार्यों को प्राथमिकता पर लेते हुए मंगलवार से अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। अंचलाधिकारी उद्धव मिश्रा ने स्वयं मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और तत्काल राहत कार्य शुरू करवाए। उन्होंने बताया कि अब तक 60 परिवारों के बीच तिरपाल का वितरण किया जा चुका है, ताकि वे बारिश और धूप से खुद को सुरक्षित रख सकें। बेघर हुए लोगों के लिए स्थानीय विद्यालयों को अस्थायी शरण स्थल में बदला जा रहा है, जहां पीड़ितों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था की जाएगी। सीओ ने बताया कि सामुदायिक रसोई (कम्युनिटी किचन) की व्यवस्था जल्द शुरू की जाएगी, जिससे प्रभावितों को भोजन की कोई परेशानी न हो।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को देखते हुए मेडिकल टीमों को भी अलर्ट पर रखा गया है। संभावित बीमारियों से निपटने के लिए दवाओं और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की जा रही है।

ग्रामीणों के आवागमन के लिए प्रशासन ने चौसा-अखौरीपुर गोला-मोहनिया मार्ग और रोहनिभान में चार नावों की तैनाती की है, जिससे लोग सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें और आवश्यक सामग्री की आपूर्ति भी जारी रह सके। सीओ ने कहा कि प्रशासन हर जरूरत को प्राथमिकता दे रहा है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। बाढ़ की चुनौती गंभीर है, लेकिन प्रशासन की तत्परता से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

जीविका दीदियों को प्रखंड सह अंचल कार्यालय में सफाई कार्य हेतु दी गई नियुक्ति पत्र

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय प्रखंड सह अंचल कार्यालय में साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। संस्कार जीविका महिला स्वालंबी सहकारी लिमिटेड समिति के बैनर तले नावानगर के माध्यम से चयनित जीविका दीदियों को सफाई कर्मी के रूप में नियुक्त किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार, अंचलाधिकारी रानी कुमारी एवं बीपीएम पप्पू प्रसाद मौजूद रहे। पदाधिकारियों ने चयनित दीदियों को नियुक्ति पत्र देकर उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस दौरान बीडीओ द्वारा संकुल संघ की अध्यक्ष रीना देवी को सफाई कार्य से संबंधित अनुबंध फाइल सौंपी गई। इस पहल से न केवल कार्यालय की स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि जीविका दीदियों को रोजगार का नया अवसर भी प्राप्त हुआ है।मौके पर जीविका कैडर सहित कई दीदियां उपस्थित रहीं। सभी ने इस अवसर को गर्व और प्रेरणा का क्षण बताया। कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों ने दीदियों को कर्तव्यनिष्ठा और स्वच्छता में गुणवत्ता बनाकर रखने का सुझाव दिया, जिससे सरकारी कार्यालयों में स्वच्छ भारत मिशन को गति मिल सके। यह पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और सामाजिक विकास में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। नियुक्ति पत्र पाकर जीविका दीदियों के चेहरे पर मुस्कान और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था।

यात्री बस के ओवरटेक करने में बाइक सवार दम्पति घायल, इलाज को ले जाते समय पति की मौत

केटी न्यूज/बक्सर

इटाढ़ी- धनसोई मार्ग पर इटाढ़ी थाना के स्थानीय बाजार में यात्री बस से ओवरटेक करने में बस के नीचे आने से बाइक सवार दम्पति गम्भीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई। इसकी सूचना 112 को दी गई। आनन-फानन में दोनो को इलाज के सदर अस्पताल लाया गया। जहा गम्भीर स्थिति में दोनो को वाराणसी रेफर कर दिया। मगर, बीच रास्ते मे 35 वर्षीय पति की मौत हो गई। वही पत्नी का इलाज वाराणसी में चल रहा है। इधर, घटना के बाद यात्री बस का चालक बस को छोड़कर फरार हो गया। घटना मंगलवार की शाम की है मिली जानकारी के अनुसार इटाढ़ी थाना क्षेत्र के गोपालपुर निवासी हरेराम सिंह अपनी पत्नी को बाइक पर बैठा कर इटाढ़ी बाजार में जरूरी सामान की खरीददारी करने आये थे। खरीददारी के बाद सामान लेकर घर वापस जाने लगे। तभी बाजार से कुछ दूर आगे यात्री बस का ओवरटेक करने के चक्कर मे भीड़ में उनकी बाइक बस के सामने गिर पड़ी। जब तक बस चालक द्वारा ब्रेक लगाता तब तक दम्पति बस के चपेट में आ गया। इस घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई। लोगों की भीड़ लग गई, उसी भीड़ में बस चालक फरार हो गया। घटना की जानकारी पर 112 की पुलिस टीम पहुंच घायलों को उठा इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहा प्राथमिक उपचार के बाद गम्भीर स्थिति पर चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए वाराणसी रेफर किया गया। मगर, बनारस पहुंचने से हरेराम सिंह की मौत हो गई। वही, पत्नी का इलाज वाराणसी में चल रहा है। थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया दोनो वाहनों को जब्त कर थाने लाया गया। चालक का पता लगाया जा रहा है।

फिर से जीवंत होगी सती बिहुला और हिरनी-वीरनी जैसी दुर्लभ लोककथाएं...

- लोकगाथाओं को संजीवनी देगी मुख्यमंत्री गुरु-शिष्य परंपरा योजना, विलुप्त होती परंपराएं फिर से होंगी जीवंत

केटी न्यूज/बक्सर

राज्य सरकार ने बिहार की सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा ह्लमुख्यमंत्री गुरु-शिष्य परंपरा योजनाह्व की शुरूआत की गई है, जिसका उद्देश्य है विलुप्तप्राय लोक कलाओं को संरक्षित कर अगली पीढ़ी तक हस्तांतरित करना।

इस योजना के तहत जिले के अनुभवी लोक कलाकार अब न केवल अपनी विलक्षण कला को अगली पीढ़ी को सिखाएंगे, बल्कि उन्हें इसके लिए प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दो वर्षों की अवधि वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लोककलाओं के विभिन्न क्षेत्रों जैसे लोकगाथा, लोकनाट्य, लोकनृत्य, लोकसंगीत और पारंपरिक वाद्य यंत्रों को शामिल किया गया है।

लोकगाथाओं की बात करें तो भरथरी बाबा, गौरिया बाबा, दीनाभद्री, राजा सलहेश, रेशमा-चूहड़मल, सती बिहुला और हिरनी-वीरनी जैसी दुर्लभ लोककथाएं अब गुरुओं के माध्यम से जीवंत होंगी। लोकनाट्य में विदेशिया, नारदी, डोमकुछ, बिरहा, जालिम सिंह, चकुली, बगुली, कीर्तनिया जैसे नाट्य रूपों को संरक्षित किया जाएगा। वहीं लोकनृत्य की श्रेणी में पायका, कर्मा, धोबिया, झरनी, करिया झूमर, झिझिया, पावरिया, कठघोड़वा जैसी कलाएं भी योजना का हिस्सा हैं।

इसी तरह, लोक संगीत की परंपरा को बनाए रखने के लिए सुमंगली, रोपनी गीत, कटनी गीत, चौता, पूरबी, संस्कार गीत को शामिल किया गया है। पारंपरिक वाद्य यंत्रों जैसे सारंगी, रुद्र वीणा, विचित्र वीणा, ईसराज, बीन, वायलिन, शहनाई और नगाड़ा जैसे दुर्लभ वाद्य यंत्रों को भी संरक्षण मिलेगा।

योजना के तहत चयनित गुरुओं को 15 हजार रुपये प्रतिमाह, संगत कलाकारों को 7,500 रुपये प्रतिमाह तथा शिष्यों को तीन हजार रुपये प्रतिमाह की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह प्रशिक्षण हर माह कम से कम 12 दिन अनिवार्य रूप से चलेगा। गुरुओं का चयन राज्य स्तर पर विशेषज्ञों की समिति द्वारा किया जाएगा। जबकि शिष्यों का चयन संबंधित गुरु एवं जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी मिलकर करेंगे। संगत कलाकारों का चयन गुरु द्वारा किया जाएगा।

प्रशिक्षण अवधि पूरी होने के उपरांत एक भव्य दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रशिक्षु अपनी कला का प्रदर्शन कर सकेंगे। यह योजना एक ओर जहां विलुप्त हो रही लोक परंपराओं को संरक्षित करेगी, वहीं दूसरी ओर स्थानीय कलाकारों को आर्थिक संबल भी प्रदान करेगी।

राज्य सरकार की यह पहल न सिर्फ सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी, बल्कि ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में छिपी कला प्रतिभाओं को भी मंच और पहचान दिलाने का माध्यम बनेगी।

बीएलओं के कार्यों की स्वच्छता पदाधिकारी ने की समीक्षा

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर के सभी स्कूल के शिक्षकों को बीएलओ बनाकर मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्यों में लगाया गया है। उनके द्वारा किये गए कार्यों की मंगलवार को नप स्च्छता पदाधिकारी ने बैठक कर उनके कार्यों की समीक्षा की। फिर उन्होंने उनके द्वारा किये गए कार्यों का फार्म भी जमा लिया। उन्होंने सभी बीएलओ को बताया की 2003 के बाद 11 दस्तावेजों में कोई एक दस्तावेज को जमा लेना है। फिर वैसे लोगों का नाम को काटना है, जो बाहर में रहते हुए दो स्थानों पर नाम दर्ज कराए हैं। जिनका देहांत हो गया है, उनका भी नाम मतदाता सूची में दर्ज है, जिसे हटाने का निर्देश दिये गए। पिता नाम पुत्र और पुत्री में दर्ज सही हुआ है कि नहीं इस पर भी बीएलओ को ध्यान देने की बात कही गई। उन्हें बताया गया कि बहुत से ऐसे मतदाता हैं, जिनके पिता का नाम अलग है, उसे जांच कर सुधार करना होगा।

बीस सूत्री कार्यान्वयन समिति की बैठक में कल्याणकारी योजनाओं पर हुई चर्चा

केटी न्यूज/रोहतास

मंगलवार को प्रखंड मुख्यालय नोखा के सभागार में बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक अध्यक्ष रुपेश कुमार चंद्रवंशी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में बिहार सरकार एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विभाग वार समीक्षा की गई। बैठक में शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, आईसीडीएस एवं मनरेगा विभाग सहित कई विभागों की योजना के संबंध में अनियमितता की शिकायत सदस्यों द्वारा की गई। जिसमें अहम चर्चा करते हुए योजनाओं की स्थलीय अध्ययन करते हुए जांच कर दोषी पाए जाने

पर कार्रवाई करने की निर्णय लिया गया। बैठक में अनुपस्थित रहे विभागीय अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने एवं संतोष जनक जबाब नहीं पाए जाने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी को उचित कार्रवाई करने को कहा गया। बिजली विभाग के कनिय अभियंता के द्वारा आम जन का मोबाइल रिसीव नहीं करने की शिकायत पर अध्यक्ष द्वारा प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को उचित कार्रवाई करने को कहा गया। वही सभी विभागों में चल रहे जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रतिवेदन अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सभी सदस्यों को उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया गया। गत बैठक की अनुपालन प्रतिवेदन बैठक में प्रस्तुत नहीं करने पर अध्यक्ष द्वारा खेद प्रकट करते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को एक सप्ताह के अंदर अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने की निर्देश दिया गया और आगे से ऐसी गलती नही करने की हिदायत देते हुए अध्यक्ष ने कहा कि अगर ऐसा गलती दुबारा हुआ तो निश्चित रूप से कार्रवाई करने की अनुशंसा सरकार को किया जाएगा। मौके पर बीडीओ शैफाली, नगर परिषद ईओ, आपूर्ति पदाधिकारी संजीव कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, चिकित्सा पदाधिकारी, शाखा प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक, शाखा प्रबंधक स्टेट बैंक, शाखा प्रबंधक बैंक ऑफइंडिया, बाल विकास परीयोजना पदाधिकारी, कनिय अभियंता पीएचडी,कनिय अभियंता विद्युत विभाग सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

एक नजर

डीएम उदिता सिंह ने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का किया गया आयोजन

सासाराम। मंगलवार को जिला पदाधिकारी, रोहतास उदिता सिंह के द्वारा दैनिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें आए सभी आमजनों की समस्या को सुन संबंधित विभाग के अधिकारी को इसके तत्काल निवारण हेतु जरुरी दिशा निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि जनता दरबार आम जनता की सरकार तक सीधी पहुंच है। इसका मुख्य उद्देश्य जनसमस्याओं का संवेदनशील, पारदर्शी और त्वरित समाधान है। जनता दरबार में अवैध कब्जा जमाबंदी इत्यादि से संबंधित आवेदकों के आवेदन का निष्पादन हेतु संबंधित अंचल अधिकारी को निर्देशित किया गया। जनता दरबार में आवेदक को द्वारा अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु अनुरोध किया गया। जिस संदर्भ में जिला पदाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी को जनता दरबार में सुनवाई कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। साथ ही अन्य आवेदनों को भी संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को समस्या निदान हेतु उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिया है।

मानव तस्करी की रोकथाम के लिए चेकिंग

आरपीएफ ने बचपन बचाओ संस्था द्वारा 6 नाबालिग बच्चों का किया रेस्क्यू

केटी न्यूज/रोहतास

वरीय अधिकारियों के दिशा निर्देश पर आपरेशन आहट के तहत चलाये जा रहे अभियान के क्रम में निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सासाराम संजीव कुमार के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक जितेंद्र कुमार चौधरी, आरक्षी सौरभ कुमार, साथ बचपन बचाओ आंदोलन संस्था के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर देशराज सिंह एवम सहायक परियोजना अधिकारी चंदा गुप्ता के द्वारा संयुक्त रूप से सासाराम स्टेशन पर मानव तस्करी की रोकथाम के लिए चेकिंग की जा रही थी , इसी क्रम में गाड़ी संख्या 12938 अप हावड़ा-गांधीधाम एक्सप्रेस प्लेटफार्म संख्या 2 पर आई। उक्त गाड़ी के सामान्य कोच को चेक करने पर कोच में 6 नाबालिक बच्चें डरे सहमें अवस्था में दिखाई दिया। जिसे रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सासाराम पर लाकर उचित काउंसलिंग की गई। पूछने पर उनलोगों ने घर से बिना बताए अहमदाबाद स्टील फैक्ट्री एवम लकड़ी के फैक्ट्री में काम करनें जा रहे है बताया। पूछने पर उनलोगों ने राज्य झारखंड के जिला देवघर, जिला गया का निवासी बताया। उपरोक्त को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सासाराम लाकर उचित काउंसलिंग की गई। इस संदर्भ में त्वरित सूचना चाइल्डलाइन रोहतास को दिया गया। जिसके बाद उक्त सभी नाबालिक बच्चों को बाल कल्याण समिति को प्रस्तुत करने हेतु सुरक्षित सुपुर्द किया गया।

पूर्व डिप्टी मेयर दो साल पहले निधन, फिर भी मतदाता गहन पुनरीक्षण के बाद भी वोटर लिस्ट में नाम

केटी न्यूज/आरा

बिहार में विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण 2025 के तहत 1 अगस्त को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन कर दिया गया है। लेकिन इसके बाद लगातार लापरवाही और अनियमितताओं के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला आरा नगर निगम की पहली डिप्टी मेयर रहीं स्व. सुमन देवी का है। जिनका निधन दो साल पहले हो चुका है। बावजूद इसके उनका नाम हाल ही में जारी की गई प्रारूप मतदाता सूची में दर्ज है। सुमन देवी का मतदाता पहचान पत्र संख्या एढक्ठ-फ्क्ष्2514065 है। उनका नाम 244, उर्दू प्राथमिक विद्यालय, पकड़ी, आरा पूर्वी भाग के मतदान केंद्र में शामिल है। सुमन देवी के पति राजीव रंजन का नाम मतदाता सूची में क्रम संख्या 163, देवर उदय राणा का नाम 167 और दूसरे देवर शैलेन्द्र कुमार का नाम क्रम संख्या 170 पर दर्ज है।

बीमारी से हुई थी भाभी की मौत

वहीं, सुमन देवी के देवर शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि भाभी वार्ड नंबर 13 से तीन बार 2007 से 2022 तक वार्ड पार्षद रहीं। आरा निगम बनने के बाद वर्ष 2007 से 2009 तक नगर निगम की पहली उप महापौर चुनी गई थीं। हम लोगों को भी सोशल मीडिया के माध्यम से भाभी का वोटर लिस्ट में नाम आने की सूचना मिली थी। चेक करने के बाद मामला सही निकला। भाभी की मौत 20 फरवरी 2023 को बीमारी कारण हो गई थी। 2007 में आरा पहली बार नगर निगम बना था। उस समय पहली उप महापौर चुनी गईं थीं। अब निर्वाचन आयोग से इसकी शिकायत करेंगे। हमारे दरवाजे पर इछड नहीं आए थे। कहीं न कहीं ये गलती हुई है। किसके माध्यम से यह गलती हुई है, यह तो बड़े पदाधिकारी बताएंगे। अगर इछड आया होता तो काम अच्छा से किया होता ।

करीब 1.91 लाख वोटर केट

विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के तहत भोजपुर जिले में मतदाता सूची को अद्यतन करने का काम अंतिम चरण में पहुंच चुका है। जिले के कुल 22,21,986 मतदाताओं में से अब तक 20,30,975 का गणना प्रपत्र पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है। यानी अब तक 91.40% मतदाताओं का डेटा पोर्टल पर दर्ज हो चुका है। निर्वाचन कार्यालय के अनुसार गणना प्रपत्र भरने और पोर्टल पर अपलोड करने की आज अंतिम तिथि निर्धारित है। इस प्रक्रिया में मृत, दोहरी प्रविष्टि, स्थायी रूप से स्थानांतरित और अनट्रेसेबल मतदाताओं को मिलाकर लगभग 1.91 लाख मतदाताओं को चिन्हित किया गया है, जिन्हें सूची से हटाने की प्रक्रिया की जा रही है।

गुप्ताधाम में सावन की अंतिम सोमवारी को करीब लाखों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

- शिवभक्तों की देर रात तक लगी रही लंबी कतार, ऑक्सीजन की दिखी कमी

केटी न्यूज/रोहतास

चेनारी थाना अंतर्गत कैमूर पहाड़ियों के मनमोहक वादियों में अवस्थित गुप्ताधाम की गुफा में मौजूद पवित्र शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के लिए सावन की अंतिम सोमवारी को एक लाख से ज्यादा श्रद्धालू पहुंचे थे। रविवार दोपहर से सोमवार देर शाम तक गुपा के मुख्य द्वार पर खड़े होकर कतारबद्ध अपनी अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे थे। बोल बम का नारा है और बाबा एक सहारा है और बोलबम के जयघोष के साथ गुप्ताधाम और वहां पहुंचने वाले रास्ते में गुंजमान हो रहे थे। गुप्ताधाम के रास्ते में भी श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखने को मिल रही थी। गुफा के बाहर शिवभक्तों की जुटी अपार भीड़ का नजारा किसी जन सैलाब से कम नहीं लग रही थी। पूरा वादियां मानों भगवा मय महौल में रंग गया है। गुप्ताधाम जाने के लिए पनारी घाट, उगहनी घाट व दुर्गावती जलाशय परियोजना के रास्ते शिवभक्तों से भरे पड़े थे। गुप्ताधाम न्यास कमेटी की मानें तो सावन की तीसरी सोमवारी को डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र शिवलिंग पर जलाभिषेक किया था। गुफा के अन्दर जलजमाव

की समस्या, ऑक्सीजन की कमी एवं उमस भरी गर्मी के बावजूद भी शिव भक्त का हौसला कम नहीं हो रहा था। जलाभिषेक के लिए कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। अंतिम सोमवारी को भी गुप्ताधाम पहुंचने वाले शिव भक्तों की संख्या इस बार ज्यादा थी। अनुमान के मुताबिक एक लाख से ज्यादा शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया है। ऑक्सीजन गैस की कमी के कारण कई भक्तों को परेशानी हो रही थी। गुप्ताधाम में सावन की अंतिम सोमवारी को ज्यादा भीड़ होने का अंदाजा इसी से लगया जा सकता है कि गुफा के अंदर घुटन से बचने के लिए लगाये गए ऑक्सीजन गैस सिलेंडर कम पड़ गए। ऑक्सीजन की कमी के कारण सैकड़ों शिव भक्त धाम के मुख्य दरवाजे पर ही जलाभिषेक कर पूजा अर्चना किए। रविवार से ही गुफा के अंदर मौजूद शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के लिए भक्तों का हुजूम उमड़ा था। गौरतलब बात यह है कि जिला प्रशासन की श्रावणी मेले की तैयारी को लेकर किया गया वादा खोखली साबित हुआ है।

भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं बिहार भाजपा के प्रदेश महामंत्री राजेश कुमार वर्मा का भव्य स्वागत

केटी न्यूज/रोहतास

मंगलवार को विक्रमगंज शहर के तेंदुनी चौक पर भाजपा कार्यकताओं में विशेष उत्साह का माहौल देखने को मिला । काराकाट विधानसभा के पूर्व विधायक राजेश्वर राज ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर सासाराम जाने के क्रम में भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतु राज सिन्हा एवं बिहार भाजपा के प्रदेश महामंत्री राजेश कुमार वर्मा का भव्य स्वागत एवं जोरदार अभिनंदन किया ।इस अवसर पर भाजपा कार्यकताओं ने पारंपरिक अंदाज में अंगवस्त्र,माला एवं नारों के माध्यम से दोनों नेताओं का स्वागत किया । कार्यकताओं की भारी भीड़ और जोश देखते ही बन रहा था । मौके पर मौजूद पूर्व विधायक राजेश्वर राज ने कहा कि पार्टी नेतृत्व का यह दौरा कार्यकताओं के लिए ऊर्जा देने वाला है और इससे संगठन को नई दिशा मिलेगी । उन्होंने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेताओं के दौरे से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि आने वाले चुनाव में पार्टी पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी । कार्यक्रम में भाजपा के सभी मंडल,पंचायत एवं बूथ स्तरीय कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए ।पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला । यह स्वागत समारोह न सिर्फ पार्टी कार्यकताओं के जोश को बढ़ाने वाला रहा,बल्कि यह भी साबित कर दिया कि काराकाट क्षेत्र में भाजपा संगठन पूरी तरह सक्रिय और मजबूत है ।

रोहतास : स्वतंत्रता दिवस समारोह तैयारी को लेकर डीएम ने अधिकारियों साथ की बैठक

केटी न्यूज/रोहतास

जिला पदाधिकारी उदिता सिंह की अध्यक्षता में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह तैयारी को लेकर समाहरणालय स्थित डीआरडीए सभागार में बैठक आयोजित की गई। उप विकास आयुक्त विजय कुमार सहित संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को 15 अगस्त की तैयारी ससमय पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिन-जिन पदाधिकारियों को जो दायित्व दिये जायें उसको काफी गम्भीरता से लेते हुये अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करना सुनिश्चित करेंगे। वही नगर आयुक्त, सासाराम नगर निगम को निर्देश दिया गया कि उक्त दिवस के अवसर पर नगर एवं झण्डोत्तोलन

स्थल पर एवं उसके आस-पास साफ-सफाई ससमय करवाना सुनिश्चित करेंगें। इसके अतिरिक्त मंच के सजावट एवं घेराबंदी कराने का दायित्व नगर आयुक्त, नगर निगम सासाराम एवं कार्यपालक अभियंता,भवन प्रमंडल को वाटर प्रूफ पंडाल बनाने का निर्देश दिया। अवसर पर महापुरुषों की प्रतिमा का माल्यार्पण के लिए एक एक पदाधिकारी को टैग किया जायेगा। स्वतंत्रता सेनानी अगर आने में सक्षम है तो उनको समारोह में लाने की व्यवस्था की जायेगी। जबकि संध्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए समिति का गठन करने का निर्देश दिया गया। कार्यक्रम में बेहतर प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जायेगा। उत्कृष्ट कार्य करने वाले यथा एसआईआर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मी को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जायेगा। इसके लिए एक कमिटी बनाने का निर्देश दिया गया। जीएसटी जो समय पर जमा किए है, उनको अवॉर्ड दिया जायेगा। हाई स्कूल में एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित किया जायेगा। जिसका विषय स्वतंत्रता दिवस में रोहतास का योगदान है। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि समीक्षा के दौरान जितने भी निर्देश एवं दायित्वों को सौंपा गया है, उसका निर्वहन ससमय पूरी तत्परता से पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगें। इसके साथ ही साथ झण्डोत्तोलन के समय पर आये हुये स्वतंत्रता सेनानियों के मंच पर लाने तथा ले जाने में विशेष सावधानी बरतेगें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न नहीं हो सके।

बाढ़ के पानी में डूबने से किसान की मौत

आरा। जिले के सिन्हा थाना क्षेत्र के महुदही गांव में मंगलवार की सुबह बाढ़ के पानी में डूबने से एक किसान की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक सिंह थाना क्षेत्र के महुदही गांव निवासी बैजनाथ सिंह के 51 वर्षीय पुत्र नागेंद्र सिंह है एवं वह किसान थे। इधर, मृतक के छोटे भाई पप्पू सिंह ने बताया कि गंगा का जलस्तर बढ़ बढ़ने से पूरे गांव में बाढ़ का पानी आ गया है। मंगलवार की सुबह चारा लाने के लिए जा रहे थे। उसी दौरान वह बाढ़ के पानी मे डूब गए। तभी उनकी बेटी ने उन्हें देख लिया। इसके बाद उसने इसकी सूचना अपने परिवार वालों को दी। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे। इसके ग्रामीणों के सहयोग से उनके शव को पानी से बाहर निकल गया। इसके पश्चात परिजन ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई व छह बहन में बड़े थे।उनके परिवार में पत्नी रीना देवी व तीन पुत्री डिंपल,सिंपल, सुहानी एवं एक पुत्र तथागत युवराज है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी रीना देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एसबी कॉलेज शिक्षक संघ के चुनाव में विभिन्न पदों का हुआ चयन

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई एसबी कॉलेज,आरा शिक्षक संघ का चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए डॉ. भवप्रीता कुमारी, सचिव पद के लिए डॉ. अभिनव आनंद, संयुक्त सचिव के पद पर डॉ. मिराज दानापुरी, कोषाध्यक्ष के पद पर डॉ. नागेंद्र कुमार भूषण निर्वाचित हुए। वहीं उपाध्यक्ष के दोनों पदों पर डॉ अनुपमा सिंह व डॉ मुन्ना कुमार ज्योति को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। वहीं डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. चुन्नन कुमारी, डॉ. मिथिलेश गिरी, डॉ मेहताब इमाम एवं डॉ. गुंजन कुमार को कार्यकारिणी का सदस्य चुना गया। चुनावी प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए चुनाव अधिकारी के रूप में डॉ. डीएन चौधरी एवं पर्यवेक्षक के रूप में डॉ. बीएन चौधरी मौजूद रहे। निर्वाचन संपन्न होने के उपरांत महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. आभा सिंह ने संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दिया।

महाश्रद्धा का प्रतीक बनी महाजलाभिषेक जलयात्रा

एसडीएम ने दो दिवसीय मशाल खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम का किया उद्घाटन

केटी न्यूज/रोहतास

मंगलवार को शहर के इंटरस्तरीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिक्रमगंज के क्रीड़ा मैदान में दो दिवसीय मशाल कार्यक्रम की शुरूआत की गई। जिस कार्यक्रम का उद्घाटन बिक्रमगंज एसडीएम प्रभात कुमार, बीडीओ अमित प्रताप सिंह,बीईओ रितेश कुमार तथा बीईओ संझौली अफरोज आलम के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। मंच संचालन मोहम्मद युसूफ अफरीदी, जितेंद्र कुमार सिंह व राम अवतार सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षा विभाग और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। यह खेल प्रतियोगिता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महत्त्वकांक्षी सोंच है। यह कार्यक्रम सरकारी विद्यालयों के प्रतिभावान खिलाडियों को खोजने एवं उन्हें खेल के विभिन्न विधाओं में नये अवसर प्रदान करने हेतु आयोजित किया जा रहा है । इस कार्यक्रम में अंडर 14 में 60 मीटर साईकिलिंग,क्रिकेट बॉल थ्रो,लम्बी कूद 600 मीटर बालक - बालिका तथा अंडर 16 में 100 मीटर ,800 मीटर दौड़,साईकिलिंग की विधाएं आयोजित की गई । प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए एसडीएम प्रभात कुमार ने बताया कि अनुशासन ही देश को महान बनाता है। अनुशासन में रहकर ही खेल को खेल की भावना से खेलें। उसके उपरांत उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं व बधाई दी। डीएसओ उज्जवल सरकार ने भी प्रतिभागियों को आगे बढ़ने की बातें कहा। साथ ही मार्ग में आगे बढ़ने हेतु उन्होंने प्रतिभागियों को टिप्स दिए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जयप्रकाश, मोहम्मद शमशाद अली, जितेंद्र कुमार सिंह, कुमार चंद्रशेखर, आनंद प्रकाश, चन्दन मिश्रा,अतहर खान, आशीष कुमार पाठक, अब्दुल रशीद, अजुमंद बानो, पिंकी सिंह, भास्कर सिंह, रमेश कुमार, साइस्ता परवीन, अविनाश दत्त, विश्वनाथ मउवार, फरजाना अंजुम, कंचनदेवी, चांदनी परवीन, राजश्री सहित अन्य लोग उपस्थित थे ।

काराकाट क्षेत्र की विकास जनता की सेवा मेरी पहली प्राथमिकता

- प्रशांत किशोर का मिशन ही मेरा मिशन है योगेंद्र सिंह

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट। जनसेवा को अपना धर्म मानने वाले काराकाट पंचायत के मुखिया सह मुखिया संघ रोहतास जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह ने विगत दिन पूर्व जनसुराज पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर राजनीतिक हलकों में नई हलचल पैदा कर दी । इस अवसर पर काराकाट पंचायत सरकार भवन के सभागार में मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधि शामिल हुए । प्रेसवार्ता की अध्यक्षता कर रहे जनसुराज पार्टी के रोहतास जिला मुख्य प्रवक्ता विनोद तिवारी ने बताया कि योगेंद्र सिंह ने हाल ही में पार्टी सुप्रीमो प्रशांत किशोर के समक्ष पार्टी की सदस्यता ली है । उन्होंने कहा कि पार्टी की सही सोच, सही लोग और सामूहिक प्रयास की विचारधारा से प्रेरित होकर श्री सिंह जैसे जमीनी नेता पार्टी से जुड़ रहे हैं, जो बिहार में वास्तविक परिवर्तन की बुनियाद रखेगा । प्रवक्ता ने बताया कि जनसुराज पार्टी बिहार के युवाओं का पलायन रोकने,रोजगार सृजन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा,दो हजार रुपये वृद्धा पेंशन,किसानों को सस्ता ऋण जैसी योजनाओं को लेकर संगठित संघर्ष कर रही है ।

प्रशांत किशोर का मिशन ही मेरा मिशन है योगेंद्र सिंह

प्रेसवार्ता के दौरान भावुक लहजे में बोलते हुए योगेंद्र सिंह ने कहा कि जनसुराज पार्टी की कार्यशैली और प्रशांत किशोर के विजन से प्रेरित होकर मैंने यह फैसला लिया है । उन्होंने कहा कि मैं वर्ष 2016 से काराकाट प्रखंड के ग्राम पंचायत चिकसील में मार्गदर्शक के रूप में सक्रिय रहा हूं । ग्राम पंचायत काराकाट की जनता ने मुझपर विश्वास जताकर उक्त पंचायत का मुझे मुखिया बनाया । मैं जब तक इस धरती पर रहूंगा,जनता का ऋणि रहूंगा । श्री सिंह ने आगे कहा कि मैं केवल अपने पंचायत की ही नहीं,बल्कि क्षेत्र की हर जनता के सुख-दुख में साथ खड़ा रहता हूं और रहूंगा । उन्होंने कहा कि पार्टी मुझे जो भी दायित्व देगी,मैं एक सिपाही की तरह उसे पूरी निष्ठा से निभाऊंगा । प्रेसवार्ता के अंत में उन्होंने स्पष्ट किया कि अब मैं जनसुराज पार्टी का सेवक हूं और पार्टी नेतृत्व के निर्देशों को सर्वोपरि मानते हुए जनहित में निरंतर कार्य करता रहूंगा । उन्होंने मीडिया से बातचीत में कई अहम बिंदुओं पर अपनी राय रखी और आने वाले समय में पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया ।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर के तहत बड़ी गड़बड़ियों की शिकायतें लगातार आ रही सामने

दो वोटर आईडी रखने वाले हो जाएं सावधान, जाना पड़ सकता है जेल

एजेंसी/पटना

बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर के तहत बड़ी गड़बड़ियों की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। इस दौरान कई मामलों में एक ही व्यक्ति के नाम पर दो वोटर आईडी (EPIC) पंजीकृत होने की बात सामने आई है, जो कानूनन अपराध है। दो आधार कार्ड या दो पैन कार्ड रखना जितना गंभीर अपराध है, उतना ही दो वोटर आईडी कार्ड रखना भी गैरकानूनी है। इसके लिए जुर्माना और अधिकतम एक वर्ष की जेल की सजा का प्रावधान है, साथ ही मतदाता का वोट देने का अधिकार भी रद्द किया जा सकता है।हाल ही में आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को भी इस मुद्दे पर चुनाव आयोग की ओर से नोटिस भेजा गया है। आरोप है कि उनके पास दो अलग-अलग मतदाता पहचान पत्र हैं, जिसे लेकर अब कानूनी प्रक्रिया भी आगे बढ़ सकती है। चुनाव आयोग ने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया के पहले चरण में घर-घर जाकर गणना फॉर्म का वितरण एवं संग्रहण हो चुका है। अब दूसरे चरण में दावा एवं आपत्ति (Claims and Objection) की प्रक्रिया चल रही है, जिसके तहत मतदाता Form-6, Form-7 और Form-8 के जरिए अपना नाम जोड़ सकते हैं, हटवा सकते हैं या उसमें सुधार कर सकते हैं।अगर किसी मतदाता का नाम दो स्थानों पर दर्ज है, तो उन्हें सलाह दी गई है कि वे तत्काल किसी एक वोटर आईडी को रद्द करवाएं।

एसआईआर की प्रक्रिया और निगरानी

राज्य में एसआईआर के तहत दो चरणों में काम चल रहा है. पहले चरण में गणना फॉर्म का वितरण और संग्रह किया गया. अब दूसरे चरण में दावा और आपत्ति दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है. इस दौरान मतदाता अपनी जानकारी में सुधार, नाम जुड़वाने या हटवाने से जुड़ी आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं. चुनाव आयोग ने साफ किया है कि गड़बड़ी या गलत सूचना पाए जाने पर संबंधित बीएसओ, सुपरवाइजर और अन्य जिम्मेदार कर्मियों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

क्यों जरूरी है साफ-सुथरी मतदाता सूची?

चुनाव लोकतंत्र की आत्मा है, और अगर मतदाता सूची में गड़बड़ियां होंगी तो निष्पक्ष मतदान की पूरी प्रक्रिया संदेह के घेरे में आ सकती है. एक ही व्यक्ति द्वारा दो बार वोट डालने की आशंका न सिर्फ चुनाव की पवित्रता पर सवाल खड़ा करती है, बल्कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था को भी कमजोर करती है. इसलिए चुनाव आयोग ने एसआईआर को एक सुधारात्मक मिशन के रूप में शुरू किया है, ताकि 2025 के चुनावों से पहले एक Transparent and Updated मतदाता सूची तैयार की जा सके।

एक नजर

शराब बरामदगी के सिलसिले में छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर हमला, कई पुलिसकर्मी घायल

फतेहपुर। बिहार में पुलिस पर हमलों की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला गया जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र का है, जहां सोमवार रात कुहरी गांव में शराब बरामदगी के सिलसिले में छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर स्थानीय बदमाशों ने हमला कर दिया। इस हमले में एएसआई मनोज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनके सिर में 12 टांके लगे हैं। उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद गया रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है और अतिरिक्त बल को गांव में तैनात किया गया है।जानकारी के अनुसार, रविवार को फतेहपुर के कुहरी गांव में एक ऑटो से 450 लीटर महुआ शराब बरामद की गई थी। इसी सिलसिले में सोमवार को पुलिस की टीम फिर से छापेमारी करने पहुंची थी, लेकिन मौके पर पहले से घात लगाए कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिसकर्मियों पर अचानक हमला कर दिया। हमले के दौरान ईंट-पत्थरों से वार किया गया, जिसमें एएसआई मनोज कुमार को सिर पर गंभीर चोट आई। पुलिस अब इस हमले को लेकर गांव के संदिग्ध बदमाशों की पहचान करने में जुटी हुई है। साथ ही, एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सघन छापेमारी जारी है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू किया जाएगा और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

पटना में गंगा उफान पर, कई इलाके जलमग्न, चूल्हा जलाना भी मुश्किल

पटना। पटना में लगातार तीन दिनों की बारिश ने गंगा नदी को उफान पर ला दिया है, जिससे शहर के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। 5 अगस्त को गंगा का जलस्तर गांधी घाट पर खतरे के निशान (48.60 मीटर) से 70 सेमी, दीघा घाट पर (50.45 मीटर) से 36 सेमी और हाथीदह में (41.76 मीटर) से 56 सेमी ऊपर दर्ज किया गया। बिंद टोली, दियारा और मनेर जैसे निचले इलाकों में पानी घुसने से लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। गांधी घाट के रिवर फ्रंट पर पानी बह रहा है, जिससे सुबह-शाम टहलने वालों को परेशानी हो रही है।बिंद टोली में जलभराव ने लोगों के लिए जी का जंजाल खड़ा कर दिया है। घुटने से ऊपर पानी भरने से निवासी टेबल या चौकी पर चूल्हा रखकर खाना बनाने को मजबूर हैं। रास्तों पर पानी जमा होने से नाव चल रही हैं और लोग अपने पशुओं को जेपी गंगा पथ के किनारे ले जा रहे हैं। दियारा क्षेत्र में खेत जलमग्न हो गए हैं, जिससे धान और मक्का की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। हालांकि, अभी तक बड़े पैमाने पर पलायन की स्थिति नहीं बनी है, लेकिन स्थानीय लोग बाढ़ की आशंका से चिंतित हैं।जिला प्रशासन और बिहार जल संसाधन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं। एडीएम आपदा डीपी शाही ने बताया कि जलस्तर पर नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर राहत शिविर, नाव, भोजन और दवाइयों की व्यवस्था की जाएगी। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें तैनात हैं और तटबंधों की 24x7 निगरानी हो रही है।

सड़क दुर्घटना में दो कांवड़ियों की मौत आक्रोशित लोगों ने की आगजनी

पटना। राजधानी पटना के बैरिया बस स्टैंड के पास मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो कांवड़ियों की मौत हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ जब वे सावन महीने में जल भरने के लिए गायघाट गंगा घाट जा रहे थे। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने सड़क पर आगजनी कर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।मृतकों की पहचान पटना जिले के गौरीचक थाना क्षेत्र के चिपुरा गांव निवासी 20 वर्षीय गोलू कुमार और उसके एक साथी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि कांवड़ियों का जत्था जल भरने के लिए पैदल पटना के गायघाट की ओर जा रहा था। इसी दौरान रामकृष्ण नगर और गोपालपुर थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित बैरिया बस स्टैंड के पास एक अज्ञात वाहन ने दो कांवड़ियों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

एक नजर

पटना सिटी में निजी नर्सिंग होम संचालक के घर 20 लाख की चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

पटना । पटना सिटी के मालसलामी थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटी नगला स्थित आदर्श नगर सेक्टर में सोमवार देर रात चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। निजी नर्सिंग होम संचालक अमित रंजन के घर में आठ की संख्या में आए चोरों ने करीब 20 लाख रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी चोर मौके से फरार हो गए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।घटना की सूचना पर मालसलामी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। जांच में तकनीकी सहायता के लिए एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) की टीम को भी बुलाया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, नर्सिंग होम संचालक अमित रंजन की पत्नी और बच्चे सोमवार रात घर में सो रहे थे। इसी दौरान लगभग आठ की संख्या में रहे चोर मकान के पीछे की खिड़की का ग्रिल काटकर अंदर घुसे और बड़ी ही सफाई से अलमारियों से 10 लाख रुपये नकद और करीब 10 लाख रुपये मूल्य की ज्वेलरी चोरी कर ली।

सांप काटने से एक ही परिवार की दो मासूम बच्चियों की मौत, गांव में पसरा मातम

मधुबनी। बिहार के मधुबनी जिले के साहरघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत पिहावरा गांव के लक्ष्मी टोल में बीती रात दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक ही परिवार की दो बच्चियों की मौत सांप के काटने से हो गई। मृतक बच्चियों की पहचान देवेंद्र साह की 12 वर्षीय पुत्री रौशनी कुमारी और 10 वर्षीय पुत्री नेहा कुमारी के रूप में की गई है।जानकारी के मुताबिक, दोनों बच्चियां अपनी मां के साथ एक ही कमरे में सो रही थीं, तभी रात में सांप ने दोनों को डंस लिया। रात करीब 11 बजे नेहा की हालत बिगड़ने पर जब मां ने खून बहते देखा, तो आसपास के लोगों को बुलाया गया। आनन-फानन में परिजन दोनों बच्चियों को अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। नेहा की मौत रात 11 बजे, वहीं रौशनी की मौत इलाज के दौरान करीब डेढ़ बजे रात में हो गई।परिवार में चार भाई-बहन थे। बड़ी बहन और भाई दूसरे कमरे में सो रहे थे, जिससे वे इस हादसे से बच गए। घटना की सूचना मिलते ही साहरघाट थानाध्यक्ष एवं एसआई पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मधुबनी सदर अस्पताल भेज दिया गया है। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

खगड़िया नगर थाना में रिश्वतखोरी का भंडाफोड़

महिला सब इंस्पेक्टर और चौकीदार रंगे हाथ गिरफ्तार

एजेंसी/खगड़ीया

जिले के पुलिस महकमे को शर्मसार करने वाली एक बड़ी कार्रवाई में निगरानी विभाग की टीम ने नगर थाना में पदस्थापित एक महिला सब इंस्पेक्टर और एक चौकीदार को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पकड़ी गई महिला अधिकारी की पहचान सब इंस्पेक्टर सीमा कुमारी के रूप में हुई है, जबकि गिरफ्तार चौकीदार का नाम वीरू पासवान बताया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो को दोनों आरोपियों के खिलाफ घूसखोरी की शिकायत पहले से मिल रही थी। इसी सूचना के आधार पर मंगलवार को जाल बिछाया गया और जैसे ही दोनों ने रिश्वत की राशि स्वीकार की, टीम ने मौके पर ही उन्हें धर दबोचा।गिरफ्तारी के बाद दोनों को निगरानी विभाग की टीम पटना ले गई है, जहां उनसे आगे की पूछताछ की जा रही है। फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर पुलिस मुख्यालय या जिला पुलिस प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इस घटना के बाद खगड़िया जिले के पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है, और आम लोगों में भी इस मामले को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। बिहार में रिश्वतखोर पुलिसकर्मियों के खिलाफ निगरानी ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है. हाल में ही समस्तीपुर जिले में एक महिला दारोगा और उसके ड्राइवर को घूस लेते पकड़ा गया था. 20 हजार रूपए रिश्वत के रकम के रूप में लिए गए थे. निगरानी की टीम ने जाल बिछाकर दोनों को गिरफ्तार किया था. इन कार्रवाई के अलावे भी पूर्व में कई अधिकारियों और कर्मियों को रिश्वत लेते हाल में निगरानी के द्वारा गिरफ्तार किया गया है।

केस निपटारा के बदले मांगी थी रिश्वत

मिली जानकारी के अनुसार, बेगूसराय के एक शख्स ने निगरानी विभाग से शिकायत की थी कि दारोगा सीमा कुमारी ने केस के निपटारा को लेकर उनसे रिश्वत की डिमांड की है. सीमा कुमारी ने बेगूसराय के अनिल कुमार शाह से रिश्वत मांगी थी. शिकायत मिलने पर निगरानी की टीम ने जाल बिछाया. तय डील के अनुसार, जब घूस की रकम दी गयी तो निगरानी की टीम ने दबिश डाल दी. 20 हजार रूपए लेते हुए निगरानी ने पकड़ा है।

जाल बिछाकर निगरानी ने पकड़ा

निगरानी की टीम ने पहले चौकीदार वीरू पासवान को पकड़ा और उसके बाद महिला हेल्पलाइन की दारोगा सीमा कुमारी को भी गिरफ्तार कर लिया. दोनों को लेकर निगरानी विभाग के अधिकारी पटना रवाना हुए हैं. इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है।

जमुई में मजदूर टेनी मांझी के खाते में आए खरबों रुपये, बैंक ने खाता किया फ्रीज

एजेंसी/जमुई

जमुई सदर थाना क्षेत्र के अचहरी गांव से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां जयपुर में मजदूरी कर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करने वाले एक मजदूर टेनी मांझी के बैंक अकाउंट में अचानक खरबों रुपये क्रेडिट हो गया। जिसके बाद बैंक ने खाते को फ्रीज कर दिया, जिससे अब कोई लेन-देन संबंधित खाते से संभव नहीं है। यह खबर पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। इस बात की जानकारी मिलने के बाद लोगों की भारी भीड़ टेनी मांझी के घर पर जुट गई।टेनी मांझी के पिता कालेश्वर मांझी ने बताया कि उनका बेटा पहले मुंबई में मजदूरी करता था और उसी दौरान कोटक महिंद्रा बैंक में खाता खुलवाया था। वर्तमान में वह जयपुर में रहकर पलंबरी का

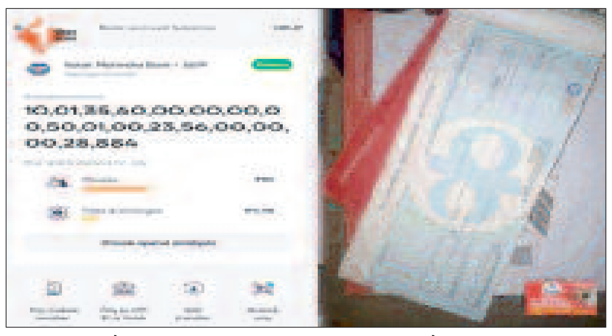

काम करता है। कालेश्वर मांझी ने बताया कि तीन दिन पहले तबीयत खराब होने के कारण उन्होंने बेटे से इलाज के लिए पैसे मांगे थे, लेकिन जब पैसा नहीं आया तो खाते की जांच की गई। तभी यह चौंकाने वाली जानकारी मिली कि खाते में खरबों रुपये जमा हो गए हैं।हालांकि खाते में भारी-भरकम रकम आते ही बैंक ने सुरक्षा कारणों से खाते को होल्ड कर दिया है। कालेश्वर मांझी का कहना है कि उन्हें इस पैसे से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने साफ कहा– ह्लपैसा जिनका भी है, उन्हें वापस मिल जाए, लेकिन मुझे प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ जरूर मिलना चाहिए, जो आज तक मुझे नहीं मिला है।ह्लमजदूर टेनी मांझी के छह बच्चे हैं और उनके पिता कालेश्वर मांझी के भी छह बच्चे हैं। पूरे परिवार का भरण-पोषण टेनी मांझी अपनी मजदूरी से ही करते हैं।

गंगा स्नान के दौरान युवक लापता, 24 घंटे बाद भी नहीं मिला सुराग

मधेपुरा। बिहार के मधेपुरा के भराही थाना क्षेत्र अंतर्गत नेहालपट्टी गांव का एक युवक गंगा स्नान के दौरान लापता हो गया है। यह हादसा रविवार की रात महादेवपुर घाट पर उस समय हुआ, जब नेहालपट्टी निवासी गरीब साह का 19 वर्षीय पुत्र केशव कुमार गंगा में स्नान कर रहा था। घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी युवक का कोई सुराग नहीं लग पाया है। इससे परिवार में कोहराम मचा हुआ है। माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है और परिजन लगातार उसकी सलामती की दुआ कर रहे हैं। परिजनों ने बताया कि केशव कुमार हर वर्ष श्रावण मास में महादेवपुर घाट से गंगाजल लेकर सिंहेश्वर नाथ मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करता था। इस बार भी वह अपनी इस परंपरा को निभाने के लिए अपने बड़े भाई नीरज कुमार और गांव के 10-12 अन्य युवकों के साथ तीन अगस्त की रात महादेवपुर घाट पहुंचा था।

प्रत्येक हवाई अड्डे पर 25 करोड़ होंगे खर्च, दिल्ली-मुंबई जाना बेहद आसान

बिहार के कई शहरों से शुरू होंगी नई उड़ान

एजेंसी/पटना

बिहार के लोगों के लिए हवाई यात्रा को सुलभ बनाने के लिए स्पिरिट एयर ने भारत सरकार की ह्यउड़ानह्न योजना और बिहार सरकार के सहयोग से आठ शहरों (बीरपुर, सहरसा, मुंगेर, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, रक्सौल, वाल्मीकिनगर और बिहटा) से उड़ान शुरू करने की घोषणा की है। ये उड़ानें मार्च 2026 से दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई जैसे महानगरों को जोड़ेंगी। बिहटा से पटना, जमशेदपुर और बोकारो के लिए भी सीधी उड़ानें होंगी। बिहार में हवाई अड्डों पर तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है और प्रत्येक हवाई अड्डे के लिए 25 करोड़ रुपये की

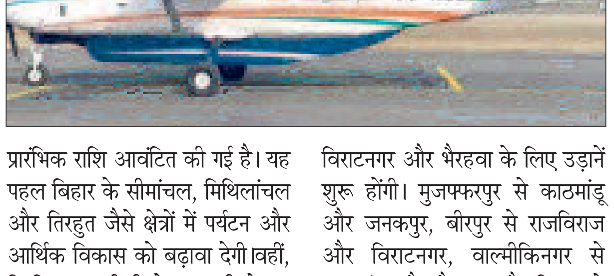

प्रारंभिक राशि आवंटित की गई है। यह पहल बिहार के सीमांचल, मिथिलांचल और तिरहुत जैसे क्षेत्रों में पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी।वहीं, स्पिरिट एयर की तीसरे चरण की योजना में अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी शामिल है, जिसमें बिहार से नेपाल के शहरों जैसे काठमांडू, जनकपुर, राजविराज, विराटनगर और भैरहवा के लिए उड़ानें शुरू होंगी। मुजफ्फरपुर से काठमांडू और जनकपुर, बीरपुर से राजविराज और विराटनगर, वाल्मीकिनगर से काठमांडू और भैरहवा और बिहटा से काठमांडू के लिए सीधी उड़ानें होंगी। ये उड़ानें छोटे विमानों क२'ल्लाी१ इ८२ळ-48 (8 सीट, छोटे रनवे के लिए उपयुक्त) और King Air 250 (हाई परफॉर्मेंस, प्रेशराइज्ड केबिन) के जरिए संचालित होंगी जो मेडिकल इमरजेंसी और कार्गो ढुलाई में भी सक्षम हैं। स्पिरिट एयर का मुख्यालय बेंगलुरु में है और यह रिटायर्ड एयर इंडिया अधिकारियों की 30 साल से अधिक अनुभव वाली टीम द्वारा संचालित किया जाता है। यह कंपनी उड़ान योजना के तहत बिहार के छोटे हवाई अड्डों से उड़ानें शुरू करेगी, जिनका विकास भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) कर रहा है। इधर बिहटा जो पटना से 30 किमी दूर है उसे 1410 करोड़ रुपये की लागत से 2027 तक पूर्ण विकसित हवाई अड्डे में बदला जाएगा।

केशव टाइम्स

संपादकीय

बक्सर, 6 अगस्त 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

सही राह पर होने के बाद भी यदि आप वहां बैठे ही रहोगे तो कोई गाड़ी आपको कुचलकर चली जायेगी। -विल रोजर्स

मोदी-शाह की राष्ट्रपति से मुलाकात, हलचलें बढ़ी

केंद्रीय चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी है उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान 9 सितंबर को होगा। नामांकन और नाम वापसी 25 अगस्त तक हो जाएगी। 25 अगस्त से लेकर 9 सितंबर तक का समय प्रधानमंत्री मोदी के लिए भारी पड़ने जा रहा है। लोकसभा और राज्यसभा के संसद सदस्य उपराष्ट्रपति के लिए मतदान करते हैं जिस तरह से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में तनाव बना हुआ है। जिस तरह से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा हुआ है। धनखड़ का इस्तीफा होने के बाद ना तो उनका फेयरवेल हुआ है, नाही यह पता लग रहा है, कि वह कहां पर किस हाल में हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव टलता चला आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर तल्खी बनी हुई है। संसद के मानसून सत्र में कोई काम नहीं हो पा रहा है। केवल ऑपरेशन सिंदूर पर दोनों सदनों में 16-16 घंटे की चर्चा हुई है। विपक्ष बिहार में चल रही मतदाता सूची के विशेष गहन परीक्षण को लेकर संसद के दोनों सदनों में चर्चा कराना चाहता है। सरकार चर्चा करने से बच रही है। जिसके कारण सदन की कार्यवाही नहीं चल पा रही है। चुनाव आयोग और भाजपा को लेकर भी विपक्ष हमलावर है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर विपक्ष ने जिस तरह की चुप्पी साध रखी है। यह चुप्पी सरकार के लिए हैरान कर रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, मोदी सरकार के लिए मुसीबत बने हुए हैं। वह हर दिन कोई ना कोई बयान भारत के बारे में देते हैं। जिसमें या तो टैरिफ होता है या भारत और पाकिस्तान के बीच सीज फायर कराने की बात होती है। जिसके कारण सरकार को बचाव की मुद्रा में रहना पड़ता है। इसका फायदा विपक्ष के साथ-साथ भाजपा के अंदर प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से अलग लाबी है। वह भी समय-समय पर जो बयानबाजी कर रही है। उससे भी सरकार की मुश्किलें बढ़ रही हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक का दबाव पहले से ही बना हुआ है। उपराष्ट्रपति के चुनाव के पहले संघ परिवार चाहता है, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव हो जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में भाजपा के सांसद विद्रोह कर सकते हैं। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए व्हिप जारी नहीं हो सकता है। जिसके कारण बगावत की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। दिल्ली में जिस तरह की चर्चाएं हो रही हैं। उसके अनुसार संघ को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर गुजराती लाबी का कोई आदमी स्वीकार नहीं है। संघ अपने भरोसेबंद व्यक्ति को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर लाने के लिए अडिग है। जिसके कारण मोदी-शाह हैरान और परेशान हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिस तरह की राजनीतिक हलचले हो रही हैं। उसमें ऊंट किस करवट बैठेगा, इसका अंदाजा किसी को नहीं लग पा रहा है। हाल ही में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बिहार में मतदाता सूची के गहन परीक्षण को लेकर अपनी आपत्ति जताई थी। हाल ही में उन्होंने एक बार फिर कोलकाता में जो बयान दिया है। उससे सरकार की चिंता बढ़ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गठबंधन सरकार चलाने का अनुभव नहीं है। वह मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में पूर्ण बहुमत की सरकार के मुखिया रहे हैं। पहली बार वह गठबंधन की सरकार के मुखिया हैं। जिस तरह से एनडीए के सहयोगी दल भी उन्हें आंखें दिखा रहे हैं। यह स्थिति उनके लिए बिल्कुल नई है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा ऐसे समय पर हुआ है। जब सरकार के सामने सबसे ज्यादा चुनौतियां थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भी चुनौतियां मिल रही हैं। इस स्थिति में संकट मोचक के रूप में राष्ट्रपति ही उनकी कोई मदद कर सकती हैं। एक ही दिन में प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का राष्ट्रपति से मिलने से दिल्ली का राजनीतिक घटनाक्रम तेज हो गया है। वहीं चुनाव आयोग को लेकर देश में जिस तरह से माहौल बन रहा है। उसने भी मोदी और शाह की चिंताओं को बढ़ा दिया है। केंद्र की सत्ता का ऊंट किस करवट बैठेगा। इसको लेकर तरह-तरह के कयास लगने लगे हैं। राम और रावण युद्ध के समय रावण की कैद में सभी नौ ग्रह थे। लेकिन जब रावण का समय बदला, ऐसी स्थिति में उन नौ ग्रहों ने भी पाला बदल दिया। जो अंततः अहंकारी रावण के वध का कारण बना।

चिंतन-मनन

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है, भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अतः दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुतः जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है। मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है।

शिबू सोरेन: संथाल हूल के विस्तार से की राजनीतिक शुरूआत

- सुधीर पाल

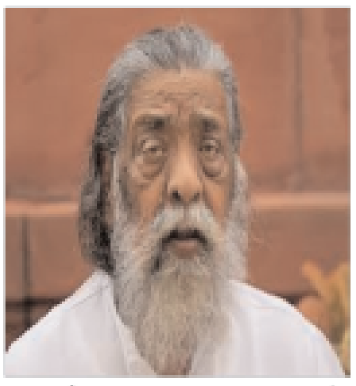

1855 में जब सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, और फुलो-झानो ने ह्यदामिन-ए-कोहह्न की धरती पर अंग्रेजी राज, महाजनों और जमींदारों के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंका, तो वह सिर्फ हथियारबंद विद्रोह नहीं था, वह एक नई शासन व्यवस्था की माँग थी–जिसमें आदिवासी समाज अपने तरीके से जी सके, अपने नियम बना सके और अपनी जमीन, जंगल और संस्कृति की रक्षा कर सके। इसी विचार की एक और कड़ी शिबू सोरेन की चेतना में दिखाई देती थी। शिबू सोरेन का प्रारंभिक संघर्ष भी बिल्कुल वैसा ही था जैसा संथाल विद्रोह का – महाजनों के खिलाफ, जमींदारों के शोषण के खिलाफ, और पुलिसिया अत्याचारों के विरुद्ध। उन्होंने ह्यधान काटो आंदोलनह्न, जंगल में समाज सुधार सभाएं, शराबबंदी अभियान, बाल विवाह विरोधी आंदोलन जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाए। शुरूआत में उनका आंदोलन उग्र था – हिंसा भी हुई, पुलिस से टकराव हुआ। लेकिन फिर के.बी. सक्सेना जैसे अधिकारियों के हस्तक्षेप और शिबू सोरेन की वैचारिक परिपक्वता के कारण यह आंदोलन लोकतांत्रिक दिशा में मुड़ा। जहाँ संथाल विद्रोह में राजा की जगह आदिवासी ग्राम प्रमुख की कल्पना थी, वहीं शिबू सोरेन के आंदोलन में भी गांवों की संप्रभुता की मांग थी। जहाँ संथाल विद्रोह में हूल था, वहाँ शिबू सोरेन के आंदोलन में हुंकार थी– लेकिन उद्देश्य एक था-हम अपनी जमीन, जंगल और आत्मा पर किसी बाहरी सत्ता को स्वीकार नहीं करेंगे। शिबू सोरेन सिर्फ एक नेता नहीं हैं, वे उस क्रांति का नाम हैं, जो जमीन की गंध से उठी थी और संसद तक पहुंची। जब भारत की राजनीति में हाशिए पर खड़े समुदायों की बात होती है, तो झारखंड के आदिवासियों की पीड़ा और प्रतिरोध की गाथा में एक नाम सबसे पहले उभरता है–शिबू सोरेन। वे सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंड के जनांदोलन के प्रतीक हैं। उनका जीवन, उनके विचार और उनके संघर्ष आदिवासी अस्मिता, जमीन, जंगल और जल की रक्षा के लिए खड़े हुए उस विराट आंदोलन का हिस्सा है, जिसने एक राज्य को जन्म दिया और हाशिए पर खड़े लोगों को आवाज दी। एक समय नक्सली, फिर जन नेता शिबू सोरेन का शुरूआती जीवन एक तरह से विद्रोही राजनीति की गोद में पला। उन्होंने जमींदारी, महाजनी और बाहरी तत्वों के खिलाफ आवाज बुलंद की। उन्होंने आदिवासी किसानों को इकट्ठा कर धनकुबेरों की जमीनों पर हल चलाने की मुहिम शुरू की। यह आंदोलन कई बार हिंसक भी हुआ। सरकारी दस्तावेजों में उनका नाम खतरनाक तत्वों की सूची में आ गया। पुलिस उन्हें पकड़ नहीं पा रही थी, लेकिन जनता उन्हें गुरुजी के नाम से जानने लगी थी। कई दस्तावेज बताते हैं कि वे नक्सलपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित थे। लेकिन तभी उनकी मुलाकात हुई–के.बी. सक्सेना जैसे ईमानदार और संवेदनशील नौकरशाह से, जो उस वक्त बिहार सरकार में पदस्थ थे और बाद में भारत सरकार में सचिव बने। सक्सेना ने शिबू से कहा–तुम्हारी लड़ाई सही है, लेकिन रास्ता गलत है। अगर तुम्हें वाकई अपने लोगों को न्याय दिलाना है, तो बंदूक नहीं, संसद का रास्ता अपनाओ। यह सलाह शिबू के जीवन का मोड़ बनी। उन्होंने आत्मनिरीक्षण किया और फैसला किया कि वे बंदूक की जगह वोट की ताकत से लड़ाई लड़ेंगे। हूल बनाम हुंकार: दो युग, एक चेतना जब भारत के आदिवासी आंदोलनों का इतिहास लिखा जाएगा, तो उसमें दो प्रमुख मोड़ हमेशा उभर कर सामने आएंगे,पहला, 1855 का संथाल विद्रोह और दूसरा, 1970ह्र2000 के झारखंड आंदोलन का उत्कर्ष, जिसका नेतृत्व शिबू सोरेन ने किया। इन दोनों संघर्षों के समय, परिप्रेक्ष्य और रणनीतियाँ भिन्न हो सकती हैं लेकिन मूल चेतना, उद्देश्य और अस्मिता की रक्षा की भावना एक ही थी। संथाल हूल तत्कालीन ब्रिटिश राज, महाजनी शोषण और जमींदारी व्यवस्था के खिलाफ आदिवासी समाज की पहली संगठित प्रतिक्रिया थी। संथालों को उनकी जमीन से बेदखल किया जा रहा था, उन पर टैक्स थोपा जा रहा था, और महाजन उन्हें सूदखोरी के जाल में फंसा रहे थे। यह केवल अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह नहीं था, बल्कि एक समांतर शासन व्यवस्था की स्थापना का प्रयास भी था। सिदो-कान्हू ने घोषणा की थी कि अब वे ब्रिटिश राज से स्वतंत्र हैं, और संथाल क्षेत्र अब उनके अपने पारंपरिक प्रमुखों के नियंत्रण में रहेगा। उन्होंने ग्रामसभाओं की बैठकें और सामूहिक निर्णय प्रणाली को सक्रिय किया यानी एक वैकल्पिक, लोक-आधारित शासन मॉडल। हूल का प्रमुख लक्ष्य था जमीन की रक्षा। महाजनी और जमींदारी शोषण का प्रतिरोध और सांस्कृतिक और सामाजिक ढांचे की पुनः स्थापना। संथाल विद्रोह ने एक परंपरागत गणराज्य की कल्पना की थी। शिबू सोरेन ने ग्राम सभा की सर्वोच्चता, पेसा अधिनियम, और जनजातीय स्वशासन की धारणा को संवैधानिक पहचान दिलाने का प्रयास किया। 1970 के दशक में शिबू सोरेन के नेतृत्व में झारखंड आंदोलन ने रफ्तार पकड़ी। इस आंदोलन का उद्देश्य था–अलग झारखंड राज्य की स्थापना, ताकि आदिवासी बहुल इलाकों को उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान मिल सके। 1972 में एके राय और बिनोद बिहार महतो के साथ मिलकर उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की स्थापना की। यह पार्टी आदिवासियों की आवाज बनी। शिबू सोरेन ने जेएमएम के बैनर तले भूमि सुधार, वन अधिकार, और आदिवासी स्वशासन की माँग को लेकर आंदोलन चलाया। उनका आंदोलन सिर्फ भाषण नहीं था, वह आम जनता की चेतना का आंदोलन था। ग्रामीण क्षेत्रों में वह घर-घर जाकर लोगों को जगाते, बैठकें करते, और गीतों के जरिए लोगों को एकजुट करते। आदिवासी ढोंग जैसे परंपरागत वाद्य यंत्रों की ध्वनि और शिबू के नारों की गूंज मिलती तो जंगल भी गवाह बन जाते। जमीन और खनिज पर हक हूल और हुंकार दोनों के संघर्ष का केंद्र बिंदु रहा। संथालों ने जमीन के लिए जान दी। संथाल हूल ने अस्मिता को जमीन से जोड़ा था। शिबू सोरेन ने संविधान के माध्यम से वही बात दोहराई–जंगल, जल, जमीन पर पहला हक आदिवासी का है। 1855 में संथालों की जमीन हड़पी जा रही थी। 1970 के बाद झारखंड में खनिज लूट के नाम पर जमीन अधिग्रहण, वन भूमि पर कब्जा, और विस्थापन की प्रक्रिया तेज हो गई। शिबू सोरेन ने कहा–झारखंड का खनिज झारखंडी का होना चाहिए। भूमि अधिग्रहण, खनिज लीज और विस्थापन के मुद्दे दोनों कालखंडों में प्रासंगिक रहे। शिबू सोरेन के आंदोलन ने भी आदिवासी भाषा, लिपि, रीति-नीति को सरकारी मान्यता दिलाने का प्रयास किया। शिबू सोरेन का आंदोलन इसके खिलाफ जनाधिकार का प्रतीक बना।

भारतीय हथकरघा के लिए नवाचार और स्थायित्व के साथ भविष्य बुनना

- गिरिराज सिंह

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5 मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है। स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्र, बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैं। ऐसा करके, वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं। टिकाऊ वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण है। ये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढ़ियों से कायम रखा गया है। निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है। उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचार, स्थानीय स्रोत, रि-साईकिलिंग और अप-साईकिलिंग, तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ है। ये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने, शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनाने, उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दर्शाती है। भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र (टेक्सटाइल इको-सिस्टम) का समर्थन करती है। इनमें कच्चे माल की खरीद, करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं। पर्यावरण-अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने, जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ह्यवोकल फॉर लोकलह्न और ह्यआत्मनिर्भर भारतह्न जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है। ह्यकौशल भारतह्न और ह्यडिजिटल भारतह्न जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं। इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए, हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है। वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष, पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है। यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है। हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है। को-ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है। इसे हासिल करने के कई तरीके हैं। पारंपरिक और आधुनिक, दोनों बाजारों के लिए नए डिजाइन विकसित करने के साथ-साथ पारंपरिक डिजाइनों को पुनर्जीवित करना, खासकर थीम-आधारित प्रदर्शनियों के जरिए, ग्राहकों को शिक्षित करने और माँग बढ़ाने में मदद कर सकता है। अंगवस्त्रम, वेष्टी और मुंडू जैसे उत्पादों को भी प्रासंगिक बने रहने के लिए विचारशील डिजाइन नवाचार की आवश्यकता होती है। वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि केवल 22% हथकरघा बुनकर साड़ियां बनाते हैं और 19% अंगवस्त्रम और इसी तरह के उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे 59% ऐसे बुनकर बचते हैं जिन्हें घरेलू साज-सज्जा और वस्त्र सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सकता है। आधुनिक रुचियों के अनुरूप ढलते हुए, भारतीय हथकरघा को परिभाषित करने वाले अद्वितीय क्षेत्रीय कौशल और तकनीकों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है। जैविक फाइबर, प्राकृतिक रंगों और टिकाऊ सामग्रियों के उपयोग से हथकरघा उत्पादों का मूल्य और आकर्षण और अधिक बढ़ सकता है। वस्त्र मंत्रालय संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार जैसे पुरस्कारों के माध्यम से बुनकरों के योगदान को सक्रिय रूप से मान्यता प्रदान कर रहा है और उन्हें पुरस्कृत कर रहा है। हाल के वर्षों में, नई श्रेणियां शुरू की गई हैं, जैसे कि महिला बुनकरों, जनजातीय कारीगरों, दिव्यांग बुनकरों, नवोन्मेषी उत्पादक समूहों और हथकरघा के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने वाले डिजाइनरों के लिए पुरस्कार। इसमें एक उल्लेखनीय बात यह है कि युवाओं को युवा बुनकर पुरस्कार भी दिया जाता है, जोकि 30 वर्ष से कम आयु के ऐसे कारीगरों को दिया जाता है, जिन्होंने पारंपरिक तकनीकों में निपुणता प्राप्त कर ली है तथा नवाचार अथवा उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हैं। ये पुरस्कार न केवल प्रतिष्ठित हैं बल्कि पारदर्शी और लोकतांत्रिक भी हैं, तथा इनके साथ नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र भी दिए जाते हैं। संत कबीर, राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार विजेताओं को आजीवन 8,000 रुपये मासिक पेंशन दी जाती है। इसका उद्देश्य हथकरघा के क्षेत्र में नवाचार, विशेष रूप से ऐसी तकनीकों और सौंदर्यबोध को बढ़ावा देना है, जिनकी मशीनों अथवा पावरलूमों द्वारा नकल नहीं की जा सकती है। भारतीय हथकरघा उद्योग का स्थायित्व बनाए रखने के लिए परंपरा और नवाचार दोनों को अपनाने की आवश्यकता है। भारत कपास, रेशम, ऊन, जूट और नारियल के रेशों जैसे प्राकृतिक फाइबर से समृद्ध है, और यहाँ बाँस, केले के फाइबर, हेम्प और मिल्कवीड जैसी नई सामग्रियों की खोज तेजी से हो रही है। कृषि अपशिष्ट की एक बड़ी मात्रा भी अभी तक पूरी तरह से उपयोग में नहीं आ पाई है। इस प्रचुरता के बावजूद, वास्तव में टिकाऊ उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर यार्न और वस्त्र प्रसंस्करण को मजबूत करने की अभी भी आवश्यकता है। वस्त्र क्षेत्र में उद्यमों के सर्कुलर उत्पादन में तेजी आ रही है। वर्तमान समय में भारत की गहन भौतिक संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ रही है, यह केवल यार्न और फैब्रिक में ही नहीं, बल्कि परिधानों के सहायक उपकरणों में भी बढ़ रही है।

सांसद त्रिवेंद्र रावत को जीरो नम्बर दिए वीरेंद्र रावत ने

-डॉ श्रीगोपाल नारसन

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के बेटे और हरिद्वार लोकसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी रहे वीरेंद्र रावत ने बीजेपी सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत पर जुबानी हमला बोला है,वीरेंद्र रावत ने हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र रावत पर क्षेत्र से नदारद रहने के आरोप लगाया है।पिछले दिनों वीरेंद्र रावत ने हरिद्वार में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सांसद त्रिवेंद्र रावत को कई और मामलों पर भी घेरने की कोशिश की ।उन्होंने महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर उन्हें व उनकी पार्टी की केंद्र और राज्य सरकार को घेरने का प्रयास किया। वीरेंद्र रावत ने महंगाई और प्रदेश में सरकारी भर्तियों को लेकर कई सवाल उठाए,साथ ही वीरेंद्र रावत ने कहा कि पूर्व सांसद रमेश पोखरियाल निशंक पर जिस तरह क्षेत्र और लोगों के बीच नदारद रहने के आरोप लगते थे, उसी तरह वर्तमान सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत के लिए भी पिछले एक साल में पोस्टर लगाए गए हैं।उनके अनुसार जनता ने कई जगहों पर बीजेपी सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत को ढूंढने पर इनाम तक घोषित कर रखा है।वीरेंद्र रावत का कहना है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने हरिद्वार के लिए 72 सूत्रीय कार्यक्रमों का मेनिफेस्टो जारी किया था, लेकिन वो जीत नहीं पाए थे, इसीलिए उन्होंने अपना मेनिफेस्टो सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत को सौंपा था, ताकि जनता की भलाई के काम सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत के जरिए हो सकें, लेकिन सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने एक भी कार्य अब तक नहीं कराया है।उन्होंने कहा कि 10 में से 0 नंबर ही मैं सांसद के कार्यकाल को दूंगा। वही उत्तराखंड के हरिद्वार जिले का जमीन घोटाला भी इन दिनों चर्चाओं में है। आरोप है कि जिस जमीन को कोई लाख रुपए में भी नहीं खरीदता था, उस जमीन को हरिद्वार नगर निगम के अधिकारियों ने 54 करोड़ रुपए में खरीद लिया।जो एक बड़ा घोटाला है,इस मामले की जांच पूरी हो चुकी है, जिसकी रिपोर्ट भी शासन को भेजी जा चुकी है, लेकिन जांच रिपोर्ट सार्वजनिक होने से पहले ही हरिद्वार सांसद और पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत के एक बयान ने प्रदेश की राजनीति को गरमा दिया है।हरिद्वार जमीन घोटाले को लेकर जब उन्होंने कहा कि अधिकारियों पर तो कार्रवाई हो ही, लेकिन परदे के पीछे कौन लोग हैं यह भी सामने आना चाहिए।सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सवाल खड़े करते हुए कहा कि यह बेहद गंभीर बात है कि इतने बड़े अधिकारी कैसे इतनी लापरवाही कर सकते हैं।त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा है कि इस मामले में जांच पूरी हो गई है और अब तक क्या कार्रवाई हुई है, यह स्पष्ट नहीं है। लिहाजा सरकार को इस पर कड़ा एक्शन लेना चाहिए, ताकि भविष्य में कोई अधिकारी ऐसी हरकत करने से पहले दस बार सोचे, यदि अधिकारी ने किसी की शह पर ये काम किया हो तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए।लेकिन मामले में कुछ अधिकारियों का निलंबन करके इतिश्री कर दी गई।हरिद्वार जिले में आचार संहिता के दौरान नगर निगम ने साल 2024 में 33 बीघा जमीन खरीदी थी।बताया जाता है कि इस जमीन की कीमत कुछ लाख रुपए बीघा थी, लेकिन निगम और जिले के कुछ अधिकारियों ने कृषि भूमि को 143 में दर्ज करवाकर 58 करोड़ रुपए में खरीद लिया था।

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में लंबे समय से आपके जरूरी कार्य बीच में अटके थे, तो अब वे पूरे हो सकते हैं।	**तुला** आज आपको राजनीतिक क्षेत्रों में कार्य करने का सुनहरा अवसर प्राप्त हो सकता है।
वृषभ समाज में मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसी के चलते आपका मन भी प्रसन्न रहेगा।	**वृश्चिक** कामकाज के सिलसिले में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। इसी के चलते थोड़ा तनाव भी बना रहेगा।
मिथुन आज आपके विरोधियों की संख्या बढ़ सकती है और वे कोई रणनीति भी बना सकते हैं।	**धनु** आज आपको सावधान रहना होगा। अनावश्यक चीजों पर धन ज्यादा खर्च हो सकता है।
कर्क लंबे समय से किसी बात या काम को लेकर तनाव चल रहा था, तो वह आज कम हो सकता है।	**मकर** आज भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी।
सिंह आज दिन भाग्यशाली रहने वाला है, जिससे जरूरी कार्यों में सफलता प्राप्त हो सकती है।	**कुंभ** आज समय अनुकूल रहेगा। आपके लिए आय के नए स्रोत खुल सकते हैं।
कन्या आज कारोबार में अगर कोई काम खराब चल रहा है, तो आपको उसे सुधारने पर ध्यान देना होगा।	**मीन** आज अगर लंबे समय से आपका धन कहीं अटका हुआ था तो वह अब वापस मिल सकता है।

विशेष

टैरिफ मोदी के गले की फांस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बड़े खास दोस्त रहे,डोनाल्ड ट्रंप उनके लिए इतनी बड़ी मुसीबत बनेंगे। इसकी कल्पना कभी प्रधानमंत्री मोदी ने नहीं की थी। ट्रंप इतने बड़े विश्वासघाती होंगे, यदि यह पता होता तो वह डोनाल्ड ट्रंप का प्रचार करने अमेरिका नहीं जाते। उन्हें अपना दोस्त नहीं बनाते। मोदी जी को पहली बार लगा, ट्रंप के सामने वह छोटे हैं। ट्रंप भी बड़े दादा होने का पूरा फायदा उठा रहे हैं। अभी तक उन्होंने 30 बार कह दिया, भारत और पाकिस्तान के बीच उन्होंने सीज फायर कराया है। विपक्ष ने इसको मुद्दा बना लिया है। प्रधानमंत्री के ऊपर विपक्ष लगातार हमला कर रहा है। टैरिफ को लेकर पहले से ही मोदी को घेरने में विपक्ष लगा है।

केरल में भाजपा के पास खोने के लिए कुछ नहीं? कांग्रेस निशाने पर

केरल के विधानसभा चुनाव अगले साल होने वाले हैं। वहां पर कांग्रेस दो पाटों के बीच में फंस गई है। केंद्र में भाजपा की सरकार आने के बाद केरल में भाजपा का दबदबा बढ़ता चला जा रहा है। केरल में पहले कांग्रेस और सीपीएम के बीच में सीधा मुकाबला होता था। अब भाजपा भी इस खेल में शामिल हो गई है। केंद्र में भाजपा की सरकार होने के कारण सीपीएम की भाजपा के साथ नजदीकी बढ़ती चली जा रही है। दोनों के बीच विचारधारा का अब कोई लेना-देना नहीं है। भाजपा ने वहां कांग्रेस नेताओं को तोड़ना फोड़ना शुरू कर दिया है। शशि थरूर दोनों पाटों के बीच में झूल रहे हैं। केरल में कांग्रेस को खोने के लिए बहुत कुछ है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1600 स्काटलैंड में लार्ड गावरी और उनके भाई अलेक्जेंडर रूथवेन ने शासक जेम्स छठवें को बंदी बनाया. 1716 सेवाय के राजकुमार यूजीन ने तुर्कों के सैनिकों को पेट्रोवार्डिन रूस में पराजित किया. 1810 नेपोलियन बोनापार्ट ने फ्रांस में आयात की जाने वाली वस्तुओं पर कर लगाया. 1858 अटलांटिक के आर-पार केबल बिछाने का काम पूरा हुआ. 1930 चांद पर उतरनेवाले पहले व्यक्ति नील आर्मस्ट्रांग का जन्म. 1949 इक्वाडोर में भूकंप से छह हजार से अधिक लोग मारे गए. 1962 अमरीकी अभिनेत्री मर्लिन मुनरो को लास एंजेल्स में मृत पायी गई. 1976 सूडान में असफल क्रांति में भाग लेने वाले कमांडर और 16 अन्य को मौत के घाट उतारा 1992 दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला ने लाखों लोगों के साथ श्वेतों का शासन समाप्त करने के लिए प्रदर्शन किया.

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

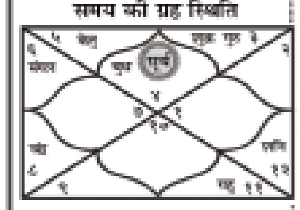

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.27 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कन्या	08.39 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.50 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.05 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.21 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.26 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.12 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.46 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.15 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	वृष	23.56 बजे से
		मिथुन	01.54 बजे से
		कर्क	04.07 बजे से

2025 वर्ष का 217 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास श्रावण पक्ष शुक्ला
तिथि एकादशी 13.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 11.23 बजे को समाप्त।
योग इन्द्र 07.24 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 13.13 बजे तदनन्तर बव 01.45 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 11.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 57'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872427
जूलियन दिन 2460892.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर तारीख 10
विशेष श्रावण पुत्रदा एकादशी, मंगला गौरी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

राजधानी की सड़कें हुई बदहाल : पथ निर्माण विभाग 25 सड़कों की कराएगा मरम्मत

रांची, एजेंसी। मानसून में राजधानी की सड़कों की स्थिति बदहाल हो गई है। प्रमुख सड़कों से लेकर बाइलेन तक पूरी तरह जर्जर हैं। स्थिति ऐसी हो गई है कि बाइलेन से गुजरने से पहले रूह कांप जाती है। क्योंकि, हिचकोले खाते हुए सड़कों से गुजरना लोगों की मजबूरी बन गई है। हल्की बारिश होने पर सड़कों पर तालाब जैसा नजारा दिख रहा है। ऐसे में सड़क के गड्ढों में जमा पानी और खतरनाक हो गया है। सड़कों की ऐसी स्थिति तब है, जब झारखंड हाईकोर्ट ने पथ निर्माण सचिव और नगर निगम को हर हाल में सड़कों को दुरुस्त करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद पथ निर्माण विभाग तो रेस हो गया है, लेकिन नगर निगम और नगर विकास विभाग के अफसर अभी भी गहरी नींद में सोए हुए हैं। पथ निर्माण रांची प्रमंडल ने शहर की 50 सड़कों की मरम्मत व राइडिंग क्वालिटी में सुधार का प्रस्ताव विभाग को भेजा था। विभाग से इसकी स्वीकृति मिल गई है। फिलहाल 25 सड़कों की मरम्मत के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। इन पर करीब 3.70 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके लिए पैसे भी मिल गए हैं। इन सड़कों का निर्माण 30 से 90 दिनों के अंदर कराया जाएगा। क्योंकि, 19 अगस्त को टेंडर खुलेगा।

सितंबर से सड़कों की मरम्मत का काम शुरू होगा, ताकि दुर्गा पूजा से पहले सड़क के गड्ढों को भर दिया जाए। गड्ढे भरने से श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। दूसरी ओर बाइलेन की मरम्मत के लिए अभी लंबा इंतजार करना होगा। क्योंकि, यह नगर निगम के अंतर्गत है। निगम की सड़कों को सरकार से फंड मिलने का इंतजार है। पैसा मिलने के बाद ही सड़कों का निर्माण होगा।

लालजी हिरजी रोड- 8.80 करोड़ की लागत से इस रोड की मरम्मत होनी है। टेंडर हो गया है, लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हुआ। नतीजा जगह-जगह गड्ढे हैं।

विष्णु टॉकीज लेन- मरम्मत के लिए 1.98 करोड़ की योजना बनी है। लेकिन नगर विकास से फंड का इंतजार हो रहा। मधुकम रोड- इरगू रोड, चूना भट्ठा से न्यू मधुकम तालाब तक सड़क की स्थिति ऐसी है कि वाहन चालकों को लगता है वे राजधानी नहीं, किसी गांव में रहते हैं। इसकी मरम्मत के लिए 2.70 करोड़ का एस्टिमेट बना हुआ है। लेकिन निगम के पास पैसा नहीं है। विभाग से पैसे मिलने का इंतजार किया जा रहा है।

चूना भट्ठा रोड- खादगढ़ा से चूना भट्ठा रोड की स्थिति भी दयनीय है। भट्ठा रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास गड्ढा है, जिसमे पानी जमा है। इसकी मरम्मत के लिए 19.44 लाख का एस्टिमेट बना है, लेकिन काम शुरू नहीं हुआ।

दो सड़कों का चौड़ीकरण अक्टूबर में हो सकता है शुरू- अरगोड़ा-नया सराय भाया पुंदाग फोर लेने और कांके-बौड़या सड़क चौड़ीकरण का कार्य अक्टूबर में शुरू होने की संभावना है। इन दोनों सड़कों के लिए पथ निर्माण विभाग टेंडर निकाल चुका है। अरगोड़ा-पुंदाग फोर लेन के लिए 19 अगस्त को निविदा खुलेगी। वहीं कांके-बोड़या सड़क के लिए भी निविदा आठ अगस्त को खोली जाएगी।

कोल इंडिया में धारा 28 समाप्त करने व मजदूर हित में लिये गये फैसलों के लिए याद किये जायेंगे गुरुजी

बोकारो, एजेंसी। कोयलांचल के लोगों के दिलों में आज भी दिशोम गुरु का स्थान अमिट है. उन्होंने कोयला मंत्री के रूप में जो कार्य किये, वे न केवल मजदूर हितैषी थे, बल्कि दूरगामी प्रभाव डालने वाले भी साबित हुए. कोयला उद्योग में काम करने वाले लाखों मजदूरों के हित में पूर्व कोयला मंत्री शिबू सोरेन द्वारा लिये गये दो ऐतिहासिक निर्णय आज भी कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों में काम कर रहे कर्मचारियों के लिए एक वरदान की तरह है. कोयला मंत्री रहते हुए श्री सोरेन ने पहला बड़ा फैसला था कोल इंडिया के स्टैंडिंग ऑर्डर की धारा 28 को खत्म करने का. इस धारा के तहत कोल कंपनियों के पास यह विशेष अधिकार था कि वे किसी भी कर्मचारी को मामूली लापरवाही या आरोपों के आधार पर सीधे डिसमिस यानी बर्खास्त कर सकते थे. दूसरा महत्वपूर्ण फैसला था लोंग अपसेंटिंग के तहत डिसमिस कर्मचारियों की सेवा में पुनः बहाली. लंबे समय तक अनुपस्थित रहने के कारण बड़ी संख्या में मजदूरों को सेवा से हटा दिया गया था. इस मसले को गंभीरता से लेते हुए कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों को आदेश दिया कि वे मानवता के आधार पर इन मजदूरों को पुनः बहाल करें. इसके चलते हजारों परिवारों को दोबारा जीविका का सहारा मिला.

अवैध खदान की सूचना पर बावनडीहा जंगल में छापेमारी

धनबाद, एजेंसी। सिनीडीह स्थित बावनडीहा जंगल में सोमवार को अवैध खदान खोले जाने की गुप्त सूचना पर खरखरी कोलियरी प्रबंधन, गोविंदपुर क्षेत्रीय सीआइएसएफ व मधुबन पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की. जंगल में गहन तलाशी अभियान चलाया गया. अवैध खदान का कोई स्पष्ट मुहाना नहीं मिला, जिसके कारण टीम को खाली हाथ लौटना पड़ा. इस संबंध में खरखरी कोलियरी पीओ विजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई थी. अवैध खदान का कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका. कहा कि संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के लिए क्षेत्र में समय-समय पर निगरानी व निरीक्षण जारी रहेगा.

बीसीसीएलकर्मी की अस्पताल में मौत, शव के साथ चक्का जाम के बाद पत्नी को मिला नियोजन

धनबाद, एजेंसी। एकीकृत ब्लॉक दो ओसीपी कोलियरी में कार्यरत इपी फिटर हेल्पर मनोज कुमार रजक (40) की मौत रविवार की रात इलाज के दौरान कोलकाता के एक अस्पताल में हो गयी. वह केशरगढ़ बस्ती का रहने वाला था. अस्पताल से शव लेकर परिजन एवं गांव के लोग 14 नंबर हाजिरी घर पहुंचे. मृतक की आश्रित पत्नी किरण देवी को प्रोविजनल नियोजन देने की मांग को लेकर कोलियरी का चक्का जाम कर धरना पर बैठ गये. उससे छह घंटे तक उत्पादन व डिस्पैच बाधित रहा. प्रबंधन द्वारा प्रोविजनल नियोजन देने में असमर्थता जताने पर सांसद ढुलू महतो एवं विधायक शत्रुघ्न महतो ने सीएमडी के साथ दूरभाष पर बातचीत की. उसमें सीएमडी ने नियोजन देने पर सहमति जतायी. आदेश के बाद पीओ टीएस चौहान, कार्मिक प्रबंधक(प्रशासन) पीके झा, कार्मिक प्रबंधक विकास कुमार एवं उप प्रबंधक अजय सिंह यादव ने यूनियन प्रतिनिधियों के साथ वार्ता की. मृतक की पत्नी किरण देवी को प्रोविजनल नियुक्ति पत्र दिया गया. अन्य लाभ भी देने का आश्वासन दिया गया. इसके बाद परिजन शव को उठाकर दाह संस्कार के लिए घर ले गये. मौके पर भरत महतो, गोपाल मिश्रा, मुरारी पांडेय, अरशद हुसैन, संतोष दास, धनंजय महतो, इंद्रासन यादव, अकलेश नोनिया, विनय सहचर, राजकुमार मंडल, ओमप्रकाश पांडेय, महावीर मंडल, केशव पासवान आदि मौजूद थे.

पहले दुष्कर्म की कोशिश! बाद में आरोपी जबरदस्ती ले जा रहा था अपने घर

पलामू, एजेंसी। जिले के मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना घटी है. यहां एक नाबालिग ने दुष्कर्म की कोशिश से तंग आकर आत्महत्या कर ली. जानकारी के मुताबिक, मना करने के बावजूद आरोपी मां-बाप समेत, नाबालिग के घर पहुंचा और उसे अपने साथ ले जाने की कोशिश करने लगा. इस दौरान जमकर हंगामा हुआ. इस घटना से तंग आकर 16 वर्षीय नाबालिग ने आत्महत्या कर ली. पुलिस ने आरोपी राहुल ठाकुर और उसके मां-बाप के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है. घटना के बाद से राहुल ठाकुर एवं उसके परिजन फरार हैं. पुलिस गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह छापेमारी कर रही है. दरअसल, चार अगस्त को मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र में एक नाबालिग ने आत्महत्या कर ली. पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया. पूरे मामले में परिजनों की तरफ से पुलिस को आवेदन दिया गया है, जिसमें कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं.

रांची से बेतिया जा रही एंबुलेंस खड़े ट्रक से टकराई, शव ले जा रहे अटेंडेंट की मौत, तीन घायल

हजारीबाग, एजेंसी। ईरबा से बेतिया शव लेकर जा रही एक एबुलेंस की जोरदार टक्कर सोमवार रात एनएच-33 पर भारत माता चौक के समीप बायपास में हो गई। हादसा इतना दर्दनाक और भयानक था कि एंबुलेंस के परखच्चे उड़ गए। घटना ओवरटेक करने के चक्कर में खड़े ट्रक से टकरा जाने के कारण हुई। इस घटना में शव के साथ जा रहे अटेंडेंट सदरे आलम (55 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एंबुलेंस चालक समेत तीन अन्य लोग घायल हो गए।

घायलों को स्थानीय लोग और पुलिस की मदद से मेडिकल अस्पताल से ले जाया गया। जानकारी के मुताबिक, रांची के इरबा से बेतिया (बिहार) के लिए एक एंबुलेंस से 50 वर्षीय शाहिद अंसारी का शव ले जाया जा रहा था। एंबुलेंस में मृतक के परिजन सदरे आलम, मो. जमरूद्दीन, गुड्डू और चालक सवार थे। रात करीब 12 बजे भारत माता चौक के समीप एनएच-33 पर एक खड़े ट्रक में पीछे से एंबुलेंस की तेज टक्कर हो गई। इससे द्वड्डह्वद्यद्गठ्ठष्ड्ड के परखच्चे उड़ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सदरे आलम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक को लेकर फरार हो गया। मौके पर पहुंची मुफस्सिल थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज भेजा और घायलों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया। उपचार के बाद तीनों घायलों को बिहार रवाना कर दिया गया। थाना प्रभारी कुणाल किशोर ने बताया कि प्रारंभिक बयान में अज्ञात वाहन से टक्कर की बात कही गई थी, लेकिन मौके की स्थिति से प्रतीत होता है कि ओवरटेक के प्रयास में एंबुलेंस खड़े ट्रक से टकराई है।मामले की जांच की जा रही है। इधर, हादसे की सूचना मिलते ही मृतक सदरे आलम का भतीजा शाहबुद्दीन हजारीबाग पहुंचा। बताया कि वे अपने चाचा के शव को अंतिम संस्कार के लिए बेतिया ले जा रहे थे, लेकिन दुर्भाग्यवश इस यात्रा में एक और जीवन खत्म हो गया।

डर के साये में रह रहे मरीज... रिम्स के पेइंग व न्यूरो वार्ड की फॉल्स सीलिंग टूट कर गिरी, बाल-बाल बचे

रांची, एजेंसी। रिम्स की पुरानी बिल्डिंग में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। रिम्स प्रबंधन द्वारा पत्राचार के बाद भी सरकार व स्वास्थ्य विभाग इस ओर ध्यान नही दे रही है। नतीजन, हर दिन रिम्स के अलग-अलग वार्डों से केवल छज्जे, प्लास्टर ही नहीं, बल्कि फॉल सीलिंग तक टूटकर गिरने लगी है। अब तो पुराने बिल्डिंग के अधिकांश वार्ड में मरीज भर्ती रहकर इलाज कराने से डरने लगे हैं। सोमवार सुबह भी पेइंग वार्ड और न्यूरो वार्ड की फॉल सीलिंग टूटकर गिर गई।

जहां फॉल सीलिंग गिरी उससे थोड़े ही दूर में रोगी इलाजरत थे। इससे पहले भी करीब एक माह पूर्व

न्यूरोसर्जरी विभाग के आगे सीढ़ी के ऊपर का बड़ा हिस्सा टूटकर गिर गया था। इससे भी सीढ़ी चढ़ रहे लोग बाल-बाल बचे थे। इसकी जानकारी निदेशक ने पत्राचार कर विभाग को भी दी थी। बावजूद महीने भर से अधिक समय बीतने के बाद भी विभाग के कान में जूं तक नही रेंग रही है। विभाग शायद किसी बड़ी व अप्रिय घटना का इंतजार कर रही है।

निदेशक डॉ. राजकुमार ने रिम्स के री-डेवलपमेंट प्लान के पर विचार करते हुए मंत्री व सचिव से इंडोर की मरम्मत कार्य जल्द शुरू कराने का आग्रह की है। रिम्स के पुराने भवन की स्थिति चिंताजनक है। कई हिस्सों में छज्जे टूटकर नीचे गिर चुके हैं, तो कहीं उनका हिस्सा खतरनाक तरीके से लटका हुआ है।

दीवारों से प्लास्टर उखड़ रहा है और अंदर-बाहर सीलन ने संरचना को कमजोर बना दिया है। वार्ड और गलियारों की हालत इतनी खराब है कि सीढ़ियों की रेलिंग तक ढीली होकर निकल चुकी है। पूरी इमारत जर्जर हो चुकी है और कभी भी हादसे का कारण बन सकती है। यहां इलाज के लिए आने वाले मरीज और उनके परिजन लगातार जोखिम में रहते हैं, फिर भी अब तक मरम्मत या पुनर्निर्माण की कोई ठोस कार्रवाई

राहुल गांधी को आज चाईबासा के एमपी -एमएलए कोर्ट में लगानी होगी हाजिरी

रांची, एजेंसी। कांग्रेस नेता सह संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को 6 अगस्त को चाईबासा के एमपी-एमएलए कोर्ट में हाजिरी लगानी होगी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी करने के मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने उन्हें अदालत में सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है। राहुल गांधी की ओर से 2 जून को विशेष अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। अदालत ने उन्हें 26 जून को पेश होने का निर्देश दिया गया था। लेकिन राहुल गांधी के अधिवक्ता ने अदालत को सूचित किया कि उनके मुवक्किल उस दिन पेश नहीं हो पाएंगे। उनकी ओर से चाईबासा अदालत में 6 जून के बाद की तारीख देने का आग्रह किया गया था। अदालत ने इसे स्वीकार करते हुए 6 अगस्त की तिथि तय की है।

जामताड़ा में संदिग्ध हालात में मिला विवाहिता का शव, कमरे में खुद को किया था बंद

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा जिले के मिहिजाम थाना क्षेत्र के हांसीपहाड़ी इलाके में 19 वर्षीय विवाहिता पूजा यादव का शव उसके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। पूजा पश्चिम बंगाल के न्यू मार्केट इलाके की रहने वाली थी। 16 महीने पहले उसकी शादी हांसीपहाड़ी के रहने वाले रोहित यादव से हुई थी। पूजा का एक पांच महीने का बेटा भी है।

मृतका के पिता प्रेम सागर यादव ने बेटी की मौत को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पूजा की हत्या उसके पति और ससुराल वालों ने मिलकर की है। अब वे इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जब वे घटनास्थल पर पहुंचे, तब तक पूजा को फंदे से उतार लिया गया था। जिससे संदेह और भी गहरा हो गया।

बच्चों के मामूली झगड़े की अजीबोगरीब सजा, मैडम ने 15-20 पन्ने पर लिखवाई भद्दी गालियां

धनबाद, एजेंसी। शिक्षक बच्चों को उनकी गलतियों के लिए सजा देते हैं। आपने डंडे से पीटने, कान पकड़कर खड़ा करने और मुर्गे की तरह खड़ा करने जैसी सजाओं के बारे में सुना होगा। लेकिन शहर के सेंट मैरी चर्च स्कूल की दो महिला शिक्षकों ने मामूली झगड़े पर चौथी कक्षा के एक बच्चे को अजीबोगरीब सजा दे दी।

उससे 15-20 पन्ने की अश्लील गालियां लिखवाई गईं। साथ ही उसे गालियां लिखकर लाने का होमवर्क भी दिया गया। घटना को लेकर उसकी मां ने स्कूल प्रबंधन से शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

स्कूल प्रबंधन ने बताया कि उन्हें छुट्टियों के बाद अभिभावकों से मामले की जानकारी मिली। स्कूल प्रबंधन समिति को सूचित किया गया, जिस पर दोनों महिला शिक्षकों को तुरंत हटाने का आदेश दिया गया।

प्रिंसिपल ने कहा कि बच्चे की गाली देने की आदत सुधारने के लिए उसे बार-बार गालियां लिखवाई गईं। लेकिन सजा का यह तरीका बिल्कुल गलत है। उन्होंने इस मामले में बच्चे के अभिभावकों से माफी मांगी।

बच्चे की मां ने कहा, उन्होंने उसे गालियां लिखने का होमवर्क दिया था।

कुसुम विहार में रहने वाली बच्चे की माँ ने बताया कि सोमवार सुबह वह बच्चे को स्कूल छोड़कर गई थी। जब वह उसे लेने गई तो बच्चा डरा हुआ था। उसने बताया कि किसी बच्चे ने उसकी पीठ पर पागल लिखकर उस पर एक कागज़ फेंक दिया था। जब उसने शिकायत की, तो टीचर ने कहा कि यह तो तुम्हारी रोज की आदत है।

बाद में किसी ने टीचर से उसके गाली-गलौज करने की शिकायत की। उसने टीचर से कहा कि उसने गाली नहीं दी, अगर वह चाहे तो सीसीटीवी देख सकती है। बच्चे ने रोते हुए अपनी कॉपी माँ को दिखाई। कॉपी देखकर उसकी मां दंग रह गई। उसमें सिर्फ़ 15-20 पन्ने गालियाँ लिखी थीं। बच्चे ने बताया कि मैडम ने उससे गालियाँ लिखवाई थीं। उसकी माँ ने बताया कि उसे होमवर्क में भी गालियाँ लाने को कहा गया था।

पति की मौत मामले में सौतन पर लगाया हत्या का आरोप

धनबाद, एजेंसी। पटना जिला (बिहार) के फतुहा को-ऑपरेटिव कॉलोनी निवासी रंजना रंजन (38 वर्ष) ने अपने पति राकेश रंजन कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर सौतन पर हत्या का आरोप लगाया है. फतुहा थाना में दर्ज कराये बयान में रंजना ने कहा कि राकेश रंजन की दूसरी पत्नी गीता रानी ने उन्हें आयरन से जलाकर बेरहमी से पीटा, जिससे उनकी मौत हो गयी. इस मामले में फतुहा थाना में जीरो प्राथमिकी दर्ज की गयी और धनबाद थाना को भेज दिया गया. इसके आधार पर धनबाद थाना प्राथमिकी की प्रक्रिया कर रही है.

रंजना रंजन ने बताया कि उनकी शादी वर्ष 1999 में राकेश रंजन कुमार (पिता राम उचित प्रसाद, साकिन- बड़ी घोषी, थाना- हिलसा, जिला- नालंदा) के साथ हुई थी. उनके पांच बच्चे हैं. रंजना के अनुसार, चार बच्चों के जन्म के बाद राकेश का व्यवहार बदल गया था. वह छुपकर गीता रानी (पिता- राजकुमार पासवान, ग्राम- पपरनौसा, थाना- नूरसराय, जिला- नालंदा) से मिलते थे. उसकी पढ़ाई का खर्च उठाते थे. वर्ष 2014 में गीता रानी की केनरा बैंक, हीरापुर में क्लर्क पद पर नियुक्ति होने के बाद राकेश रंजन ने उससे शादी कर ली और धनबाद में ही रहने लगे. रंजना का आरोप है कि गीता रानी राकेश के साथ मारपीट करती थी. 16 जुलाई को राकेश ने अपनी मां को फोन कर बताया कि गीता रानी ने उन्हें आयरन से जलाकर दिया है. सूचना मिलने पर वह अपने जीजा के साथ धनबाद पहुंची तो देखा कि राकेश की हालत बेहद नाजुक है. किसी तरह वह उन्हें लेकर 19 जुलाई की रात धनबाद से पटना के लिए रवाना हुई. 20 जुलाई को पटना जंक्शन पहुंचते-पहुंचते राकेश की स्थिति खराब हो गयी और वह बेहोश हो गये. आइजीआइएमएस पटना ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

लाल-हरा मैत्री ने झारखंड अगल राज्य के लिए गोल्फ ग्राउंड से की थी आंदोलन की घोषणा

धनबाद, एजेंसी। झारखंड अलग राज्य के पुरोधा रहे बिनोद बिहारी महतो, एके राय और अब दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन हो गया है. अलग झारखंड राज्य आंदोलन के ये तीनों स्तंभ थे. इसी का परिणाम है कि झारखंड अलग राज्य बना. 60 के दशक में बिनोद बिहारी महतो, एके राय और शिबू सोरेन अलग-अलग आंदोलन कर रहे थे. इसी दौरान तीनों का संपर्क हुआ. रामलाल दा उर्फ पंचम प्रसाद बताते है कि 70 के दशक में बिनोद बिहारी महतो की मुलाकात हजारीबाग जेल में शिबू सोरेन से हुई थी. शिबू सोरेन से प्रभावित होकर उन्हें जेल से छुड़वाया. इसके बाद बिनोद बिहारी महतो, एके राय व शिबू सोरेन ने साथ में बैठक की. तय किया गया कि झारखंड अलग राज्य आंदोलन को अब व्यापक रूप देने का समय आ गया है.

झारखंड अलग राज्य के आंदोलन के लिए लाल व हरा मैत्री में चार फरवरी 1973 में गोल्फ ग्राउंड में सभा हुई थी. इसमें ग्रामीण, मजबूर, किसान अन्य शामिल हुए. भीड़ ने ही साफ कर दिया था कि झारखंड को अलग राज्य बनने से कोई रोक नहीं सकता है. इसी सभा से औपचारिक रूप से झारखंड अलग राज्य के आंदोलन की घोषणा की गयी थी. लाल-हरा मिल कर आंदोलन करने की घोषणा की गयी. इस सभा में मौजूद सभी ने हुंकार भरी थी. इसके बाद आंदोलन ने गति पकड़ी.

हरि प्रसाद पप्पू ने बताया कि एके राय ने झारखंड अगल राज्य के आंदोलन की बात रखी थी. इसके बाद बिनोद बिहारी महतो, एके राय और शिबू सोरेन ने कई बार मंथन किया. चार फरवरी 1973 को आंदोलन की घोषणा की गयी. इसकी गूंज छोटानागपुर व संताल तक फैली. 80 के दशक में सिद्धांतों और आपसी मतभेद के बाद शिबू सोरेन और बिनोद बिहारी महतो व एके राय अलग हो गये. अलग राज्य के लिए आंदोलन अपने-अपने स्तर पर चलता रहा. आंदोलन का परिणाम रहा कि आज झारखंड अलग राज्य है.

7 अगस्त तक बारिश का यलो अलर्ट : प्रदेश में 43 और रांची में 78प्रतिशत ज्यादा बारिश

रांची, एजेंसी। झारखंड के कई जिलों में फिलहाल बारिश होने की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग ने 4, 5, 6 और 7 अगस्त को अलर्ट जारी किया है। मौसम केंद्र रांची की रिपोर्ट के अनुसार, 7 अगस्त तक झारखंड के विभिन्न हिस्सों में मध्यम दर्जे की बारिश, गर्जन और तेज हवा चलने की संभावना है। हवा की रफ्तार 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। वहीं, वज्रपात की संभावना है। इधर, एक जून से 3 अगस्त तक झारखंड में पाकुड़ एक मात्र ऐसा जिला रहा है, जहां सामान्य से कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। यहां 520.9 एमएम बारिश हुई है, जो सामान्य से 16त्न कम है।

इधर, राज्य में अगले 5 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। 4 अगस्त को राज्य में कहीं-कहीं गरज और तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है। हवा की गति 30-40 किमी प्रतिघंटा रहने की संभावना है।

राज्य में मानसून सामान्य रहा। पिछले 24 घंटे में राज्य में अनेक स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। जबकि कहीं-कहीं पर भारी बारिश भी दर्ज की गई। सबसे अधिक बारिश 78.4 एमएम हजारीबाग में दर्ज की गई। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 36.3 डिग्री सेल्सियस सरायकेला में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.7 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज की गई। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में अब तक (एक जून से 3 अगस्त तक) 788.4 एमएम बारिश दर्ज हो चुकी है। जबकि इस अवधि में झारखंड में सामान्य बारिश 538.7 एमएम ही होती है। राज्य में अब तक सामान्य से 46प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। रांची में एक जून से 3 अगस्त तक 992 एमएम बारिश हो चुकी है। जो सामान्य से 78प्रतिशत अधिक है। झारखंड में सिर्फ एक जिला ऐसा हैं, जहां अब तक सामान्य से कम बारिश दर्ज हुई है। इसमें पाकुड़ जिला शामिल है।

एलिआये पर बना दुनिया का सबसे अकेला मकान

एलिआये नाम का एक छोटा सा आईलैंड है। जो आईसलैंड के दक्षिण में स्थित है। तस्वीर में दर्शाया गया ये मकान उसी आईलैंड पर है। इस आईलैंड पर ये इकलौता मकान है। इसकी खासियत ये है कि इसमें कोई भी नहीं रहता है। इसके अलावा यहां कोई दूसरा मकान मौजूद नहीं। कहा जाता है कि 18वीं और 19वीं सदी में कुछ लोग यहां रहा करते थे। मगर 1930 के आसपास से बेहतर जीवन की उम्मीद में लोग यहां से चले गए। माना जाता है कि ये मकान करीबन 100 सालों से वीरान है। इस मकान को बनाने के पीछे कई कहानियां बताई जाती है। कुछ लोगों का कहना है कि ये मकान किसी अरबपति ने बनवाया था। वास्तव में इसे एलिआये हंटिंग एसोसिएशन ने बनवाया था। संगठन से जुड़े लोग जब भी शिकार करने आते थे, तो वे इसी लॉज में ठहरते थे।

यहां लगता है साढे तीन साल का सूर्यग्रहण!

वैज्ञानिकों ने एक से तारे की खोज की है जहां साढे तीन वर्ष का सूर्यग्रहण लगता है। ये दो तारे हैं जो कि पृथ्वी से एक हजार प्रकाश वर्ष दूर स्थित हैं। विज्ञानियों ने टीवाइसी 2505-672-1 युगल तारों में सबसे लंबे तथा सर्वाधिक अवधि के बाद लगने वाले ग्रहण का पता लगाया है। यह शोध एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। वांडरबिल्ट विश्वविद्यालय के विज्ञानी जोए रोड्रिग्स ने अपने शोध में बताया कि दो विशेष खगोलीय पिंडों से यह खोज करना संभव हो पाया। वैज्ञानिकों का कहना है कि टीवाईसी बेहद दूर होने के कारण उसके चित्र आदि लेने की संभावनाएं बेहद सीमित रहीं। लेकिन वैज्ञानिकों ने सहयोगी सितारे का तापमान दर्ज कर लिया। इसके सहयोगी तारे का तापमान सूर्य की सतह से दो हजार डिग्री सेल्सियस अधिक था। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तरह का अगला ग्रहण 2080 में लगेगा। गौरतलब है कि इससे पहले सहयोगी तारे के कारण सबसे लंबे और अधिक अवधि के ग्रहण का रिकॉर्ड 27 वर्ष और 640 से 730 दिन का था जो कि एक अन्य विशाल तारे एप्सिलोन औरिगी के नाम था जो पृथ्वी से 22 सौ प्रकाश वर्ष दूर तथा बेहद चमकीला है।

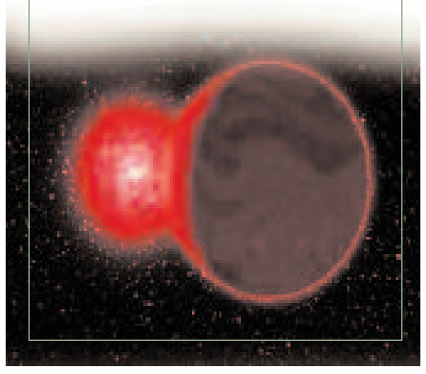

दुनिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर में छिपे हैं कई गहरे राज

दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर भारत में नहीं बल्कि कंबोडिया देश में है। इस मंदिर अंकोरवाट मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर की बनावट अद्भुत है, जिसकी वजह से यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थलों में शामिल किया हुआ है। आइए जानते हैं इस मंदिर की खास बातें और इतिहास...

यशोधरपुर था पहले इस मंदिर का नाम

हिंदू धर्म सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। इसकी पुरातन संस्कृति की झलक पूरी दुनिया में दिखती है। यही कारण है कि इस धर्म के प्रतीक, अवशेष, चिन्ह यहां तक प्राचीन मंदिर विदेशों में भी मिलते हैं। इन्हीं प्राचीन मंदिरों में से एक है कंबोडिया का अंकोरवाट मंदिर। यह एक हिंदू मंदिर है। 402 एकड़ में फैला यह मंदिर कंबोडिया के अंकोर में है। प्राचीन समय में इस मंदिर का नाम यशोधरपुर था। बताया जाता है कि इसका निर्माण सम्राट सूर्यवर्मन द्वितीय (1112-53 ई) के शासनकाल में हुआ था। खमेर शास्त्रीय शैली से प्रभावित है यहां का खमेर शास्त्रीय शैली से प्रभावित स्थापत्य वाले इस विष्णु मंदिर का निर्माण कार्य सूर्यवर्मन द्वितीय ने प्रारंभ जरूर किया, लेकिन वे इसे पूरा नहीं कर सके। मंदिर का कार्य उनके भांजे व उत्तराधिकारी धरणीन्द्रवर्मन के शासनकाल में पूरा हुआ। मिश्र व मैक्सिको के स्टेप पिरामिडों की तरह यह सीढ़ी पर उठता गया है। इसका मूल शिखर लगभग 64 मीटर ऊंचा है। इसके अतिरिक्त अन्य सभी आठों शिखर 54 मीटर ऊंचे हैं। मंदिर साढ़े तीन किलोमीटर लंबी पत्थर की दीवार से घिरा हुआ था, उसके बाहर 30 मीटर खुली भूमि और फिर बाहर 190 मीटर चौड़ी खाई है। विद्वानों के अनुसार, यह चोल वंश के मंदिरों से मिलता-जुलता है।

इस मंदिर में स्थापित हैं भगवान विष्णु

इस मंदिर की रक्षा के लिए चारों तरफ खाई बनवाई गई, जिसकी चौड़ाई लगभग 700 फुट है। दूर से यह खाई झील की तरह दिखती है। मंदिर के पश्चिम की ओर इस खाई को पार करने के लिए एक पुल बना हुआ है। पुल के पार मंदिर में प्रवेश के लिए एक विशाल द्वार है, जो लगभग 1,000 फुट चौड़ा है। अंकोरवाट यहां का एक अकेला ऐसा स्थान है, जिसमें ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों की मूर्तियां एक साथ हैं। अंगकोरवाट मंदिर की खासियत है कि विष्णु भगवान का यह दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर है। कंबोडिया के मीकांग नदी के किनारे सिमरिप शहर में स्थापित इस मंदिर के प्रति वहां के लोगों में अपार श्रद्धा है। यही वजह है कि इस मंदिर को राष्ट्र के लिए सम्मान का प्रतीक माना जाता है और इसे कंबोडिया के राष्ट्रध्वज में भी स्थान दिया गया है। यह मंदिर मेरु पर्वत का भी प्रतीक है।

दीवारों पर उकेरे गए हैं हिंदू धर्म से जुड़े प्रसंग

यह मंदिर सनातन संस्कृति का साक्ष्य है। इसकी दीवारों पर हिंदू धर्मग्रंथों के प्रसंगों का अद्भुत चित्रण है। आप यहां अप्सराओं का सुंदर चित्र देख सकते हैं। यहां तक कि असुरों और देवताओं के बीच हुए समुद्र मंथन के दृश्य को भी बड़े ही सुंदरता से उकेरा गया है।

यूनेस्को के विश्व धरोहरों में से एक है यह मंदिर

अंकोरवाट मंदिर विश्व के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है। यही कारण है कि इसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थलों में शामिल किया हुआ है। यहां लोगों को वास्तुशास्त्र का अनोखा स्वरूप देखने को मिलता है। पर्यटक यहां सिर्फ मंदिर की खूबसूरती और इतिहास जानने ही नहीं आते, बल्कि यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त देखने का अनुभव भी असाधारण होता है। सनातन धर्म के लोग इसे पवित्र तीर्थस्थान मानते हैं।

भारतीय गुप्त कला की दिखती है झलक

इस विशाल मंदिर की दीवारों पर रामायण की कथाएं मूर्तियों में दर्शायी गई हैं। ऐसा लगता है कि विदेशों में जाकर भी प्रवासी कलाकारों ने भारतीय कला को जीवित रखा था। मंदिर में की गई कलाकारी को देखकर लगता है कि यह भारतीय गुप्त कला से प्रभावित है। यहां के मंदिरों में तोरण द्वार और अलंकृति शिखर दिखते हैं।

मंदिर पर बौद्ध धर्म का भी पड़ा असर

अंगकोरवात के हिंदू मंदिरों पर बाद में बौद्ध धर्म का गहरा प्रभाव पड़ा। कालांतर में उनमें बौद्ध भिक्षुओं ने निवास भी किया था। इस क्षेत्र में 20वीं सदी की शुरुआत में जो पुरातात्विक खुदाई हुई हैं, उनसे ख्मेर के धार्मिक विश्वासों, कलाकृतियों और भारतीय परंपराओं की प्रवासात परिस्थितियों पर बहुत प्रकाश पड़ा है। यहां हर साल हजारों पर्यटक आते हैं।

एक करोड़ चट्टानों से बना है मंदिर

अंकोरवाट मंदिर की दीवारों पर मूर्तियों में पूरी रामायण अंकित है। मीकांग नदी के किनारे बना यह मंदिर आज भी संसार का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है जो सैकड़ों वर्ग मील में फैला है।

12वीं शताब्दी के अंकोरवाट मंदिर को चूना पत्थर की विशाल चट्टानों से कुछ ही दशकों में बना लिया गया था। डेढ़ टन से ज्यादा वजन वाली ये चट्टानें बहुत दूर से लाई जाती थीं। सैकड़ों किलोमीटर दूर से विशाल चट्टानों को लाना तब असंभव सा था। तत्कालीन हिंदू राजा ने मंदिर के लिए करीब स्थित माउंट कुलेन से चट्टानें लाने में भूमिगत नहरों की मदद ली। नावों में लादकर ये चट्टानें पहुंचाई गई।

12वीं सदी का यह मंदिर करीब एक करोड़ चट्टानों से बना है। भूगर्भशास्त्रियों के अनुसार इस मंदिर को सिर्फ एक राजा के शासनकाल में तैयार कर लिया गया था। उन दिनों दक्षिण-पूर्वी एशिया में सर्वाधिक प्रभावशाली और समृद्ध रहा खमेर साम्राज्य आधुनिक लाओस से लेकर थाईलैंड, वियतनाम, बर्मा और मलेशिया तक फैला था।पुरावेत्ताओं ने अंकोरवॉट मंदिर के गुम हो जाने और आसपास घने जंगलों में खो जाने के कारणों पर काफी अध्ययन किए हैं। ताजा शोध में वैज्ञानिकों ने इस क्षेत्र का उपग्रह चित्र लिया, जिसमें पाया कि पूरा इलाका प्राचीन भूमिगत नहरों से जुड़ा है। शायद इसलिए हजारों किलोमीटर दूर से इन नहरों के जरिए कम से कम समय में चूना पत्थरों को मंदिर निर्माण के लिए लाया गया होगा। खमेर साम्राज्य के लोग धान की खेती करते थे। वे खेती को इस हद तक बढ़ावा देने लगे कि पर्वत के पेड़ काटकर वहां भी धान बोने लगे। युद्धों से तो खामेर साम्राज्य सिमट ही रहा था, प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के नाते वह प्राकृतिक विनाश का भी शिकार बना। और अंकोरवाट मंदिर कहीं खो गया जिसे बाद में घने जंगलों के बीच 16वीं शताब्दी में फिर खोजा जा सका।

दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल

अंकोरवाट कंबोडिया में दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्मारक है, जो करीब 162.6 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है। यह मूल रूप से खमेर साम्राज्य में भगवान विष्णु के एक हिंदू मंदिर के रूप में बनाया गया था। मीकांग नदी के किनारे सिमरिप शहर में बना यह मंदिर आज भी संसार का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है जो सैकड़ों वर्ग मील में फैला हुआ है। यह मन्दिर मेरु पर्वत का भी प्रतीक है। इसकी दीवारों पर भारतीय धर्म ग्रंथों के प्रसंगों का चित्रण है। इन प्रसंगों में अप्सराएं बहुत सुंदर चित्रित की गई हैं, असुरों और देवताओं के बीच समुद्र मन्थन का दृश्य भी दिखाया गया है। सनातन धर्म को मानने वाले इसे अपना पवित्र तीर्थस्थान मानते हैं।

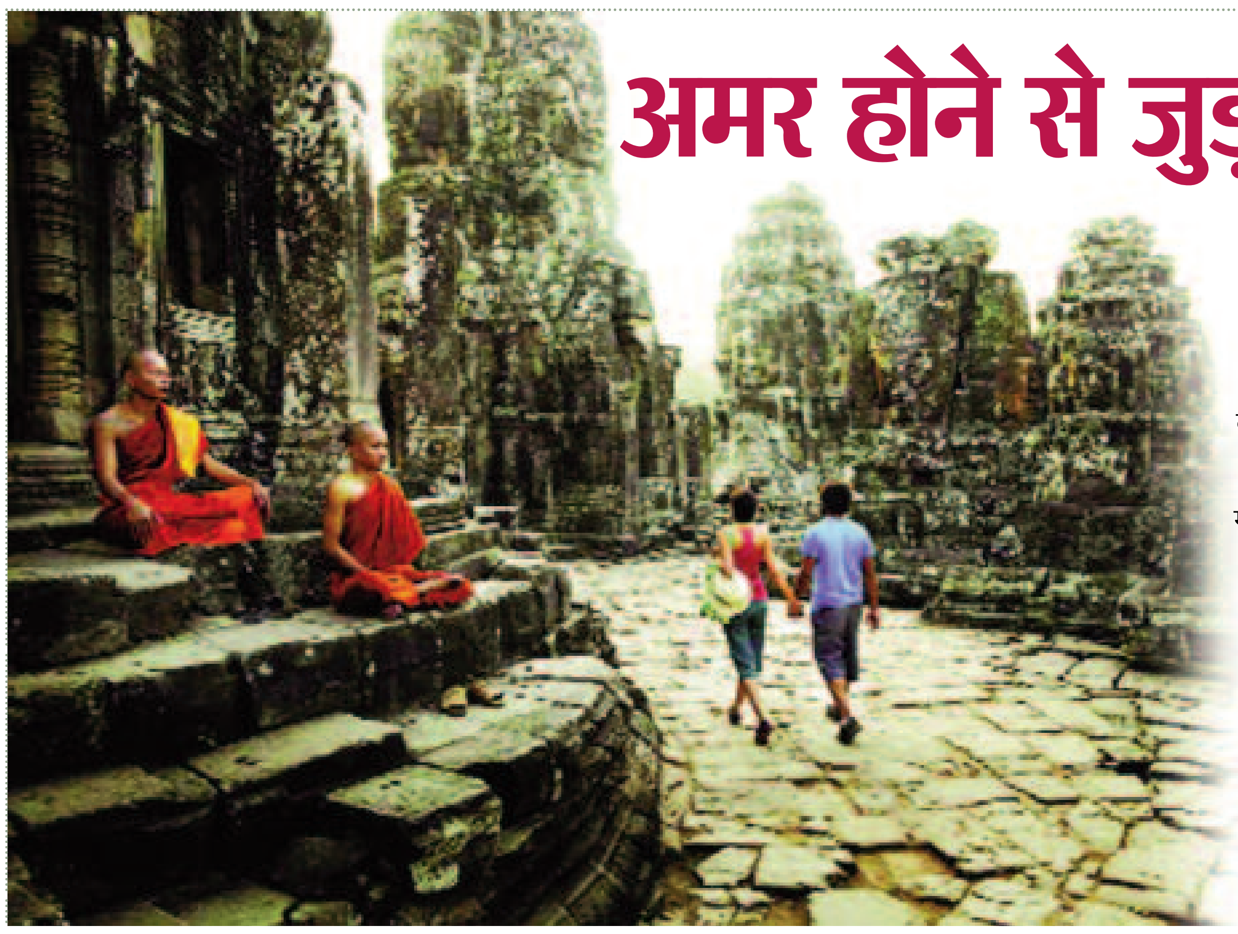

अमर होने से जुड़ी है इसके निर्माण की कहानी

हिंदू धर्म भारत का सबसे बड़ा और मूल धार्मिक समूह है। यहां की लगभग 80 फीसदी जनसंख्या हिंदू धर्म को मानती है और यही वजह है कि भारत में अनेक हिंदू मंदिर हैं। शायद ही देश का ऐसा कोई भी शहर या गांव होगा, जहां कोई मंदिर न हो। लेकिन इसके बावजूद आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर भारत में नहीं बल्कि कंबोडिया में है। इस मंदिर का नाम है अंकोरवाट मंदिर। यह मंदिर कंबोडिया के अंकोर में है, जिसका पुराना नाम यशोधरपुर था। इसका निर्माण 12वीं सदी में खामेर वंश के सम्राट सूर्यवर्मन द्वितीय के शासनकाल में हुआ था। खास बात ये है कि यह एक विष्णु मंदिर है जबकि यहां के पूर्ववर्ती शासकों ने प्राय- शिव मंदिरों का ही निर्माण कराया था।

402 एकड़ में फैले इस मंदिर की दीवारों पर भारतीय धर्म ग्रंथों के प्रसंगों का चित्रण है। इन प्रसंगों में अप्सराएं बहुत सुंदर चित्रित की गई हैं। इसके अलावा यहां समुद्र मंथन का दृश्य भी दिखाया गया है।

विश्व के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक होने के साथ ही यह मंदिर यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों में से एक है। पर्यटक यहां केवल वास्तुशास्त्र का अनुपम सौंदर्य देखने ही नहीं आते बल्कि यहां का सूर्योदय और सूर्यास्त देखने भी आते हैं।

इस मंदिर की खासियत ये है कि इसका मुख्य द्वार पश्चिम दिशा में स्थित है, जबकि सभी प्रमुख हिंदू तीर्थों और मंदिरों के द्वार पूर्व दिशा में होते हैं। सूर्यास्त के समय ऐसा लगता है जैसे यह मंदिर सूर्यदेव को नमन कर रहा हो। ढलते सूरज की रोशनी में इस मंदिर की सुंदरता को देखते बनती है।

कहते हैं कि राजा सूर्यवर्मन हिंदू देवी-देवताओं से नजदीकी बढ़ाकर अमर होना चाहते थे। इसलिए उन्होंने अपने लिए एक विशिष्ट पूजा स्थल बनवाया, जिसमें ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों की ही पूजा होती थी। आज यही मंदिर अंगकोर वाट के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर के बारे में यह भी कहा जाता है कि स्वयं देवराज इन्द्र ने महल के तौर पर अपने बेटे के लिए इस मंदिर का निर्माण करवाया था।

इस मंदिर की रक्षा के लिए एक चतुर्दिक खाई का भी निर्माण कराया गया था, जिसकी चौड़ाई लगभग 700 फुट है। दूर से यह खाई किसी झील की तरह दिखती है। मंदिर के पश्चिम की ओर इस खाई को पार करने के लिए एक पुल बना हुआ है। पुल के पार मंदिर में प्रवेश के लिए एक विशाल द्वार निर्मित है, जो लगभग 1,000 फुट चौड़ा है। मंदिर की दीवारों पर समस्त रामायण मूर्तियों में अंकित है।

इस मंदिर का इतिहास बौद्ध और हिंदू दोनों ही धर्मों से बहुत निकटता से जुड़ा है। यह मंदिर मूल रूप से हिंदू धर्म से जुड़ा पवित्र स्थल है, जिसे बाद में बौद्ध रूप दे दिया गया, लेकिन आज भी हिंदू और बौद्ध धर्म के अनुयायी समान रूप से इस मंदिर में आस्था रखते हैं।

यह मंदिर मेरु पर्वत का भी प्रतीक है। दरअसल, हिंदू धर्म में मेरु पर्वत को भगवान ब्रह्मा सहित अनेक देवताओं का निवास स्थान माना जाता है। चूंकि यह मंदिर कंबोडिया की पहचान रहा है, इसलिए इस मंदिर की तस्वीर कंबोडिया के राष्ट्रीय ध्वज पर भी दिखती है।

राजीव आनंद को इंडसइंड बैंक का नया एंडी और सीईओ बनाया

मुंबई, एजेंसी। बैंकिंग सेक्टर के नियामक भारतीय रिजर्व बैंक ने इंडसइंड बैंक के नएएमडी सीईओ के नाम पर मुहर लगा दी है। चार्टर्ड अकाउंटेंट राजीव आनंद अब इंडसइंड बैंक के नए एमडी सीईओ होंगे। बैंक ने बीते सोमवार की शाम को ही स्टॉक एक्सचेंज को यह जानकारी दे दी है। वह आगामी 25 अगस्त से अपना पदभार संभालेंगे। वह इस पद पर

तीन साल तक यानी कि 24 अगस्त 2028 तक बने रहेंगे। हालांकि, उनकी नियुक्ति तभी प्रभावी होगी जबकि इस फैसले पर बैंक के शेयरहोल्डर्स की अनुमति मिल जाएगी।

तीन व्यक्ति का आया था नाम– इंडसइंड बैंक के इस पद के लिए बैंक बोर्ड ने दो और लोगों के नाम पर विचार किया था। इनमें बजाज फाइनेंस के अनूप साहा और एचडीएफसी बैंक के राहुल शुक्ला का नाम भी शामिल था। लेकिन आखिर में राजीव आनंद को चुना गया।

कॉमर्स में ग्रेजुएशन और...

राजीव आनंद एक चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। इससे पहले, उन्होंने कॉमर्स में ग्रेजुएशन किया। उनके पास वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में 35 साल से ज्यादा समय तक काम करने का अनुभव है। उन्होंने एसेट मैनेजमेंट, रिटेल बैंकिंग और होलसेल बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में काम किया है।

इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देने के मामले में दिल्ली सबसे आगे

● चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के हरियाणा नंबर 1

नई दिल्ली,एजेंसी। इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देने में दिल्ली, महाराष्ट्र और चंडीगढ़ देश में सबसे आगे चल रहे हैं। नीति आयोग की ओर से सोमवार जारी पहले इंडिया इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इंडेक्स में ये तीनों राज्य बाकियों से आगे रहे। कर्नाटक, तमिलनाडु और हरियाणा

का प्रदर्शन भी बाकियों से अच्छा माना गया। अपनी तरह के इस पहले इंडेक्स में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में श्वङ्क से जुड़े नियमों, नीतियों और इंफ्रा डिवेलपमेंट के 16 पैमानों पर तौला गया और 100 तक के स्कोर में इनकी रैंकिंग की गई। खासतौर से लोगों के ईवी को अपनाने में मददगार ट्रांसपोर्ट इलेक्ट्रिफिकेशन की प्रगति, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति और श्वङ्क रिसर्च एंड इनोवेशन को तवज्जो दी गई।

इंडेक्स के मुताबिक, दिल्ली (77), महाराष्ट्र (68) और चंडीगढ़ (65) को 'फ्रंटरनर' माना गया। इनके बाद कर्नाटक (64), तमिलनाडु (59) और हरियाणा (54) को 'परफॉर्मर' कैटिगरी में रखा गया है। बाकी राज्य 'एस्पिरेंट' कैटिगरी में हैं। ट्रांसपोर्ट इलेक्ट्रिफिकेशन में चंडीगढ़, दिल्ली और महाराष्ट्र सबसे आगे पाए गए हैं। इनके बाद परफॉर्मर कैटिगरी में छत्तीसगढ़, यूपी, ओडिशा और गोवा हैं।

● **अंबानी से बड़ा रईस!** नोएडा में 20 साल के लड़के के अकाउंट में आई भारी रकम

गिनते-गिनते थक गए लोग

नई दिल्ली,एजेंसी। राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा में 20 साल के एक लड़के के बैंक खाते में अचानक बहुत सारे पैसे आ गए। यह रकम इतनी बड़ी थी कि इसे गिनना भी मुश्किल है। यह रकम इतनी बड़ी है कि इसमें 37 अंक हैं। लोगों का कहना है कि दीपक नाम का यह लड़का भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी से भी बड़ा सेठ हो गया है। उसके खाते में 1.13 लाख करोड़ आए हैं। जैसे ही यह खबर फैली, दीपक के पास रिश्तेदारों, दोस्तों और पड़ोसियों के फोन आने लगे। इतने सारे लोगों के फोन आने से दीपक परेशान हो गया और उसने अपना फोन बंद कर दिया।

क्या था मैसेज

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह अकाउंट दीपक की मां गायत्री देवी का था, जिनका दो महीने पहले निधन हो गया था। दीपक इस अकाउंट को चला रहा था। 3 अगस्त की रात को दीपक को एक मैसेज मिला। मैसेज में दिखाया गया कि उसके खाते में 1.13 लाख करोड़ (1,13,56,000 करोड़) जमा हुए हैं। इससे दीपक घबरा गया। उसने अपने दोस्तों को मैसेज दिखाया और उनसे जीरो गिनने को कहा।

यूजर्स ने किए मजेदार कमेंट

अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या ये कोई तकनीकी गलती थी या बैंक की कोई खराबी थी या फिर ये पैसे की हेराफेरी का मामला है। उनका कहना है कि असली बात जांच के बाद ही पता चलेगी। कई लोगों को इस बात पर विश्वास नहीं हो रहा है। एक यूजर ने लिखा, यह संभव नहीं है। यह सिर्फ बैंक के सॉफ्टवेयर में कोई गलती है या मैनुअल एंट्री में कोई गलती है। एक और यूजर ने मजाक करते हुए कहा कि 20 साल का लड़का अब अंबानी से भी अमीर है। एक व्यक्ति ने तो रकम गिनने की भी कोशिश की। उसने कहा, एक सौ क्विंटिलियन, एक सौ पैंतीस क्वाड्रिलियन, छह सौ ट्रिलियन, दस मिलियन, तेईस हजार, पांच सौ साठ और दो सौ निन्यानबे। एक अन्य यूजर ने लिखा, किसी के अच्छे दिन आए या नहीं आए लेकिन भाई के तो अच्छे दिन आ गए हैं। इन्हें मोदी जी को धन्यवाद कहना चाहिए।

जियो-ब्लैकरॉक ने लॉन्च किए 5 नए इंडेक्स फंड्स

नई दिल्ली,एजेंसी। रिलायंस की जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और ग्लोबल इन्वेस्टमेंट दिग्गज ब्लैकरॉक की जॉइंट वेंचर जियो-ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट ने आज पहली बार 5 नए इंडेक्स फंड्स लॉन्च किए हैं। यह न्यू फंड ऑफर के तहत 5 से 12 अगस्त 2025 तक खुला रहेगा। कंपनी ने यह जानकारी एक प्रेस रीलीज के जरिए दी है।

क्यों है ये खास – हर तरह के निवेशकों के लिए- शुरुआती हों या अनुभवी, सभी को भारतीय बाजारों में निवेश का आसान रास्ता मिलेगा। कम लागत, ज्यादा पारदर्शिता- इंडेक्स फंड्स शेयर बाजार के सूचकांकों की नकल करते हैं, इसलिए इनका खर्च कम और निवेश विश्वसनीय होता है।

पूरी तरह डिजिटल– इन फंड्स में जियोफाइनेंस ऐप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स (जैसे ग्रो, कुवेर) के जरिए निवेश किया जा सकता है। जियो–ब्लैकरॉक के सिद्ध स्वामीनाथन के मुताबिक, हम भारत में निवेश को सभी के लिए सुलभ बनाना चाहते हैं। इसलिए निवेश की समझाने के लिए हम एजुकेशनल कॉन्टेंट भी लॉन्च करेंगे।

कहां–कहां मिलेंगे ये फंड्स –ये फंड जियोफाइनेंस ऐप तक ही सीमित नहीं हैं। इन्हें भारत के टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर भी इन्वेस्ट किया जा सकेगा, जिससे हर निवेशक को आसानी होगी। ग्रो जेरोधा, पेटीएम मनी इंडमनी, धन, कुवेरा पर ये फंड उपलब्ध हैं। ये फंड सेबी–रजिस्टर्ड अन्य इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म्स पर भी उपलब्ध हैं।

खुलते ही पूरा भर गया हाईवे इन्फ्रास्ट्रक्चर का आईपीओ

पहले दिन 11 गुना सब्सक्राइब

नई दिल्ली,एजेंसी। टोल सर्विस प्रोवाइड करने वली कंपनी हाईवे इन्फ्रास्ट्रक्चर का आईपीओ आज, मंगलवार 5 अगस्त से निवेश के लिए ओपन हो गया। यह आईपीओ 7 अगस्त को समाप्त होगा। कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए 65–70 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। बता दें कि यह आईपीओ खुलते ही ओवरसब्सक्राइब हो गया। बोली प्रक्रिया के पहले दिन हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर के आईपीओ को अब तक 11 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। सिर्फ एक घंटे से भी कम समय में, खुदरा निवेशकों का हिस्सा 7.77 गुना, एनआईआई का हिस्सा 5.63 गुना और क्यूआईबी का हिस्सा 0.89 गुना बुक हो गया। ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 40 प्रीमियम पर उपलब्ध हैं। इसका मतलब है कि यह शेयर लिस्टिंग पर 58 प्रतिशत तक का मुनाफा करा सकता है।

कंपनी का लक्ष्य– मध्य प्रदेश स्थित इस कंपनी का लक्ष्य नए निर्गम के जरिए 97.52 करोड़ और 46.4 लाख शेयरों की बिक्री के ज़रिए 32.48 करोड़ अतिरिक्त जुटाना है। प्रमोटर्स बिक्री पेशकश के तहत शेयर बेचने की योजना बना रहे हैं। इंफ्रा डेवलपमेंट और मैनेजमेंट फोकस्ड कंपनी टोल संग्रह, ईपीसी बुनियादी ढांचे और रियल एस्टेट में कार्यरत है। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त राशि में से 65 करोड़ कार्यशील पूंजी की जरूरतों के लिए आवंटित करने का इरादा रखती है, जबकि बाकी राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

क्या है अन्य डिटेल

वित्त वर्ष 2025 के अंत तक, इसकी समेकित ऑर्डर बुक कुल 666.3 करोड़ थी, जिसमें टोल संग्रह खंड से 59.53 करोड़ और ईपीसी अवसंरचना क्षेत्र से 606.8 करोड़ शामिल थे। वित्त वर्ष 2025 में टोल संग्रह खंड से इसके राजस्व का 77 प्रतिशत हिस्सा आया, जबकि ईपीसी अवसंरचना खंड से 21 प्रतिशत राजस्व प्राप्त हुआ। वित्त वर्ष 2023 और 2025 के बीच, परिचालन से राजस्व 4.36 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर 495.7 करोड़ हो गया, जबकि इसी अवधि के दौरान लाभ 27.4 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर वित्त वर्ष 25 में प्रतिशत22.4 करोड़ हो गया।

केंद्रीय कर्मचारियों को मिलेगी बड़ी खुशखबरी

3 प्रतिशत बढ़ेगा डीए!

नई दिल्ली,एजेंसी। एक करोड़ से अधिक केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए अच्छी खबर है। खबर है कि जुलाई-दिसंबर के लिए महंगाई भत्ते (डीए) की घोषणा दिवाली के आसपास की जाएगी। डीए में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। इस तरह डीए मौजूदा 55 प्रतिशत से बढ़कर 58 प्रतिशत हो जाएगा। बता दें कि जनवरी 2025 में सरकार ने ष्ठ में सिर्फ 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की, जिससे यह 53 प्रतिशत से बढ़कर 55 प्रतिशत हो गया। उस समय कर्मचारियों में थोड़ी निराशा भी देखी गई थी, क्योंकि उम्मीदें इससे कहीं अधिक थीं।

पिछले 12 महीनों के मुद्रास्फीति के आंकड़ों और सूत्र-आधारित गणना के आधार पर डीए को साल में दो बार (हर छह महीने में) संशोधित किया जाता है। श्रम ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, जून 2025 के लिए अखिल भारतीय सीपीआई-आईडब्ल्यू 1 अंक बढ़कर

145 पर रहा। बता दें कि श्रम ब्यूरो ने हाल ही में जून 2025 के लिए औद्योगिक श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जारी किया है, जो 145 था। इसके साथ ही, जुलाई 2024 और जून 2025 के बीच 12 महीनों का औसत सूचकांक 143.6 हो गया है।

डीए बढ़ोतरी की घोषणा कब होगी

हालांकि नया डीए 1 जुलाई, 2025 से प्रभावी माना जाएगा, लेकिन केंद्र सरकार आमतौर पर त्योहारों से ठीक पहले सितंबर या अक्टूबर में इसकी घोषणा करती है। इस बार भी, डीए/डीआर बढ़ोतरी की औपचारिक घोषणा दिवाली के आसपास की जा सकती है ।जुलाई–दिसंबर 2025 में होने वाली यह महंगाई भत्ते की बढ़ोतरी, 7वें वेतन आयोग (7वें वेतन आयोग) के तहत निर्धारित अंतिम बढ़ोतरी होगी, क्योंकि इस आयोग का कार्यकाल 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त हो रहा है।

क्रेडिट कार्ड से कैश निकालने पर गिरता है क्रेडिट स्कोर?

नई दिल्ली,एजेंसी। क्रेडिट कार्ड का एटीएम से कैश निकालना आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए साइलेंट किलर साबित हो सकता है! आइए समझते हैं क्योंकि, कैश एडवांस के 3 बड़े नुकसान हैं। पहला ब्याज का, दूसरा क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेश्यो बिगड़ता है और तीसरा लोन लेना मुश्किल हो सकता है। पर्चेजेज पर 45-50 दिनों की इंटरेस्ट-फ्री पीरियड मिलती है, लेकिन कैश एडवांस पर ब्याज तुरंत लगता है (अक्सर 2-3.5 प्रतिशत प्रति माह)।उदाहरण के साथ ऐसे समझें। मान लीजिए आपने 20,000 कैश निकाला। 1 महीने में 700 अतिरिक्त ब्याज लग जाता है।

क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेश्यो बिगड़ता है- अगर आपका कुल क्रेडिट लिमिट 1 लाख है और आप 30,000 कैश निकालते हैं, तो सीयूआर 30 प्रतिशत हो जाता है (30 प्रतिशत से ऊपर सीयूआर स्कोर गिराता है)।

क्रेडिट स्कोर पर कैसे पड़ता है असर

अगर समय पर भुगतान नहीं तो भारी नुकसान। स्कोर 50–100 पॉइंट तक गिर सकता है। हाई क्रेडिट यूज यानी सीयूआर बढ़ने से स्कोर में 10–30 पॉइंट की कमी। बार–बार कैश निकालने से लेंडर्स आपको हाई–रिस्क प्रोफाइल मान सकते हैं। कैश एडवांस सिर्फ लाइफ–डेथ सिचुएशन में यूज करें। नियमित तौर पर इस्तेमाल करने पर कर्ज का जाल फैल सकता है।

बीईएमएल लिमिटेड को मिला रक्षा मंत्रालय से 282 करोड़ रुपये का काम

नई दिल्ली,एजेंसी। बीईएमएल लिमिटेड को डिफेंस मिनिस्ट्री से काम मिला है। कंपनी को 282 करोड़ रुपये का काम मिला है। डिफेंस मिनिस्ट्री ने 8×8 हाई मोबिलिटी व्हीकल्स का काम मिला है। बीईएमएल लिमिटेड के शेयर 4040 रुपये के लेवल पर आज खुला है। कंपनी के शेयरों का भाव दिन में 4058.40 रुपये के इंट्रा–डे हाई पर पहुंच गया है। बता दें, कंपनी के शेयरों में उठापटक का दौर आज जारी है। बीते 3 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 23 प्रतिशत की तेजी इस सरकारी कंपनी के शेयरों में देखने को मिली। कंपनी के शेयरों का भाव 6 महीने में 17 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है।

मार्च तिमाही में कैसा रहा है प्रदर्शन– बीईएमएल ने दी जानकारी में बताया है कि मार्च तिमाही के दौरान उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। कंपनी का नेट प्रॉफिट 287.50 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली थी।

टाटा की दिग्गज कंपनी में तूफानी तेजी

10 टुकड़े में बांट रही है अपना शेयर

नई दिल्ली,एजेंसी। टाटा ग्रुप की दिग्गज कंपनी टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर मंगलवार को रॉकेट सा उड़ गए हैं। टाटा इनवेस्टमेंट के शेयर मंगलवार को बीएसई में 7 पर्सेंट से अधिक चढ़कर 7625 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

कंपनी ने सोमवार को अपने पहले स्टॉक स्प्लिट (शेयर के बंटवारे) की घोषणा की है। टाटा इनवेस्टमेंट अपने शेयर को 1:10 के रेशियो में बांट रही है। यानी, कंपनी अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांटेगी। कंपनी ने अभी शेयर के बंटवारे की रिकॉर्ड डेट की घोषणा नहीं की है।

पहली तिमाही में 146 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में टैक्स भुगतान के बाद 146.30 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड मुनाफा हुआ है। सालाना आधार पर कंपनी का मुनाफा 11.6 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 131.07 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। टाटा ग्रुप की यह कंपनी पहली बार अपने शेयर का बंटवारा कर रही है। हालांकि, कंपनी साल 2005 में अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा दे चुकी है। कंपनी ने साल 2005 में अपने निवेशकों को 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर दिए।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

डीएचएफएल के प्रमोटर धीरज वधावन की मेडिकल जमानत रद्द, जेल में होगा इलाज

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आज, 5 अगस्त 2025 को एक अहम फैसला सुनाया। डीएचएफएलकंपनी के प्रमोटर धीरज वधावन को मिली मेडिकल जमानत रद्द कर दी है। यह जमानत करोड़ों रुपये के बैंक ऋण घोटाले के मामले में दी गई थी। कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के पिछले आदेश को पलटते हुए धीरज को दो हफ्ते के अंदर जेल वापस लौटने का आदेश दिया।

जेल में मिलेगी विशेष देखभाल– द इकनॉमिक टाइम्स की खबर के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने जेल प्रशासन और सीबीआई को निर्देश दिया कि वे धीरज वधावन की सेहत का पूरा ख्याल रखें। इसके लिए पहले ही 11 डॉक्टरों की एक मेडिकल बोर्ड बनाई गई थी, जिसकी सिफारिशों के मुताबिक उन्हें जेल में ही विशेष इलाज मुहैया कराया जाएगा।

क्यों रद्द हुई जमानत –दरअसल, धीरज वधावन ने हाईकोर्ट में दलील दी थी कि उनकी गंभीर बीमारियों का जेल में ठीक से इलाज नहीं हो पाएगा, लेकिन इस साल जुलाई में डॉक्टरों की टीम ने अपनी रिपोर्ट में साफ किया कि उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, धीरज को बस नियमित दवाएं, चेकअप और फिजियोथेरेपी की जरूरत है, जो जेल में भी दी जा सकती है। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया।

324 से टूटकर 3 पर आ गया शेयर

अब कंपनी खरीदने की रेस में अडानी

●**नई दिल्ली,एजेंसी।** जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर में आज 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा और यह शेयर 3.29 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया। बता दें कि दिवालिया प्रोसेस से गुजर

रही कंपनी के शेयर पिछले पांच दिन में 5 प्रतिशत और महीने भर में 4 प्रतिशत तक चढ़े हैं। हालांकि, इस साल अब तक इसमें 45 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, लंबी अवधि में कंपनी के शेयर 324 रुपये (4 जनवरी 2008 का बंद प्राइस) से 99 प्रतिशत तक टूट गए हैं।

● **कंपनी खरीदने की रेस में अडानी!–** बता दें कि हाल ही में अडानी समूह ने जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से अनुमति मांगी। यह घटनाक्रम तब सामने आया जब अरबपति कारोबारी गौतम अडानी के समूह ने कथित तौर पर कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के लिए बिना शर्त बोली लगाई। जेएएल कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) से गुजर रही है। सीसीआई के समक्ष दायर एक नोटिस के अनुसार, ''प्रस्तावित संयोजन, अधिग्रहणकर्ताओं (अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड और अदाणी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड) या अदाणी समूह का हिस्सा बनने वाली किसी अन्य इकाई द्वारा लक्षित (जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड) की 100 प्रतिशत तक शेयरधारिता के अधिग्रहण से संबंधित है। अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) गुजरात स्थित अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी है।

● **कंपनी का कारोबार–** जेएएल के पास प्रमुख रियल एस्टेट परियोजनाएं हैं। इनमें ग्रेटर नोएडा में जेपी ग्रीन्स, नोएडा में जेपी ग्रीन्स विशटाउन का एक हिस्सा (दोनों राष्ट्रीय राजधानी के बाहरी इलाके में) और जेपी इंटरनेशनल स्पोर्ट्स सिटी, जो आगामी जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट रणनीतिक रूप से स्थित है। इसके अलावा दिल्ली–एनसीआर में इसके तीन वाणिज्यिक/औद्योगिक कार्यालय भी हैं।

'मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है'

ओवल में इंग्लैंड पर जीत के बाद मोहम्मद सिराज हुए भावुक

नई दिल्ली, एजेंसी। यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं। हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि लंदन के केनिंग्टन ओवल मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी। मोहम्मद सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2–2 से बराबर की। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी।

मुझे जस्सी भाई की याद आती है: सिराज

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में भावुक सिराज ने कहा, 'हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज (जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है, क्योंकि अगर वह यहां होते तो यह और खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है।' जसप्रीत बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रूक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नजर आए। उन्होंने सोमवार सुबह के सत्र में जो भी गेंदें फेंकी उसने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया।

शब्दों में बयां नहीं कर सकता भावनाएं: सिराज

मोहम्मद सिराज ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो, इस समय (जीत के बाद) जो भावनाएं मेरे अंदर हैं, मैं उन्हें शब्दों में बयां नहीं कर सकता, क्योंकि कल (रविवार को) मैंने कैच छोड़ दिया था। जब मैं (चौथे दिन के बाद) सोने जा रहा था, तो मैं बस यही सोच रहा था कि मैंने ऐसा कैसे कर दिया।' मोहम्मद सिराज ने कहा, 'अगर मैंने वह कैच ले लिया होता, तो हमें सोमवार को मैदान पर आकर खेलने की जरूरत नहीं पड़ती। हम आराम कर रहे होते। लेकिन ऊपर वाले ने हमारे लिए कुछ और ही सोच रखा था। वह हमें सोमवार को स्टेडियम तक ले आया और नतीजा सबके सामने है।'

पहली परीक्षा में डर खत्म

इंग्लैंड दौरे पर नहीं खली रोहित-विराट की कमी, यह कमजोरी हुई दूर तो दुनिया पर राज करेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ 45 दिन के क्रिकेट में भारतीय टीम ने जबरदस्त खेल दिखाया। सीरीज के स्कोरलाइन 2-2 से 5 टेस्ट मैचों का आकलन शायद शुभमन गिल की टीम के साथ नाइंसाफी होगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम इस सवाल के साथ पहुंची थी कि वह सीरीज 0-4 से हारेगी या 0-5 से क्लीन स्वीप का सामना करेगी। 20 जून को जब दौरे की शुरुआत हुई तो किसी ने नहीं सोचा था कि 4 अगस्त को जब सीरीज का समापन होगा तब ओवल स्टेडियम बेन स्टोक्स के साथ शुभमन गिल ट्रॉफी उठाते दिखेंगे। सीरीज में साफ हो गया कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्जवल है। 45 दिन के क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने जबरदस्त खेल दिखाया। सीरीज के स्कोरलाइन 2-2 से 5 टेस्ट मैचों का आकलन शायद शुभमन गिल की टीम के साथ नाइंसाफी होगी। तेंदुलकर-एंडरसन सीरीज को मैनचेस्टर टेस्ट मैच के आखिरी दिन के पलों से आंकना चाहिए। जब बेधड़क क्रिकेट खेलने का दंभ भरने वाले बेन स्टोक्स मैच ड्रॉ समाप्त करने के लिए रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के आगे गिड़गिड़ाए थे।

भारतीय टीम का रहा दबदबा

भारत-इंग्लैंड 5 मैचों की टेस्ट सीरीज को लॉर्ड्स में तीसरे दिन के अंत में आउट होने के डर से जैक क्रॉली और बेन डकेट मैदान पर लेट उतरने से आंकना चाहिए। स्टोक्स के दोनों ओपनर जैसे-तैसे समय बर्बाद करके विकेट बचाने की कोशिश में लगे थे। इस रिकॉर्ड से भापना चाहिए कि टॉप 5 सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में 3 भारतीय हैं। 21 में से 12 शतक भारतीय बल्लेबाजों ने लगाए हैं। इस सीरीज को ओवल में 30 रन के अंदर 5 विकेट लेकर अंग्रेजों के जबड़े से जीत छीनने के लिए याद रखना चाहिए।

क्यों सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही

भारतीय टीम का दबदबा होने के बाद भी सीरीज 2–2 से ड्रॉ रही क्योंकि अहम मौकों पर शुभमन गिल की टीम ने काफी साधारण प्रदर्शन किया। लीड्स टेस्ट में 5 शतक लगाने के बाद भी टीम हार गई। इस मैच में फील्डिंग ने निराश किया। 7 कैच टपकाकर बंटाधार हुआ। रही सही कसर दूसरी पारी में गेंदबाजी ने पूरी कर दी। 371 रन के लक्ष्य के जवाब में जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 188 रन की साझेदारी की। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे गेंदबाज विकेट के लिए तरस गए।

लॉर्ड्स में दबाव नहीं झेल पाई भारतीय टीम

इसके बाद भारतीय को लॉर्ड्स में हार मिली। भारतीय टीम पहली पारी में बढ़त हसिल करने से चूक गई। पहली पारी में उसने 11 रन के अंदर 4 विकेट गंवाए। 193 रन लक्ष्य के जवाब में वह दबाव नहीं झेल पाई। बेन स्टोक्स की करिशमाई गेंदबाजी के आगे टॉप ऑर्डर का कोई भी बल्लेबाज डटकर नहीं खेल सका। रविंद्र जडेजा ने जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया, लेकिन 22 रन से हार का समाना करना पड़ा।

यह कमी करनी होगी दूर

भारतीय टीम के पास विश्व क्रिकेट पर राज करने की क्षमता है। इसके लिए उसे ऑलराउंडर्स के मोह से निकलना होगा। बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए गेंदबाजी से समझौता करना ठीक नहीं है। ऐसे एप्रोच से नतीजा यही होगा। भारतीय टीम को कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए थे।

शुभमन गिल को कप्तानी पर काम करने की जरूरत

भारत ने यह सीरीज 2–2 से बराबर कर ली, लेकिन कप्तान के तौर पर शुभमन गिल को बहुत काम करने की जरूरत है। गिल ने कई बार साधारण फैसले किए। उन्होंने सीरीज में कई बार मैच को हाथ से निकलने दिया। वह कई आउट ऑफ आइडिया दिखे। गिल की कप्तानी की सबसे बड़ी कमी रही चौथे गेंदबाज का इस्तेमाल न करने जिद। वह तीन प्रमुख तेज गेंदबाजों पर काफी निर्भर दिखे। अंग्रेज बल्लेबाजों को आसानी से रन बनाने का मौका देकर हावी होने दिया। हालांकि, कप्तान के तौर पर गिल की यह पहली सीरीज थी। उन्हें वक्त के साथ इन कमियों पर काम करना होगा।

35 का एवरेज, कप्तानी दिए जाने पर भी सवाल... तेंदुलकर-एंडरसन सीरीज में नए नायक बनकर उभरे कैप्टन शुभमन गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे के लिए रोहित शर्मा, विराट कोहली और अश्विन के संन्यास के बाद जब टीम का ऐलान हुआ तो टीम की कमान शुभमन गिल को दी गई, इसके बाद सवाल उठा कि एक कैसे खिलाड़ी को कप्तान कैसे बनाया जा सकता है जिसका टेस्ट क्रिकेट में एवरेज 35 का है. लेकिन तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के 2-2 से बराबरी पर छूटने के बाद सारे आंकड़े पुराने किस्से की तरह हो गए. क्योंकि टीम इंडिया के प्रिंस ने खुद को बतौर बल्लेबाज तो स्थापित करके दिखाया ही, वहीं यह भी दिखाया कि कप्तानी करने के मामले में भी वह किसी से कम नहीं हैं. उनकी कप्तानी में विराट कोहली जैसा कड़क तेवर नजर आया, वहीं रोहित शर्मा जैसी प्रेशर झेलने की कुव्वत भी नजर आई, धोनी जैसी कूलनेस भी दिखी.

गिल ने बतौर बल्लेबाज तो इस सीरीज में खुद को स्थापित करके दिखाया ही, वहीं टीम इंडिया के नंबर 4 पर भी खुद को स्थापितकरके दिखाया और क्या स्थापित किया.... क्योंकि गिल से पहले इस नंबर 4 की पोजीशन पर कभी सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली लंबे अरसे तक खेले थे. यह टीम इंडिया का टेस्ट क्रिकेट में ग्रेटेस्ट बैटिंग पोजीशन रही है. कैप्टन गिल के साथ खास बात यह रही कि जब अंग्रेज टीम के सामने आंखें तरेरनी पड़ी तो वो भी किया और जब मुश्किल परिस्थिति? में टीम के गेंदबाजों से लगातार कम्युनिकेशन करने की आवश्कता पड़ी तो उसे भी करने से वो पीछे नहीं हटे, हर हाल में डटे रहे. ओवल टेस्ट के उदाहरण से ही इसे आसानी से समझ सकते हैं. एक समय इंग्लैंड के दूसरी पारी में 3 विकेट खोकर 301 रन बन चुके थे लग रहा तो यहां से तो अंग्रेजों की की जती तय है ।

प्रो पंजा लीग: 2025

सीजन 2 में नई टीम और शोकेस बाउट से बढ़ेगा रोमांच

ये है प्रो पंजा लीग 2025 के वेन्यू से लाइव स्ट्रीमिंग तक की जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रो पंजा लीग 2025 का दूसरा सत्र मंगलवार (5 अगस्त) से मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शुरू होगा। इससे पहले सोमवार (4 अगस्त) को जिवाजी क्लब में दूसरे सत्र की शुरुआत का ऐलान हुआ। सीजन 2 का रोमांच छठी फ्रेंचाइजी एमपी हथौड़ाजके जुड़ने से लीग का रोमांच और बढ़ेगा। इसके लिए 70 किलो वेट कैटेगरी में 2 शोकेश बाउट का भी ऐलान हुआ। आइए जानते हैं टूर्नामेंट के फॉर्मेट, वेन्यू, टीमें और लाइव स्ट्रीमिंग समेत अन्य जानकारी-

प्रो पंजा लीग का फॉर्मेट

टूर्नामेंट के फॉर्मेट की बात करें तो एक वेट कैटेगरी में दो खिलाड़ियों के बीच बाउट्स होते हैं। इन बाउट्स में खिलाड़ियों को पिन हासिल करने यानी राउंड जीतने होते हैं। पुरुष और महिला दोनों वर्ग में बाउट्स तय वेट कैटेगरी में होते हैं। दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए भी अलग श्रेणी है। लीग प्रारूप के बाद सेमीफाइनल होगा। फिर फाइनल में विजेता तया होगा।

कितने मुकाबले होंगे

प्रो पंजा लीग 2025 में 5 अगस्त से 21 के बीच 17 दिन में 30 मैच होंगे। 4 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। विजेताओं का मुकाबला फाइनल में होगा। 20 अगस्त को सेमीफाइनल और 21 अगस्त को फाइनल होगा।

बैंच पर बैठे रह गए ये 3 दिग्गज, नहीं मिला इंग्लैंड दौरे में एक भी टेस्ट खेलने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी को 2-2 से ड्रॉ पर खत्म किया. मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की घातक गेंदबाजी और शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने आखिरी टेस्ट 6 रन से जीता और सीरीज को बराबरी पर खत्म किया, लेकिन इस पूरी सीरीज में भारतीय स्क्वॉड के कुछ ऐसे चेहरे भी थे जो लगातार टीम के साथ रहे, नेट्स में पसीना बहाया, लेकिन प्लेइंग इलेवन में एक भी मौका नहीं मिला.

अभिमन्यु ईश्वरन, हर बार निराशा

बंगाल के भरोसेमंद बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन सालों से इंडिया 'ए' के साथ दौरे कर रहे हैं. उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाया है और इंडिया. के कप्तान के रूप में विदेशों में शानदार प्रदर्शन भी किया है. 2022 में उन्हें पहली बार टीम इंडिया की टेस्ट स्क्वॉड में शामिल किया गया था, लेकिन अब तक उनके डेब्यू का इंतजार जारी है. इंग्लैंड दौरे पर भी वह बतौर रिजर्व ओपनर टीम में थे, मगर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के अच्छे फॉर्म ने उनके लिए टीम में कोई जगह नहीं छोड़ी.

कुलदीप यादव को भी नहीं मिली जगह

रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की स्पिन जोड़ी ने पूरा सीरीज में गेंदबाजी की, लेकिन कुलदीप यादव जैसे अनुभवी चाइनामैन स्पिनर को एक भी मैच में मौका नही मिला. रविचंद्रन अश्विन के बाहर रहने के बावजूद कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर ने कुलदीप की अनदेखी की.

नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से अपना नाम वापस लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम विजेता और विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने यह जानकारी दी। 38 साल के सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने गैर-चिकित्सीय कारणों के चलते टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। जोकोविच ने कमर की चोट का हवाला देते हुए टोरंटो में कैनेडियन मास्टर्स से हटने का फैसला किया था। उन्होंने लगातार दूसरी बार एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से भी बाहर रहने का फैसला किया था। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार, तीन बार के चैंपियन का एटीपी मास्टर्स 1000 में 45-12 का टूर्नामेंट रिकॉर्ड है। इस आयोजन में अपनी सबसे हालिया उपस्थिति में, उन्होंने 2023 के एक शानदार फाइनल में कार्लोस अल्काराज को 5-7, 7-6(7), 7-6(4) से हराकर जीत हासिल की थी। जोकोविच का इस सीजन में रिकॉर्ड 26-9 है, इसी साल उन्होंने मई में जिनेवा में अपना 100वां टूर-स्तरीय खिताब जीता था। उस जीत के बाद से उन्होंने सिर्फ दो इवेंट खेले हैं। वह फ्रेंच ओपन और विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे, लेकिन दोनों ही मेजर टूर्नामेंट में जैनिक सिनर से हार गए। जोकोविच का अगला मुकाबला यूएस ओपन में होगा, जहां मुख्य ड्रॉ मुकाबले 24 अगस्त से शुरू होंगे। वह अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश में हैं, जो पुरुष और महिला एकल में मिलाकर एक सर्वकालिक रिकॉर्ड स्थापित करेगा, और महिला वर्ग में मार्गरेट कोर्ट के वर्तमान रिकॉर्ड की बराबरी कर लेगा।

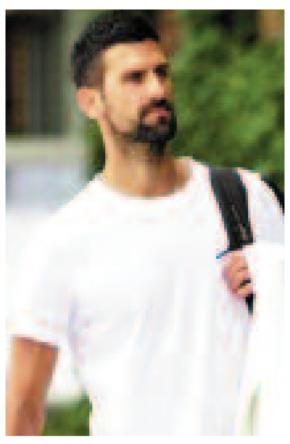

कॉमनवेल्थ गेम्स:

राष्ट्रमंडल खेल टीम करेगी अहमदाबाद का दौरा

2030 की मेजबानी हासिल करने की कवायद

नई दिल्ली, एजेंसी। यह दल रविवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा और मंगलवार को अहमदाबाद में होगा। अगर भारत को मेजबानी का अधिकार मिलता है तो अहमदाबाद प्रस्तावित मेजबान शहर है। राष्ट्रमंडल खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेल अधिकारियों का एक दल मंगलवार से तीन दिन के लिए अहमदाबाद का दौरा करेगा। यह दल आयोजन स्थलों का निरीक्षण करेगा और गुजरात सरकार के अधिकारियों से मुलाकात करेगा क्योंकि भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की संभावनाएं बढ़ रही हैं।यह दल रविवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा और मंगलवार को अहमदाबाद में होगा। अगर भारत को मेजबानी का अधिकार मिलता है तो अहमदाबाद प्रस्तावित मेजबान शहर है।

क्लब चलाना कठिन रहा.., बेंगलुरु एफसी ने उठाया बड़ा कदम, सुनील छेत्री को भी नहीं मिलेगी सैलरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग क्लब बेंगलुरु एफसी ने एक मुश्किल फैसला लेते हुए सुनील छेत्री समेत अपने सभी प्लेयर्स की सैलरी को रोक दिया है. क्लब ने इसको लेकर एक आधिकारिक बयान जारी किया और बताया कि वह खिला?ियों और सपोर्ट स्टाफ को कुछ समय के लिए सैलरी नहीं देंगे. क्लब ने एआईएफएफ और एफएसडीएल से गतिरोध को जल्द से जल्द खत्म करने का आग्रह करते हुआ कहा कि भारतीय फुटबॉल के भविष्य के लिए इसका शीघ्र समाधान बेहद ज़रूरी है. बेंगलुरु एफसी ने अपने बयान में कहा, इंडियन सुपर लीग सीज़न के भविष्य की अनिश्चितता को देखते हुए, बेंगलुरु फुटबॉल क्लब ने प्रथम टीम के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सैलरी को अनिश्चित काल के लिए निलंबित करने का एक बेहद कठिन फैसला किया है. भारत में एक फुटबॉल क्लब को चलाना और उसे बनाए रखना हमेशा से एक कठिन काम रहा है, जिसे हमने हर सीज़न में पूरा किया है. हालांकि, लीग के भविष्य को लेकर स्पष्टता की कमी के कारण हमारे पास यह कदम उठाने के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं था. हमारे प्लेयर्स, सपोर्ट स्टाफ और उनके परिवारों का भविष्य और कल्याण हमारे लिए सबसे जरुरी है, और हम समाधान की प्रतीक्षा में उनके संपर्क में हैं.

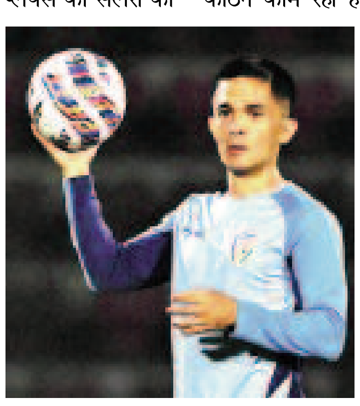

क्लब ने अपने बयान में बताया कि इससे बीएफसी सॉकर स्कूल में खेलने वाले प्लेयर्स पर कोई प्रभाव नहीं पडेगा. उन्होंने कहा, क्लब अपनी युवा टीमों (पुरुष और महिला) के साथ खेल और अपने संचालन को बढ़ाने और विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, और बीएफसी सॉकर स्कूल इस निर्णय से अप्रभावित रहेंगे.

अवने श्रीमन्नारायण के निर्देशक की अगली एक्शन फिल्म में दिखेंगे टाइगर श्रॉफ

बॉलीवुड के यंग एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ जल्द ही एक नई हाई-कॉन्सेप्ट एक्शन फिल्म में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म प्रोड्यूसर मुराद खेतानी और अवने श्रीमन्नारायण जैसी चर्चित कन्नड़ फिल्म बना चुके डायरेक्टर सचिन रवि की अगली पेशकश होगी। टाइगर इस फिल्म की शूटिंग इसी साल अक्टूबर से शुरू करेंगे, जो करीब 45 दिनों तक चलेगी। सूत्रों के मुताबिक, टाइगर लंबे समय से एक अलग फॉर्मेट में एक्शन फिल्म की तलाश में थे। ऐसे में मुराद खेतानी और सचिन रवि ने उन्हें एक ऐसा आइडिया सुनाया, जिसने टाइगर को काफी प्रभावित किया।

इंटरनेशनल स्टैंडर्ड की एक्शन टीम जुड़ेगी

यह फिल्म न सिर्फ एक्शन से भरपूर होगी, बल्कि इसका कॉन्सेप्ट भी काफी यूनिक और नया होगा। फिल्म की तैयारियां जोरों पर हैं। इंटरनेशनल स्टैंडर्ड की एक्शन टीम को इस प्रोजेक्ट से जोड़ा जा रहा है। वहीं डायलॉग्स की जिम्मेदारी जवान और बॉर्डर 2 जैसे प्रोजेक्ट्स से जुड़े लेखक सुमित अरोड़ा संभाल रहे हैं। यह फिल्म 2026 में बड़े परदे पर रिलीज की जाएगी। बता दें, डायरेक्टर सचिन रवि की यह पहली हिंदी फिल्म होगी। उन्होंने इससे पहले कन्नड़ इंडस्ट्री में ऑपरेशन अलमेलम्मा, अथाडे श्रीमन्नारायण जैसी विजुअली शानदार फिल्म दी है। साथ ही बतौर एडिटर भी वो किरिक पार्टी, उलिदवरु कांडंथे और सिंपल अगी ओंध लव स्टोरी जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुके हैं।

शूटिंग के लिए हैदराबाद पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस बेटी मालती मैरी के साथ मोतियों के शहर हैदराबाद पहुंचीं। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फैंस को झलक दिखाई। प्रियंका ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर दो तस्वीरें साझा कीं। पहली तस्वीर में मालती के छोटे-छोटे पैर और हाथ नजर आ रहे हैं, जिसके साथ उन्होंने लिखा, मामा और मालती। दूसरी तस्वीर में मालती कार की खिड़की से बाहर देख रही हैं, जिस पर लिखा है, हैदराबाद, हम पहुंच गए।

प्रियंका ने यह नहीं बताया कि वह हैदराबाद क्यों आई हैं। हालांकि, माना जा रहा है कि वह फिल्म निर्माता एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी29 की शूटिंग के लिए यहां हैं। इस बड़े बजट की फिल्म की शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा ओडिशा में पहले ही पूरा हो चुका है। इस एक्शन-एडवेंचर फिल्म में इतिहास और पौराणिक कथाओं का मिश्रण होगा, जिसमें प्रियंका के अलावा महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे सितारे भी नजर आएंगे। फिल्म की रिलीज को लेकर निर्माताओं ने कोई जानकारी नहीं दी है। हालांकि, उम्मीद है कि फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका हाल ही में एक्शन-कॉमेडी फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट में नजर आई थीं, जिसका निर्देशन इल्या नाइशुलर ने किया। इस फिल्म में उनके साथ इदरिस एल्बा, जॉन सीना, पैडी कॉन्सिडाइन, स्टीफन रूट, कार्ला गुगिनो, जैक क्वैड और सारा नाइल्स जैसे एक्टर्स हैं। प्रियंका ने इस फिल्म में एजेंट नोएल बिसेट की भूमिका निभाई, जो एक हाई-प्रोफाइल मिशन के दौरान जॉन सीना और इदरिस एल्बा के किरदारों के साथ मिलकर काम करती हैं। प्रियंका की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही कृष 4 में दिखाई देंगी।

सन ऑफ सरदार 2 के बाद अब तेहरान में धमाल मचाएंगी नीरू बाजवा

पंजाबी सिनेमा की क्वीन नीरू बाजवा ने हाल ही में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन की पत्नी का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता। अब वह एक और हिंदी फिल्म 'तेहरान' में जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। नीरू के प्रशंसकों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका है, क्योंकि वह एक के बाद एक हिंदी फिल्मों में अपनी छाप छोड़ रही हैं। नीरू ने 'तेहरान' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए बताया कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के बारे में भी हिंट दिया। नीरू ने अपने किरदार को मजबूत और नैतिकता से भरा हुआ बताया, जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहता है। उन्होंने कहा, लगातार हिंदी फिल्मों में काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव है।

'सन ऑफ सरदार 2' एक कॉमेडी फिल्म थी, जबकि 'तेहरान' में मेरा किरदार गंभीर, भावनात्मक और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाला है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताना जरूरी है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। नीरू अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करती नजर आईं। उन्होंने कहा, जॉन के साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा। वह एक ड्रीम को-एक्टर हैं, जो अपने किरदार में गहराई और प्रामाणिकता लाते हैं। उनके साथ काम करने से मेरा प्रदर्शन भी बेहतर हुआ। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमें एक साथ पर्दे पर देखना पसंद करेंगे। 'तेहरान' एक जियो-पॉलिटिकल फिल्म है, जो साल 2012 में दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास हुए बम विस्फोट से प्रेरित है। फिल्म में जॉन अब्राहम एसीपी राजीव कुमार की भूमिका में हैं, जो एक गुप्त ऑपरेशन में शामिल होता है। यह कहानी न केवल एक्शन और ड्रामा से भरपूर है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति और नैतिक दुविधाओं को भी उजागर करती है। 'तेहरान' का निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है और इसे मैडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है।

पंकज त्रिपाठी पर है महुआ मोइत्रा का क्रश; लिखे कई खत

साथ में पीना चाहती थीं कॉफी

पॉलिटिशियन महुआ मोइत्रा ने अपने एक कबूलनामे से लोगों को हैरान कर दिया है। महुआ मोइत्रा पार्लियामेंट में बेबाक भाषण और बहस के लिए जानी जाती हैं। महुआ का यह कबूलनामा उनकी सार्वजनिक छवि से थोड़ा अलग है। उन्होंने कबूल किया है कि उनका अभिनेता पंकज त्रिपाठी पर क्रश है। बात करते हुए महुआ ने बॉलीवुड की अपनी पसंदीदा फिल्म के बारे में बात की। उन्होंने कहा मैंने मुन्ना भाई सीरीज देखी है। इसे मैं दोबारा देखना चाहूंगी। मैंने विक्की डोनर देखी है और ये फिल्म मुझे बहुत पसंद आई। मैं पंकज त्रिपाठी से प्यार करती हूं। मैंने मिर्जापुर सीरीज देखी है। मैंने उन्हें एक खत भी लिखा था, इसका उन्होंने कभी जवाब नहीं दिया, लेकिन हां मैंने उन्हें एक खत लिखा था। वह मेरे क्रश हैं। मेरे ख्याल से वह सबसे कूल अभिनेता हैं। मुझे उनकी नकारात्मक भूमिकाएं भी अच्छी लगती हैं। मुझे वह मिर्जापुर में पसंद आए और गैंग्स ऑफ वासेपुर में भी।

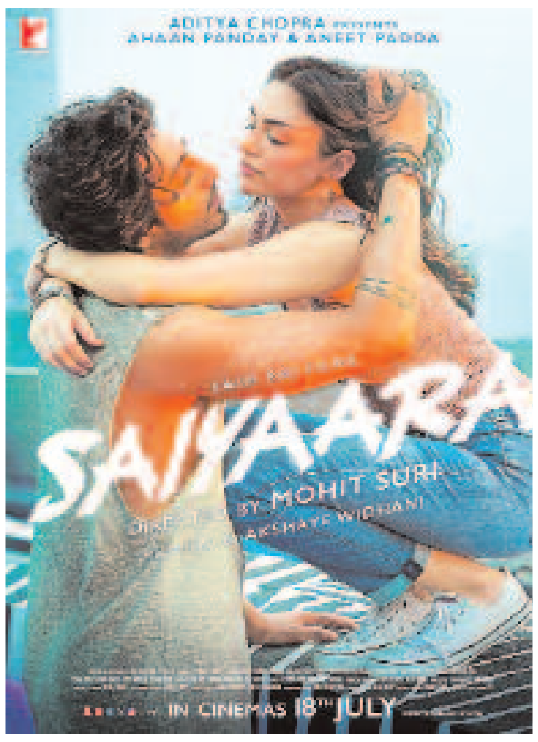

सैयारा के नाम दर्ज हुई एक और उपलब्धि, 300 करोड़ी क्लब में हुई एंट्री

अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म सैयारा ने 300 करोड़ी क्लब में एंट्री ले ली है। यह कारनामा फिल्म ने आज सोमवार को 18वें दिन कर दिखाया है। फिल्म विदेशों में भी धमाल कर रही है और वर्ल्डवाइड यह 400 करोड़ी क्लब का हिस्सा बन चुकी है। वहीं, भारतीय बॉक्स ऑफिस पर यह 300 करोड़ी फिल्मों वाली लिस्ट में नाम दर्ज करा चुकी है। फिल्म सैयारा ने कल रविवार को 17वें दिन आठ करोड़ रुपये का कारोबार किया था। वहीं, आज के शुरुआती आंकड़ों में भी फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर रही है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का इंडिया नेट कलेक्शन 300.11 करोड़ रुपये हो गया है।

इस मामले में 300 करोड़ी क्लब में शामिल होने वाली पहली फिल्म

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म सैयारा 300 करोड़ी कुनबे में शामिल होने वाली ऐसी पहली फिल्म है, जिसमें नए सितारे हैं। वहीं, यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी यह पांचवी फिल्म है, जो 300 करोड़ी बनी है। बता दें कि इस फिल्म को यशराज फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है।

बैटल ऑफ गलवां के बाद सलमान खान को मिली बड़ी फिल्म, मलयालम निर्देशक से मिलाया हाथ

सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवां को लेकर सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग के लिए वह बहुत मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में सलमान खान ने इस फिल्म का मोशन पोस्टर भी रिलीज किया है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक सलमान खान अभी इस फिल्म पर काम कर ही रहे हैं कि उनको एक और बड़ा प्रोजेक्ट मिला है।

सलमान खान को मिली नई फिल्म

पिंकविला के मुताबिक सलमान खान को जो फिल्म मिली है वह पीरियड थ्रिलर फिल्म है। सलमान खान ने मलयालम निर्देशक महेश नारायणन के साथ कई मुलाकातें की हैं। अब सलमान खान महेश नारायणन के साथ पीरियड थ्रिलर फिल्म पर काम करने के लिए राजी हो गए हैं। यह फिल्म 1970 से लेकर 1990 के दशक में सेट की जाएगी।

अक्षरा सिंह के सोशल मीडिया पोस्ट ने खींचा ध्यान

कैप्शन में झलकी टूटी भावनाओं संग जीने की हिम्मत

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्री अक्षरा सिंह एक बार फिर अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। इस पोस्ट में उन्होंने अपने भावनात्मक अनुभव को शब्दों के जरिए बयां किया और अपने फैंस को भावनाओं के तौर पर टूट जाने के बाद हिम्मत के साथ जीने के लिए प्रेरित किया। उनका यह पोस्ट इंटरनेट पर फैंस का ध्यान खींच रहा है। अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर एक ट्रेडिशनल लुक में तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह दुपट्टा फ्लॉन्ट करते हुए कैमरे के सामने आत्मविश्वास के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। हालांकि, इस बार उनकी पोस्ट की सबसे खास बात रहा उसका कैप्शन, जिसमें उन्होंने लिखा, कठोर होना आसान है इस दुनिया में, पर हर बार टूटने के बाद भी कोमल दिल के साथ जीना, वह हिम्मत है। उनके इस पोस्ट पर फैंस की तेजी से प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई फॉलोअर्स तो उनके लुक की तारीफ कर रहे हैं, तो कई उनके लिखे कैप्शन को दिल से महसूस करते हुए कमेंट्स कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, आपकी आंखों में छुपा दर्द साफ झलकता है, लेकिन जिस हिम्मत से आप मुस्कुरा रही हैं, वो काबिल-ए-तारीफ है। वहीं दूसरे फैन ने कमेंट में लिखा, आप जैसी औरतें समाज के लिए मिसाल हैं, जो टूटकर भी दूसरों के लिए दुआएं करती हैं। कुछ फैंस ने उन्हें रियल क्वीन बताया और लिखा, आप सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि एक फाइटर हो, आप रियल क्वीन हो। कुछ लोगों ने उनके कैप्शन को खुद की जिंदगी से जोड़ा और कमेंट्स में कहा, आपने जैसे हमारे दिल की बात कह दी। बता दें कि अक्षरा सिंह अपने निजी जिंदगी को लेकर भी विवादों में रह चुकी हैं। उनका नाम भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह से जुड़ चुका है। एक समय था जब दोनों का रिश्ता सुर्खियों में रहा, लेकिन वक्त के साथ यह रिश्ता कड़वाहट में बदल गया।

पति-पत्नी के बीच लड़ाई आम बात, लेकिन

रिश्ते में सच्चाई जरूरी: स्वरा भास्कर

ऐसे समय में जब मशहूर हस्तियों के ब्रेकअप और तलाक की खबरें अक्सर सुर्खियों में रहती हैं, अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने दावा किया है कि वह अपने पति फहद अहमद से कभी अलग नहीं होना चाहेंगी। समाचार एजेंसी के साथ स्वरा भास्कर और उनके पति फहाद अहमद ने अपनी शादी और रिश्ते को लेकर बात की। जब स्वरा से पूछा गया, आप दोनों का आपस में झगड़ा हो जाए, तो आप एक दूसरे को छोड़ेंगे या माफ कर देंगे? इस सवाल का जवाब देते हुए स्वरा ने कहा, रिश्ते में लड़ाई होना आम बात है, लेकिन उसका मतलब अलग होना नहीं होता। वहीं, फहाद ने कहा, नहीं-नहीं, हमारे रिश्ते में छोड़ने जैसा कुछ है ही नहीं।

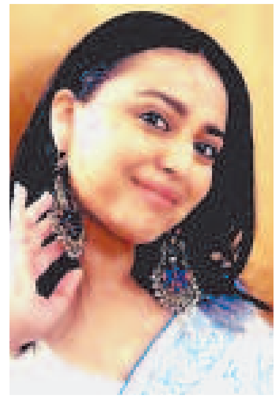

हमसे गलतियां होती हैं, तो हम एक-दूसरे से माफी मांग लेते हैं। हम दोनों ने कभी भी एक-दूसरे को छोड़ने के बारे में नहीं सोचा है। अभिनेत्री ने कहा, कभी-कभी हम गुस्से में एक-दूसरे को ऐसी बातें कह देते हैं जिससे थोड़ा बुरा लगता है, लेकिन हमने कभी ऐसा कुछ नहीं किया जो इतना बुरा हो कि हमें एक-दूसरे को छोड़ने के बारे में सोचना पड़े। स्वरा भास्कर ने कहा, मुझे लगता है कि अगर आप अपने पार्टनर के साथ खुलकर बात नहीं करते हैं, तो इसका मतलब है कि आपके रिश्ते में कुछ कमी है। रिश्ते में भरोसा बहुत जरूरी है।

साभार एजेंसी